@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 10 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 149 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी समेत तीन को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश

मुजफ्फरपुर, 9 अप्रैल। बिहार के मुजफ्फरपुर की अदालत ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व मंत्री और वीआईपी पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी, और उनके भाई संतोष सहनी के खिलाफ नोटिस जारी किया है। मुजफ्फरपुर की एडीजे प्रथम की अदालत ने इन तीनों नेताओं के खिलाफ सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है और सभी को 6 मई 2025 को सुबह 10-30 बजे व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होने का आदेश दिया है। इस मामले की जानकारी भारतीय सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने दी है। यह मामला भारतीय सार्थक पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा दिए गए चुनाव चिह्न नाव के कथित दुरुपयोग से जुड़ा हुआ है। भारतीय सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने 18 अप्रैल 2024 को मुजफ्फरपुर की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में परिवाद दायर किया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि वीआईपी पार्टी के नेता मुकेश सहनी और संतोष सहनी ने भारतीय सार्थक पार्टी के चुनाव चिह्न नाव का गलत तरीके से उपयोग किया। परिवाद के अनुसार, इन नेताओं ने चुनाव चिह्न को वापस करने का दबाव बनाया और इनकार करने पर भी लोकसभा चुनाव 2024 में इसे महागठबंधन के प्रचार में इस्तेमाल किया। आरोप है कि तेजस्वी यादव ने भी इस कथित फर्जीवाड़े में सहयोग किया और नाव चिह्न को महागठबंधन के प्रचार-प्रसार में उपयोग किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने उक्त परिवाद को खारिज कर दिया था, जिसके बाद सुधीर कुमार ओझा ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में क्रिमिनल रिवीजन वाद दायर किया। इसे सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया गया है। याचिकाकर्ता सुधीर कुमार ओझा ने बताया कि चुनाव के दौरान इन नेताओं द्वारा चुनाव आयोग द्वारा उनकी पार्टी को दि ए गए चुनाव चिह्न का गलत इस्तेमाल किया गया था। इसी को लेकर उन्होंने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। अब इस रिवीजनल पेटिशन के मामले में एडीजे कोर्ट ने इन नेताओं को नोटिस जारी करते हुए 6 मई 2025 को उपस्थित होने का आदेश दिया है।

राहुल गांधी ने उठाया जाति जनगणना का मुद्दा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का 84वां दो दिवसीय अधिवेशन चल रहा है। मंगलवार को पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली। आज आखिरी दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने एक बार फिर से जाति जनगणना को लेकर आवाज उठाई है। राहुल ने कहा है कि वक्फ बिल संविधान पर आक्रमण है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत में महात्मा गांधी और सरदार पटेल को याद करते हुए कहा, 100 साल पहले महात्मा गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे। 150 साल पहले सरदार पटेल का जन्म हुआ था। गांधीजी, सरदार पटेल ये कांग्रेस पार्टी की नींव हैं। अभी अजय लल्लू ने कहा कि मैं पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, गरीबों के लिए काम कर रहा हूं। राहुल गांधी ने अपने बचपन का किस्सा सुनाते हुए बताया कि मैंने एक बार अपनी दादी इंदिरा गांधी से एक बार एक सवाल पूछा कि दादी मरने के बाद आपके बारे में लोगों को क्या कहना चाहिए? इंदिरा गांधी ने जवाब दिया कि राहुल, मैं अपना काम करती हूं। मरने के बाद लोग मेरे बारे में क्या सोचें, क्या न सोचें मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपने काम में दिलचस्पी रखती हूं। अगर पूरी दुनिया मेरे मरने के बाद मुझे भूल भी जाए तो वो भी मुझे मंजूर है। यही मेरी भी सोच है। राहुल गांधी ने कहा कि, तेलंगाना में हमने एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। हमने जाति जनगणना करायी है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ महीने पहले, मैंने संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा था कि हमें देश में जाति जनगणना करवानी चाहिए... मैं जानना चाहता था कि इस देश में किसकी कितनी हिस्सेदारी है और क्या यह देश सही मायने में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदायों का सम्मान करता है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया क्योंकि वे नहीं चाहते कि इस देश में अल्पसंख्यकों को कितनी हिस्सेदारी मिलती है, यह पता चले। मैंने उनसे कहा कि हम संसद में आपके सामने ही जाति जनगणना कानून पारित करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में, राज्यसभा में हम कानून पास करेंगे। जाति जनगणना यहीं से निकालेंगे। मैं जानता हूं कि जो तेलंगाना की हालत है, वह हर प्रदेश की है। तेलंगाना में 90 फीसदी आबादी, ओबीसी, दलित, अल्पसंख्यक है। तेलंगाना में मालिकों

की लिस्ट, सीईओ की लिस्ट, सीनियर मैनेजमेंट की लिस्ट में इस 90 फीसदी में से नहीं मिलेगा। राहुल ने कहा, तेलंगाना में सारे गिग वर्कर्स दलित, ओबीसी या आदिवासी हैं। तेलंगाना में जाति जनगणना में नया उदाहरण दिया है। तेलंगाना में हम सचमुच में विकास का काम कर सकते हैं। वहां हम हर सेक्टर में आपको बता सकते हैं। मैं खुश हूं कि जाति जनगणना होने के बाद हमारे सीएम और टीम ने ओबीसी रिजर्वेशन को 42ल तक पहुंचा दिया। जब दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक की भागीदारी की बात आती है तो भाजपा के लोग चुप हो जाते हैं। जो हमने तेलंगाना में किया है, वह हम पूरे देश में करने जा रहे हैं। भाजपा ने इसे रद्द कर दिया है। अग्निवीर के मुद्दे पर राहुल ने कहा कि आज हमारी सरकार युवाओं को कहती है कि आप युद्ध में शहीद होंगे, आप अग्निवीर हो तो हम आपको न शहीद का दर्जा देंगे और न ही पेंशन। आपके साथ जो लड़ रहा है, उसे मिलेगा, आपको नहीं। दलित, पिछड़ा, अति-पिछड़ा को नुकसान हो रहा है। वहीं हाल में बांग्लादेश की अतंरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद युनुस और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर राहुल गांधी ने जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश भारत के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी बड़ी समस्या

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा है कि मिजोरम एक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से नशीले पदार्थों की तस्करी एक बड़ी समस्या है। इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। यह बात उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के निदेशक जनरल अनुराग गर्ग से अपने कार्यालय में मुलाकात के दौरान कही। बैठक में उन्होंने मिजोरम में बढ़ते नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की। इस बैठक में मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से नशीले पदार्थों के बढ़ते प्रवेश को रोकने के लिए प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उन उपायों पर तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है, जिससे तस्करी को रोका जा सकता है। हर पहलु पर गौर करने की जरूरत है। उन्होंने सीमा क्षेत्रों में ड्रग तस्करी को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे और पर्याप्त मानव संसाधन की महत्ता पर जोर दिया। बैठक में उन्होंने राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय सरकार और गृह मंत्रालय के तहत मिजो टेरिटोरियल आर्मी स्थापित करने के लिए अपील की है। बैठक में निदेशक जनरल अनुराग गर्ग ने कहा कि मिजोरम में एक पूरी तरह से क्रियाशील जोनल ऑफिस स्थापित करना लाभकारी होगा। उन्होंने कार्यबल को मजबूत करने की आवश्यकता को दोहराया। बैठक में एक बात पर ध्यान दिया गया कि यहां पर मिजो भाषा के अधिकारियों की कमी है। बैठक में गर्ग ने मिजो भाषा में दक्ष और अधिक एनसीबी कर्मचारियों की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव एवं आयुक्त वानलालदीना फानई भी उपस्थित थे।

बंगाल में वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं होगा: सीएम ममता

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 9 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीते दिन हुई वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं होगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह अल्पसंख्यक लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा के लिए हम कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा, जिससे कोई समाज में फूट डालकर राज कर सके। ममता ने कहा, बांग्लादेश की स्थिति देखिए। इसे अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। आपको जियो और जीने दो का संदेश देना चाहिए। बंगाल में रहने वालों को सुरक्षा देना हमारा काम है। मैं आप सभी से अपील करती हूं कि अगर कोई आपको राजनीतिक रूप से एकत्र होने के लिए उकसाता है, तो कृपया ऐसा न करें। कृपया याद रखें कि दीदी आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। अगर हम साथ रहेंगे, तो हम दुनिया जीत सकते हैं। ममता बनर्जी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए कहा, हम लोग हर परंपरा को मानते हैं, हमारे यहां जितने भी धर्म हैं, सबके लिए हमने बचपन से प्रेम सीखा है। मुझे कहा जाता है कि आप हर धर्म के कार्यक्रम में क्यों जाती हैं? मैं उनको कहती हूं कि मैं हमेशा जाती रहूंगी। अगर तुम गोली भी मार दो फिर भी मेरे मन से एकता नहीं निकाल सकते। हमारे यहां हर धर्म, परंपरा के त्योहार हैं। सभी धर्म के लोग इंसानियत के लिए प्रार्थना करते हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक को बीते गुरुवार को लोकसभा ने पारित किया था। इसके बाद शुक्रवार की सुबह राज्यसभा ने भी इस पर मुहर लगा दी थी। संसद के दोनों सदनों में लंबी बहस के बाद इसे पारित किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी भी दे दी थी। केंद्र सरकार ने इसे लागू करने के लिए बीते दिन ही अधिसूचना जारी की थी। इससे पहले बीते दिन मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी। सड़क जाम करने से रोकने पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इलाके में फिलहाल शांति है, लेकिन इंटरनेट को निलंबित रखा गया है।

भारत-चीन सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे: एस जयशंकर

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को भारत और चीन संबंधों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, अभी भी कुछ मुद्दे बाकी हैं, जिन पर काम किया जाना बाकी है। रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए इन मुद्दों पर काम करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने एक सम्मेलन में बोलते हुए यह बात कही। गलवान घाटी में झड़पों के बाद भारत-चीन संबंध 1962 के युद्ध के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि, कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के बाद, अक्तूबर 2024 में दोनों पक्षों के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अंतिम दो टकराव बिंदुओं- देपसांग और डेमचोक के लिए एक विघटन समझौता हुआ, जिसके चलते दोनों पक्षों ने टकराव वाले स्थानों से अपने सैनिक वापस बुला लिए। विदेश मंत्री

जयशंकर ने सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि देपसांग-डेमचोक विघटन समझौता महत्वपूर्ण था। क्योंकि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के कुछ दिनों बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कई फैसले लिए। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि सीमा पर कुछ मुद्दे अभी भी बने हुए हैं, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में सेना का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान कई अन्य चीजें भी हुईं, जिनमें से कुछ स्थिति का परिणाम थीं। उन्होंने कोविड काल का उदाहरण दिया और कहा कि कोविड के दौरान चीन के लिए हमारी सीधी उड़ानें बंद हो गईं, जो फिर से शुरू नहीं हो सकी हैं। इस अवधि के दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा भी बंद हुई। यह भी फिर से शुरू नहीं हो सकी है।

हमें जो काम करना है वो करेंगे: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 9 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर बयान दिया। उनका कहना था कि देश मजबूत नहीं हो सकता जब तक हमारी बहनें अपना अधिकार नहीं ले लेंगी। इनमें से दो चौथाई हैं और इनका समय आ गया है। फारूक अब्दुल्ला ने महिला आरक्षण बिल का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संसद में पारित हो चुका है और इस पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हमारी बच्चियां संसद, विधानसभा और पंचायत में शामिल होंगी तो वे महिलाओं के हक के लिए लड़ सकती हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में चल रहे हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दुश्मन हमेशा रहेंगे। दुश्मनों का आवाज यही होगा। हमें आवश्यक कार्रवाई करेंगे और इस रियासत को इस मुश्किल से बाहर निकालेंगे।

प्राचीनता को आधुनिकता से जोड़ने की पहल: प्रधानमंत्री मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की पहचान को सशक्त बनाने में जैन धर्म की भूमिका अमूल्य रही है। इस अनमोल विरासत को सहेजने को लेकर हमारी प्रतिबद्धता हमारे लोकतंत्र के मंदिर नई संसद में भी हर ओर दिखाई देती है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम की अहमियत को रेखांकित किया और कहा, इसके माध्यम से शांति, आध्यात्मिक जागृति और सार्वभौमिक सद्भाव को बढ़ावा देने का सौभाग्य मिला। बकौल पीएम मोदी, हमारी नई पीढ़ी को नई दिशा मिले और समाज में शांति, सद्भाव और करुणा बढ़े, इसके लिए हमें इन 9 संकल्पों को अपने जीवन में अपनाना होगा। उन्होंने पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों से निपटने का आह्वान करते हुए कहा कि टिकाऊ जीवनशैली ही एकमात्र उपाय है। जैन धर्म से जुड़े प्रतीकों का देश की संसद में उपयोग किए जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा, लोकतंत्र के मंदिर नए संसद भवन में जैन धर्म का प्रभाव देखा जा सकता है...लोकसभा के प्रवेश द्वार पर तीर्थंकर की प्रतिमा है। यह प्रतिमा ऑस्ट्रेलिया से वापस लाई गई है...दक्षिणी भवन की दीवारों पर सभी 24 तीर्थंकरों को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि संविधान गैलरी की छत पर भगवान महावीर की अद्भुत पेंटिंग है। पीएम मोदी ने विश्व कल्याण का जिक्र करते हुए जैन धर्म के दर्शनों के अलग-अलग

पहलुओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, जैन धर्म जितना वैज्ञानिक है, उतना ही संवेदनशील भी। युद्ध, आतंकवाद और पर्यावरण की चुनौतियों का हल भी इसके मूल सिद्धांतों में समाहित है। भारत की पहचान में जैन धर्म की अतुल्य भूमिका को रेखांकित करने के अलावा प्रधानमंत्री ने सरकार की तरफ से होने वाले प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हम ज्ञान भारतम मिशन शुरू करने जा रहे हैं। इसके तहत हमारा संकल्प प्राचीन धरोहरों को डिजिटल करके प्राचीनता को आधुनिकता से जोड़ने का है। बकौल पीएम मोदी, नवकार महामंत्र सही मायने में ध्यान, साधना और आत्मशुद्धि का मंत्र है। यह हमारी आस्था का केंद्र है। इसका महत्त्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है, बल्कि ये स्वयं से लेकर समाज तक सबको राह दिखाता है। बुधवार के आयोजन के दौरान जैन धर्म के सबसे पूज्य और सार्वभौमिक मंत्र नवकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण के दौरान विश्व कल्याण की कामना की गई। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बीते सोमवार अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये लोगों से नवकार महामंत्र दिवस में हिस्सा लेने का आह्वान किया था। खबरों के मुताबिक 100 से अधिक देशों के लोग इसमें शामिल होकर वैश्विक शांति, एकता और आध्यात्मिक जागृति के मंत्रोच्चार के साक्षी बने। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नवकार महामंत्र दिवस एक वैश्विक पहल है, जिसमें 108 से अधिक देशों के लोग भाग लेंगे। इसका उद्देश्य शांति, आध्यात्मिक जागरूकता और सार्वभौमिक सद्भाव को बढ़ावा देना है।

कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने राउज एवेन्यू कोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों के संबंध में अपने खिलाफ आगे की जांच के आदेश के खिलाफ बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट का रुख किया। यह आवेदन विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जो शीघ्र ही मामले पर सुनवाई करेंगी। अदालत की तरफ से आगे की जांच के आदेश के खिलाफ दिल्ली पुलिस की ओर से दायर आवेदन पर भी सुनवाई किए जाने की संभावना है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) वैभव चौरसिया ने एक अप्रैल को कहा था कि प्रथम दृष्टया यह एक संज्ञेय अपराध है, जिसकी जांच की जरूरत है। यह स्पष्ट है कि मंत्री कपिल मिश्रा कथित अपराध के समय इलाके में ही थे। मजिस्ट्रेट ने कहा था कि मामले में आगे जांच की आवश्यकता है। वह यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास की तरफ से दायर याचिका पर दलीलें सुन रहे थे, जिसमें एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी, जिसका दिल्ली पुलिस ने विरोध किया और कहा कि दंगों में मिश्रा की कोई भूमिका नहीं थी।

26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा की वापसी से होंगे खुलासे

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। मुंबई में हुए 26/11 आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को जल्द ही अमेरिका से भारत लाया जा सकता है। भारतीय जांच एजेंसियों का मानना है कि उसकी वापसी से इस भयावह आतंकी हमले में पाकिस्तान के सरकारी एजेंटों की संलिप्तता का पर्दाफाश हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, राणा अमेरिका में अपनी सभी कानूनी अपीलें हार चुका है और अब उसकी भारत को प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। भारत की एक मल्टी-एजेंसी टीम पहले ही अमेरिका पहुंच चुकी है ताकि उसे भारत लाया जा सके। आरोपी तहव्वुर राणा ने अमेरिका की अदालतों में अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए कई बार अपील की। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उसकी अंतिम अपील खारिज कर दी। जस्टिस एलेना केगन और फिर चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स की अदालत में उसकी अर्जी अस्वीकार कर दी। इसका मतलब है कि अब राणा को भारत लाने में कोई कानूनी अड़चन नहीं बची है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तहव्वुर राणा को 26/11 हमलों के सह-साजिशकर्ता के रूप में चार्जशीट किया है। आरोप है कि उसने डेविड हेडली को भारत में ठहरने और घूमने के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया। मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, आगरा, हापुड़ और अहमदाबाद में उसके साथ यात्रा की। चाबड़ हाउस और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज जैसे ठिकानों की रेकी में मदद की। आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल-जिहादी-इस्लामी (एचयूजेआई) से संबंध बनाए रखे। जांच एजेंसियों का मानना है कि तहव्वुर राणा की गवाही से उन पाकिस्तानी

सरकारी अधिकारियों की भूमिका उजागर हो सकती है जो 26/11 की साजिश में शामिल थे। इनमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी जैसे मेजर इकबाल और मेजर समीर अली शामिल हैं। इसके अलावा हाफिज सईद (लश्कर-ए-तैयबा का मुखिया), जकी-उर-रहमान लखवी, साजिद मजीद, इलियास कश्मीरी, अब्दुर रहमान हाशिम सईद उर्फ मेजर अब्दुर रहमान (पासा) के नाम भी इस हमले की साजिश में सामने आए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2025 की शुरुआत में व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका बहुत बुरे लोगों को भारत के हवाले करने को तैयार है ङ्कजिसमें तहव्वुर राणा भी शामिल हैं। भारत में तहव्वुर राणा को लाकर पहले एनआईए की हिरासत में रखा जाएगा, ताकि उससे पूछताछ की जा सके। जांच एजेंसियां यह जानने की कोशिश करेंगी कि उसने किन-किन ठिकानों की रेकी की? किस पाकिस्तानी अधिकारी से उसका सीधा संपर्क था? हेडली और अन्य आतंकियों के साथ उसकी बातचीत में क्या योजनाएं बनीं? तहव्वुर हुसैन राणा पाकिस्तान मूल का कनाडाई नागरिक है। वह अमेरिका में पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी रहा है। डेविड कोलमैन हेडली 26/11 हमलों का एक बड़ा साजिशकर्ता था और उसने हमले से पहले मुंबई में कई जगहों की रेकी (जांच) की थी। तहव्वुर राणा को अक्तूबर 2009 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने शिकागो से गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि उसने मुंबई और डेनमार्क में आतंकी हमलों के लिए हेडली की मदद की थी।

मैं संजय हूं, लेकिन महाभारत का संजय नहीं: गवर्नर संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। मैं संजय हूं, लेकिन महाभारत का संजय नहीं हूं...भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को एमपीसी के फैसलों की घोषणा के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे महाभारत के संजय नहीं हैं जो भविष्य में ब्याज दरों पर होने वाली कार्रवाई का पूर्वानुमान लगा सके और यह भी बता सके कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ब्याज दरों में नरमी किस स्तर पर रुकेगी। मल्होत्रा की यह टिप्पणी एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान आई, जब उनसे पूछा गया कि क्या ब्याज दरों में और कटौती की संभावना है, क्योंकि उन्होंने आरबीआई गवर्नर का पद संभालने के बाद से लगातार दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती की है। महाभारत में संजय को दिव्य दृष्टि प्राप्त थी और उन्होंने अपनी शक्ति का प्रयोग कर कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में हो रही घटनाओं का विवरण राजा धृतराष्ट्र को दिया था। एमपीसी के फैसले के बाद आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति और राजकोषीय नीति जीडीपी व महंगाई के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, यह एक संयुक्त प्रयास है...सरकार ने हाल ही में बजट में पूंजीगत व्यय में वृद्धि, कर छूट के संदर्भ में अनेक उपाय करके अपना योगदान दिया है तथा हमने रेपो दर में कमी की है तथा आगे के लिए

रुख में बदलाव किया है, जिसका अर्थ है कि नीतिगत रेपो दर में कमी की दिशा है। उन्होंने कहा, यह कहां तक पहुंचेगा... हम वास्तव में नहीं जानते। मैं संजय हूं, लेकिन मैं महाभारत का संजय नहीं हूं कि इतनी दूर तक देख सकूं। मेरे पास उनकी जैसी दिव्य दृष्टि नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हम (सरकार के साथ मिलकर) अपने देश में विकास और मुद्रास्फीति की गतिशीलता को प्रबंधित करने की कोशिश करेंगे। इससे पहले, दिन में मल्होत्रा ने लगातार दूसरी बार रेपो दर में कटौती की घोषणा की तथा भविष्य में और अधिक ढील दिए जाने का संकेत दिया, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अमेरिकी टैरिफ के कारण पड़ने वाले और अधिक दबाव के मद्देनजर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास कर रहा है।

ईरान को उम्मीद, अमेरिका की सद्भावना से परमाणु समझौता संभव

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका बातचीत में पर्याप्त सद्भावना दिखाता है, तो दोनों देशों के बीच एक नया परमाणु समझौता संभव है। यह बातचीत ओमान में शुरू होने वाली है। अराघची ने स्पष्ट किया कि ईरान का प्रमुख लक्ष्य अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को हटाना है, जो 2018 में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पुराने परमाणु समझौते से हटने के बाद फिर से लागू कर दिए गए थे। इन प्रतिबंधों ने ईरानी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के दौरान इन वार्ताओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह बातचीत प्रत्यक्ष होगी, जबकि अराघची ने कहा कि ईरान की ओर से अमेरिका के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ के साथ बातचीत अप्रत्यक्ष ही होगी। अराघची ने कहा, हम किसी भी अन्य प्रकार की बातचीत को स्वीकार नहीं करेंगे। बातचीत का प्रारूप उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि उसकी प्रभावशीलता। यदि अमेरिका इच्छाशक्ति दिखाता है, तो समझौता संभव है। गेंद अब अमेरिका के पाले में है। वहीं ट्रंप ने भी कहा कि वह समझौते की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर बातचीत विफल रही, तो ईरान गंभीर खतरे में होगा।

काठमांडू आठवें दिन भी विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में रहा शामिल

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू पिछले आठ दिनों से विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहर बन रहा। अत्यधिक प्रदूषण के कारण आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वायु प्रदूषण का स्तर खतरा के स्तर को पार कर गई है जिस कारण लोगो में आंखों में जलन, सीने में दर्द, दम घुटने जैसी शिकायतें आम हो गई है। सरकार ने एकबार फिर अनावश्यक घर से बाहर नहीं निकलने, खिड़की दरवाजे बंद रखने, मास्क लगा कर बाहर निकलने की सलाह दी है। पर्यावरण विभाग के अनुसार, काठमांडू का वायु प्रदूषण एक अस्वास्थ्यकर स्तर पर पहुंच गया है, जिससे यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बन गया है। आईक्यूएयर (IQAir) के आंकड़ों से पता चलता है कि शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई (AQI) आठवें दिन यानि मंगलवार की सुबह 272 पर पहुंच गया, जो 151-200 की अस्वास्थ्यकर सीमा से काफी अधिक है। इसी तरह PM 2.5 की स्तर 365 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंचने की जानकारी दी गई है। वायु प्रदूषण की अवस्था दिन प्रतिदिन बिगड़ते जाने के बाद उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह के नेतृत्व में पर्यावरणविदों की बैठक हुई। इस बैठक में वायु प्रदूषण के कारण लोगों पर होने वाले खतरनाक असर को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद उपप्रधानमंत्री सिंह ने कहा कि सभी आवश्यक उपाय के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि वाहनों और फैक्ट्रियों के प्रदूषण को कम करने के उपाय पर भी चर्चा की गई है।

राजशाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे नेताओं की चेतावनी- सरकार ने मांग नहीं मानी तो श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी नौबत आएगी

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के पुनर्बहाली के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेताओं ने वर्तमान सरकार और अन्य राजनीतिक दलों को चेतावनी दी है कि अगर समय रहते उनकी आवाज को नहीं सुनी गई तो नेपाल में भी श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी नौबत आ सकती है। आरपीपी द्वारा राजधानी काठमांडू में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के नेताओं ने राजशाही के पक्ष में जल्द से जल्द पुनर्विचार करने की बात कही। सभा को संबोधित करते हुए आरपीपी के वरिष्ठ नेता तथा सांसद दीपक बहादुर सिंह ने वर्तमान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मंत्रियों को बांग्लादेश और श्रीलंका में सत्ता पर बैठे नेताओं को सब कुछ छोड़ कर भागने की घटना को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सत्ता के नशे में चूर शासक जनता की आवाज को नहीं सुनती है तो फिर जनता को शासक के महल पर कब्जा करते देर नहीं लगती। आरपीपी के सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के एक अन्य बड़े नेता पशुपति शमशेर राणा ने कहा कि देश की जनता राजशाही को वापस लाना चाहती है, इसलिए जनता की भावना को स्वीकार कर इस पर वार्ता शुरू करनी चाहिए।

दक्षिण कोरिया में नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव तीन जून को

सियोल। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हान डक-सू ने आज मंत्रमंडल की बैठक में नए राष्ट्रपति के लिए तीन जून को चुनाव कराने की घोषणा की। यह नौबत राष्ट्रपति यून सुक येओल को हटाने के बाद आई है। येओल को देश की संवैधानिक न्यायालय ने शुक्रवार को बर्खास्त कर दिया था।द कोरिया हेराल्ड की खबर में यह जानकारी दी गई। येओल ने पिछले साल दिसंबर में देश में मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर सबको चौंका दिया था। इस पर नेशनल असेंबली ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पास किया। उन्होंने इसे संवैधानिक न्यायालय में चुनौती दी। संवैधानिक न्यायालय ने बहुमत से महाभियोग को बरकरार रखते हुए येओल को राष्ट्रपति के पद से तत्काल हटा दिया था।

नेपाल में राजशाही की बहाली की मांग - फिर सड़कों पर उतरेगी आरपीपी, हाई अलर्ट पर पुलिस

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल की राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) राजधानी में फिर प्रदर्शन करने जा रही है। इस बार उसने बल्खू में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। आरपीपी राजशाही की बहाली और पुलिस हिरासत में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। इससे पहले काठमांडू के तिनकुने इलाके में 28 मार्च को राजशाही समर्थक प्रदर्शन उग्र हो उठा था। सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के सिलसिले में कई नेताओं और राजशाही समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल में राजशाही को फिर से स्थापित करने के मिशन के साथ

गठित संयुक्त जन आंदोलन के समन्वयक नबराज सुबेदी को घर में नजरबंद रखा गया है। जबकि आरपीपी के नेता उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा और महासचिव धवल शमशेर राणा पुलिस हिरासत में हैं। सरकार और राजशाही दोनों ही खेमे तिनकुने विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। आरपीपी का विरोध प्रदर्शन 'स्थिति बदलने के लिए व्यवस्था बदलें' के नारे के तहत आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन को राजशाही समर्थक समूह ज्वाइंट पीपुल्स मूवमेंट का भी समर्थन प्राप्त होगा।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता दिनेश कुमार आचार्य ने नेपाल के प्रमुख दैनिक काठमांडू पोस्ट को बताया कि आरपीपी प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस के 2,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि संसद में 14 सीटें रखने वाली पार्टी का यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर कोई प्रदर्शनकारी तोड़फोड़ या आगजनी करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका में वर्जीनिया के स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी में गोलीबारी, तीन की मौत, तीन घायल

एजेंसी

स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी (वर्जीनिया)। संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्जीनिया के स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी में हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी शेरिफ कार्यालय (एससीएसओ) के डिप्टी को शाम करीब 5:30 बजे स्पॉट्सिल्वेनिया में गोलीबारी की सूचना मिली। स्पॉट्सिल्वेनिया, वाशिंगटन, डीसी से करीब 60 मील दक्षिण में एक उपनगर है।

न्यूज वेबसाइट न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति में कहा गया कि जब डिप्टी वहां पहुंचे, तो कई लोगों को गोली लगी हुई थी। 7:45 बजे तक शेरिफ कार्यालय ने पुष्टि की कि तीन लोग मारे गए हैं और तीन लोगों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है। एससीएसओ अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी संदिग्ध को नहीं पकड़ा जा सका है।

ट्रेड वारः अमेरिका ने चीन पर लगाया 104 प्रतिशत टैरिफ, आधी रात से होगा लागू

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनाव ने अब और गंभीर रूप ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयात होने वाले कुछ सामानों पर 104 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जो 08 अप्रैल की आधी रात यानी 09 अप्रैल से प्रभावी होगा। यह कदम चीन द्वारा अमेरिका पर 34 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के जवाब में उठाया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि बीजिंग द्वारा टैरिफ वापसी से इनकार करने के बाद अमेरिका ने यह कड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, अमेरिका अपने हितों की रक्षा करेगा और चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। 09 अप्रैल से यह टैरिफ प्रभावी हो जाएगा। फॉक्स बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर चीन 08 अप्रैल तक अपने टैरिफ निर्णय को वापस नहीं लेता है, तो

अमेरिका 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएगा। लेकिन अब यह शुल्क बढ़ाकर 104 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे स्पष्ट है कि अमेरिका चीन के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फैसले के बाद चीन की प्रतिक्रिया भी तीखी रही। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका के फैसले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक गलती के ऊपर एक और गलती करार दिया और अंत तक लड़ने की चेतावनी दी। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का यह कदम न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि वैश्विक बाजारों में अस्थिरता भी बढ़ाएगा।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के संस्थापक सदस्य ताज हैदर का 83 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता और सीनेटर ताज हैदर का कराची में 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने इसकी पुष्टि की। परिवार ने बयान में कहा कि हैदर का कराची के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। आज मस्जिद-ओ-इमामबरगाह यासरब, फेज 4, डिफेंस सोसाइटी, कराची में जुहरैन की नमाज के बाद उनकी अंतिम नमाज अदा की जाएगी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने वरिष्ठ पीपीपी नेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जियो न्यूज ने उनकी पत्नी के हवाले से यह खबर दी है। पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने पार्टी के केंद्रीय महासचिव ताज हैदर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सिंध प्रांत के पीपीपी महासचिव वकार मेहदी ने भी शोक संवेदना जताई है। मेहदी ने कहा कि वे पीपीपी के संस्थापक सदस्य थे। उनका जन्म 08 मार्च, 1942 को भारत के राजस्थान में कोटा में हुआ था। विभाजन के बाद परिवार पाकिस्तान

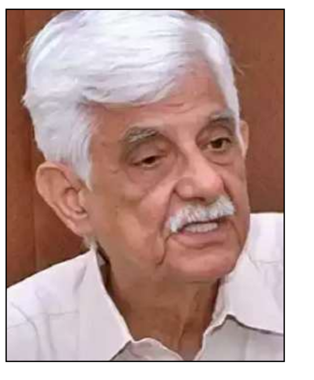

चला आया। उन्होंने कराची के रंचोर लाइंस स्थित सरकारी हाईस्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह ललित कला की दुनिया में आए। टेलीविजन के धारावाहिकों के लिए कहानियां लिखीं। विभिन्न समाचार पत्रों के लिए विचारोत्तेजक स्तंभ भी लिखे। अपने स्वयं के धारावाहिक अबला पा में अभिनय किया। हैदर ने राजनीतिक यात्रा 1967 में शुरू की। वह पीपीपी में शामिल हो गए।पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके राजनीतिक, सामाजिक और साहित्यिक योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। लोकतंत्र के लिए उनका आजीवन संघर्ष और बलिदान भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। कराची प्रेस क्लब के अध्यक्ष फाजिल जमीली ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सच्चे कॉमरेड और समर्पित डेमोक्रेट को आखिरी सलाम। हैदर को वैज्ञान क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए 2012 में सितारा-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया गया। उन्हें 2006 में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरियल लेखक के लिए 13वां पीटीवी पुरस्कार भी मिला।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढही, 79 की मौत, 155 घायल, तीन दिन का राष्ट्रीय शोक

एजेंसी

सेंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह एक नाइट क्लब की छत ढह जाने से कम से कम 79 लोगों की जान चली गई। इस क्लब का नाम जेट सेट है। यह हादसा गायिका रूबी पेरेज की प्रस्तुति (संगीत कार्यक्रम) के दौरान हुआ। मृतकों में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। शोक में डूबे इस गणराज्य में हुए हादसे में 155 से अधिक लोग घायल हुए हैं। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। डोमिनिकन गणराज्य की आपातकालीन सेवा ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि की है। छत गिरने की वजह अभी तक साफ

नहीं हो सकी है। आपातकालीन सेवाओं के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल जुआन मैनुअल मेंडेज ने मंगलवार देररात संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब तक 79 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।155 बचे हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डोमिनिकन गणराज्य पुलिस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कहा कि अभी भी मलबे में लोगों की तलाश की जा रही है। लेकिन मलबे में दबे लोगों के जीवित बचने की संभावना क्षीण हो गई है। राष्ट्रपति लुइस एबिनेडर ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज भी इस हादसे में मारे गए संस्कृति मंत्री रॉबर्टो एंजेल साल्सेडो ने हादसे पर गहरी शोक संवेदना जताई है। डोमिनिकन गणराज्य से वैश्विक संगीत सितारे जुआन लुइस गुएरा, प्यूर्टो रिको से डैडी यांकी और प्यूर्टो रिकान विरासत वाले न्यू यॉर्कर मार्क एंथनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। सैंटो डोमिंगो की मेयर कैरोलिना मेजिया डे गैरिगो ने एक्स पर लिखा कि हमारा शहर जेट सेट नाइट क्लब में हुई एक भयानक त्रासदी से जाग उठा है। मेरी गहरी संवेदना उन परिवारों के साथ है जो अभी भी अपने प्रियजनों की सलामती की खबर का इंतजार कर रहे हैं।

उत्तरी चीन के नर्सिंग होम में भीषण आग, 20 लोगों की मौत

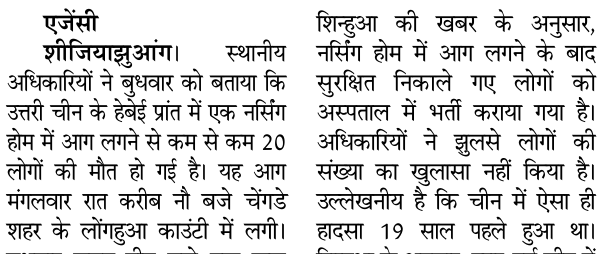

एजेंसी

शीजियाझुआंग। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। यह आग मंगलवार रात करीब नौ बजे चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में लगी। बुधवार सुबह तीन बजे तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि की गई। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, नर्सिंग होम में आग लगने के बाद सुरक्षित निकाले गए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने झुलसे लोगों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि चीन में ऐसा ही हादसा 19 साल पहले हुआ था। शिन्हुआ के अनुसार, उत्तर-पूर्व चीन में एक चार मंजिला अस्पताल में लगी आग से बचने के लिए हजारों मरीज खिड़कियों से कूद गए थे। इस दौरान कम से कम 39 लोग मारे गए।

ट्रंप के टैरिफ से एशिया प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजार में भूचाल

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से एशिया प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजार में बुधवार सुबह भूचाल आ गया। रातभर वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट देखी गई। व्हाइट हाउस की चीन पर अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा से शेयर बाजार बेजार नजर आ रहा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने दुनिया भर के तमाम समाचार माध्यमों से जुटाई खबर में यह दावा किया है।

ग्लोबल टाइम्स की खबर के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में बुधवार सुबह 1.06 प्रतिशत, जापान के निक्केई 225 में 3.14 प्रतिशत, टॉपिक्स में 3.26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.18 प्रतिशत, स्मॉल-कैप कोसडैक में 0.44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस बीच, बुधवार को सुबह करीब 10 बजे हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 2.27 प्रतिशत गिरकर 19,670.24 पर आ गया।चीन में बुधवार सुबह प्रमुख सूचकांकों में मिला-जुला

प्रदर्शन देखने को मिला। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत गिरकर 3,124.19 अंक, शेनझेन कंपोनेंट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत गिरकर 9,409.48 अंक पर आ गया। इससे पहले एसएंडपी 500 में गिरावट आई और यह करीब एक साल में पहली बार 5,000 अंक से नीचे बंद हुआ। दो अप्रैल को अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ व्यापक टैरिफ की घोषणा से एसएंडपी 500 ने बाजार मूल्य में 5.83 ट्रिलियन डॉर का नुकसान उठाया है। यह 1950 के दशक में सूचकांक के निर्माण के बाद से चार दिनों में सबसे अधिक नुकसान है। एप्पल के शेयरों में 4.98 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला में 4.9 प्रतिशत की गिरावट आई। टेस्ला को सबसे अधिक नुकसान हुआ।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस की व्यापार नीतियों को सीधे संबोधित किए बिना प्रशासन के शीर्ष व्यापार सलाहकार को मूर्ख की संज्ञा दी है। बीजिंग में चाइना सोसाइटी फॉर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज के उपाध्यक्ष हुओ जियांगुओ ने कहा कि टैरिफ जितना अधिक होगा, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए उतना ही अधिक जोखिम होगा। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ेगा और संभावित रूप से अमेरिकी आर्थिक विकास धीमा हो जाएगा।व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि पहले के टैरिफ के अलावा, अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर अतिरिक्त 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इसकी कुल दर बुधवार को 104 प्रतिशत हो गई। चीन के अधिकारियों ने कहा है कि वह अमेरिका को माकूल जवाब देंगे।

बांग्लादेश में इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान लूटपाट, हमला, तोड़फोड़, 72 गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में सात अप्रैल को गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान के खिलाफ हुए देशव्यापी प्रदर्शन में हुई लूटपाट के सिलसिले में 72 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान तोड़फोड़ करने के साथ हमले भी किए।

ढाका ट्रिब्यून की खबर अनुसार, 33 लोगों को खुलना, 19 लोगों को सिलहट, पांच लोगों को चटगांव , चार लोगों को गाजीपुर, चार लोगों को नारायणगंज और तीन लोगों को कॉक्स बाजार और तीन लोगों को कोमिला में गिरफ्तार गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इन घटनाओं के संबंध में अब तक नौ मामले दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सात अप्रैल को इजराइल के खिलाफ और फिलिस्तीन के समर्थन में जोरदार

प्रदर्शन हुआ। इससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। इसमें विश्वविद्यालयों, स्कूलों, मदरसों के विद्यार्थियों के अलावा विभिन्न व्यावसायिक एवं नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस प्रदर्शन की वजह से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। शैक्षणिक परिसर खाली रहे। इस वजह से कक्षाएं और परीक्षाएं तक स्थगित करनी पड़ी।

ट्रंप सरकार निकट भविष्य में नहीं देगी टैरिफ में छूटः व्यापार प्रतिनिधि ग्रीयर

वाशिंगटन। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ (आयात शुल्क) में निकट भविष्य में किसी तरह की छूट की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस मुद्दे पर पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे फिलहाल कोई अपवाद या छूट देने के पक्ष में नहीं हैं। ग्रीयर ने अमेरिकी सीनेट की वित्त समिति को संबोधित करते हुए कहा, राष्ट्रपति बार-बार स्पष्ट कर चुके हैं कि वे फिलहाल किसी तरह के अपवाद या छूट की नीति नहीं अपनाएंगे।

11,371 से अधिक अफगान शरणार्थी जबरन निर्वासित, कार्रवाई जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने 11,371 अफगान शरणार्थियों को तोरखम सीमा के जरिए जबरन अफगानिस्तान वापस भेज दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को 3,669 से अधिक अफगान शरणार्थियों को सीमा पार भेजा गया। सरकार के शरणार्थियों को वापस भेजने के फैसले की वजह से बड़ी संख्या में अफगानी प्रभावित हुए हैं। अफगान शरणार्थी पाकिस्तान में दशकों से रह रहे हैं और इनमें ऐसे लोगों की संख्या भी शामिल है जिनका जन्म भी यहीं हुआ और वह कभी अफगानिस्तान नहीं गए। 31 मार्च को समय सीमा समाप्त होने के बाद, पूरे देश में अफगान शरणार्थियों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें अभियान चला रही हैं। कुछ निर्वासित लोगों ने कहा कि उन्हें काम करते समय पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार किया और अफगानिस्तान भेज दिया

जबकि उनका परिवार पीछे छूट गया। अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने निर्वासित गुल मोहम्मद के हवाले से बताया, मैं फल बाजार में एक छोटा सा होटल व्यवसाय चलाता था। पुलिस ने मुझ पर छापा मारा, मुझे खैबर पख्तूनख्वा के हाजी कैंप में चार रातों तक हिरासत में रखा और अब मुझे तोरखम के रास्ते निर्वासित कर दिया है। देश के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के अनुसार, रावलपिंडी में अफगान दुकानदारों ने अपना सामान बेचने में लगे और अपनी दुकानें बंद कर रहे हैं। इनमें से कई गायब हो गए हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कई अफगानियों की दुकानें या तो बंद हो गई हैं या बेच दी गई हैं। शहर और छावनी में कई प्रसिद्ध अफगान होटल अब चालू नहीं हैं। अफगानिस्तान के शरणार्थी एवं प्रत्यावर्तन मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार को एक कड़ा बयान जारी किया पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के जबरन निर्वासन की निंदा की। इसमें वापसी की प्रक्रिया को इस्लामी सिद्धांतों, मानवीय मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शरण मांगने वाले अफगान परिवारों की भलाई के लिए भी नुकसानदायक है। बयान में कहा गया, अफगानिस्तान इन शरणार्थियों की सुरक्षित वापसी की तैयारी कर रहा है और अपील करता है कि उन्हें अपनी संपत्ति अपने साथ वापस लाने की अनुमति दी जाए।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com

Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पुलिस को देखकर भागा बदमाश हथियार समेत पकड़ा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के पंजाबी बाग इलाके में गश्त के दौरान पुलिस टीम को देखकर स्कूटी मोड़कर भागे बदमाश को अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया है। आरोपित की पहचान रवि कुमार के नाम पर हुई है। उसके कब्जे से एक चोरी की स्कूटी भी बरामद हुई है। आरोपित के खिलाफ 8 मामले पहले से दर्ज हैं। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि पंजाबी बाग पुलिस टीम इलाके में गश्त पर थी। रामपुरा पेट्रोल पंप के समीप स्कूटी पर आ रहा एक व्यक्ति अचानक पुलिसकर्मियों को देखकर मुड़कर भागने लगा। पीछा कर पुलिसकर्मियों ने युवक को दबोच लिया, उसकी पहचान लोरेंस रोड निवासी रवि कुमार के रूप में हुई। तलाशी में रवि के कब्जे से एक पिस्टल मिली। आरोपित से बरामद हुई स्कूटी केशवपुरम इलाके से चोरी पाई गई। रवि कुमार के खिलाफ 8 मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस आरोपित द्वारा अंजाम दी गई अन्य वारदात का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने पांच बांग्लादेशी नागरिकों को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने जहांगीर पुरी मेट्रो स्टेशन के पास से पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से प्रतिबंधित आईएमओ ऐप से लैस सात मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। जिनका उपयोग ये अपने परिवारजनों से संपर्क साधने के लिए कर रहे थे। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पकड़े गए सभी नागरिकों ने भारत में अवैध रूप से घुसपैठ की थी। ट्रेनों के जरिए दिल्ली पहुंचे थे। जांच में खुलासा हुआ है कि ये लोग अपने असली पहचान को छुपाने के लिए ट्रांसजेंडर का रूप धारण कर भीख मांगने और अन्य गतिविधियों में संलिप्त थे। उन्होंने पुलिस से बचने के लिए हार्मोनल इंजेक्शन व सर्जरी का भी सहारा लिया था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान मोहम्मद शकीदुल, मोहम्मद दुलाल, मोहम्मद आमिरुल, मोहम्मद माहिर उर्फ माहि और मोहम्मद सद्दाम हुसैन उर्फ रुबीना के रूप में हुई है। डीसीपी के अनुसार उत्तर पश्चिम जिले में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया हुआ है। इसी क्रम में जहांगीर पुरी और महेन्द्रा पार्क थाना क्षेत्र में एक विशेष टीम गठित की गई थी। सात दिनों की निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के बाद एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस की टीम ने सुबह तड़के जाल बिछाकर पांच संदिग्धों को दबोचा। पुलिस के मुताबिक इनके पास से सात मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्तियों को एफआरआरओ, आरके पुरम को सौंप दिया गया है।

शिक्षा मंत्री ने पटपड़गंज विधानसभा इलाके के चार स्कूलों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने पटपड़गंज के स्थानीय विधायक रवींद्र सिंह नेगी के साथ उनके विधानसभा क्षेत्र के चार स्कूलों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र के सर्वोदय कन्या विद्यालय, मयूर विहार फेस-2,पॉकेट बी, सर्वोदय कन्या विद्यालय, मंडावली नंबर-1, सर्वोदय कन्या विद्यालय, मंडावली नंबर-3 और राजकीय सह शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, वेस्ट विनोद नगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उनके साथ शिक्षा निदेशक लोक निर्माण विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।स्कूलों के निरीक्षण के बाद आशीष सूद ने कहा कि हम अपने विधायकों की शिकायत पर दिल्ली के स्कूलों में जहां-जहां बिल्डिंग में या फिर शिक्षा व्यवस्था में कोई भी खामी है। हम उस जगह खुद जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। पटपड़गंज के विधायक रवींद्र सिंह नेगी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के कई जर्जर स्कूल भवन का जिक्र किया था। जिसे देखने के लिए वह आए हैं।उन्होंने कहा कि बीते कई सालों से स्कूलों के निर्माण के रूके हुए काम को लेकर वह बेहद चिंतित हैं। यहाँ नहीं कई खतरनाक घोषित हो चुके स्कूलों में बच्चों का आज भी आना-जाना है। सूद ने आगे कहा कि पटपड़गंज विधानसभा में 20 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें से कई स्कूलों की छत आज भी पक्की नहीं हो सकी हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है।

चलती कार में लगी आग, जिंदा जलकर युवक की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के कापसहेड़ा इलाके में चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते गाड़ी धू-धू कर जलने लगी। हादसे में टोयोटा ग्लैंजा के ड्राइवर की आग की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़िया मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान संदीप के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि बीती देर रात 10:25 बजे थाना कापसहेड़ा में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई कि गाड़ी में आग लगी है और गाड़ी में परिवार फंसा हुआ है। घटना बिजवासन फ्लाईओवर के पास की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल पर पाया कि एक कार टोयोटा ग्लैंजा में आग लग गई है। मौके पर दमकल को बुलाया गया।

अंतर-एम्स रेफरल पोर्टल की शुरुआत, मरीजों का प्रतिक्षा समय होगा कम

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एक अभूतपूर्व पहल, अंतर-एम्स रेफरल पोर्टल की शुरुआत की। यह परियोजना एम्स नेटवर्क के भीतर तकनीकी समाधान पेश करके पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन और रोगी रेफरल प्रणाली में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इस पहल के केंद्र में रोगी देखभाल को अनुकूलित करने और एम्स संस्थानों के बीच समन्वय को मजबूत करने की दृष्टि निहित है। अंतर-एम्स रेफरल परियोजना में अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है, जिसमें चेहरे की पहचान प्रणाली और स्वचालित वर्क फ्लो शामिल है, ताकि निर्बाध, सुरक्षित और पारदर्शी रेफरल प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। यह पोर्टल प्रतीक्षा समय को कम करने, मैन्युअल त्रुटियों को कम करने और अधिक रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा अनुभव बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू होने वाला

यह एम्स नई दिल्ली और एम्स बिलासपुर को जोड़ेगा, जो एम्स अस्पतालों के पूरे नेटवर्क में व्यापक कार्यान्वयन के लिए अवधारणा के प्रमाण के रूप में काम करेगा। रेफरल प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, अधिकृत चिकित्सा कर्मचारियों को स्लॉट बुकिंग, संस्थागत प्रोटोकॉल और संचार चैनलों की देखरेख करने की बेहतर क्षमता प्राप्त होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि रोगियों को समय पर, उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल मिले। इस पहल का उद्देश्य रोगियों को सुरक्षित प्रणालियों तक पहुंच प्रदान करना भी है। इस प्रणाली को एम्स में विश्राम सदन के आवंटन के लिए मौजूदा ऑनलाइन पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि मरीजों को न केवल विश्व स्तरीय चिकित्सा देखभाल प्राप्त हो, बल्कि वे चाहें तो घर से दूर रहने के दौरान किफायती कीमत पर आरामदायक और सुविधाजनक प्रवास का आनंद भी उठा सके। स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों की 8वीं केंद्रीय संस्थान निकाय की बैठक में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नड्डा द्वारा एम्स-नई दिल्ली और एम्स-बिलासपुर के बीच अंतर-रेफरल सुविधा का शुभारंभ भी किया गया। यह पहल हिमाचल प्रदेश के निवासियों के लिए निर्बाध विशेषज्ञ परामर्श और उन्नत उपचार की उपलब्धता, बेहतर रोगी-देखभाल सुनिश्चित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

आआपा के स्कूल फीस में बढ़ोतरी के दावे पर सचदेवा ने कहा- उनका झूठी धारणा बनाने का खेल नहीं होगा सफल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता जैसे अरविंद केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज और आतिशी आदि परेशान हैं और यह स्वीकार नहीं कर पा रहे कि दिल्ली के लोगों ने उनकी सरकार को खारिज कर दिया है। जिनके भ्रष्टाचार जैसी कथाएं भारत में शायद किसी और राज्य में देखी गई हो। चाहे वह बिजली सब्सिडी के नाम पर हो या उपभोक्ताओं पर पीपीएसी लागू करने की बात हो, उन्होंने निजी बिजली वितरण कंपनियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार किया, चाहे वह सीवर की सफाई हो या पानी की आपूर्ति को सुनिश्चित करना हो, वे पूरी तरह से असफल रहे क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने उनके शासन में 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की लूट की। कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए सचदेवा ने कहा कि चाहे अस्पतालों के निर्माण में अत्यधिक लागत हो या फर्जी दवाओं का वितरण, स्वास्थ्य क्षेत्र भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं था, जबकि शिक्षा क्षेत्र में एक अब सरकारी स्कूलों में क्लासरूम निर्माण घोटाले जैसे कार्य किए गए, वहीं दूसरी ओर उन्होंने 5 प्रतिशत से भी कम स्कूलों के खातों का ऑडिट किया और कोर्ट के मामलों को जानबूझकर खोकर फीस वृद्धि की अनुमति दी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अपनी सरकार खोने के बाद अब आम आदमी पार्टी के नेता, जो शिक्षा, बिजली, पानी और स्वास्थ्य क्षेत्रों में बड़े भ्रष्टाचार के कारण सत्ता से बाहर हुए हैं, अब यह प्रयास कर रहे हैं कि यह धारणा बनाई जाए कि नई भाजपा सरकार में कुछ ठीक नहीं है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पुराने एक्स पोस्ट अकाउंट्स से झूठे ट्वीट्स करके भाजपा के खिलाफ एक धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

वक्फ अधिनियम से गरीब-पसमांदा मुसलमान, महिला-बच्चे, सबके हक महफूज़ रहेंगे : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वक्फ अधिनियम का जिक्र करते हुए तुष्टिकरण की राजनीति पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण से गरीब पसमांदा मुसलमान को उपेक्षा, अशिक्षा, बेरोजगारी मिली और मुस्लिम महिलाओं को शाहबानो जैसा अन्याय मिला। अधिनियम बनने अब वक्फ की पवित्र भावना की भी रक्षा होगी और गरीब-पसमांदा मुसलमान, महिला-बच्चे, सबके हक भी महफूज़ रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पार्टी को तो सत्ता मिली, कुछ कट्टरपंथी नेताओं को दौलत मिली, लेकिन आम मुसलमान को कुछ नहीं मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एक टीवी चैनल के 'राइजिंग भारत' सम्मेलन में कहा कि भारत को धीमा और स्थिर मानने वाले अब तेज और निडर भारत को देख रहे हैं। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने देरी को विकास का दुश्मन करार

देते हुए कहा कि इससे देश नहीं चल सकता। उनकी सरकार इस चुनौती से देश को बाहर निकालने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में उन्होंने रामेश्वरम के पंबन ब्रिज का उदाहरण दिया, जिसका रविवार को प्रधानमंत्री ने लोकार्पण किया था। उन्होंने कहा कि करीब सवा सौ साल पहले अंग्रेजों ने वहां एक पुल बनवाया था। लोग इसके विकल्प की मांग करते रहे लेकिन पहले की सरकारों की नींद नहीं टूटी। उनकी सरकार आने पर काम शुरू हुआ और अब देश को अपना पहला वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज मिला है। अपनी सरकार की कार्यगति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 के 100 दिनों में उनकी सरकार ने युवा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसमें हमने इनके भविष्य की मजबूत नींव रखी है। इसमें वक्फ संशोधन कानून भी शामिल है। यह सामाजिक न्याय के लिए बड़ा ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपनी नीतियों से नई संभावनाएं पैदा की हैं। अब 12 लाख तक की आय को कर मुक्त कर दिया गया है, इससे युवा प्रोफेशनल और उद्यमी को लाभ होगा।

भाजपा 14 अप्रैल से शुरू करेगी डॉ. भीमराव आंबेडकर 'सम्मान अभियान'

एजेंसी

नई दिल्ली। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 14 से 25 अप्रैल तक बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर स्वाभिमान अभियान चलाएगी। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को अभियान के दौरान जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केन्द्रीय भाजपा कार्यालय में आयोजित संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर 'सम्मान अभियान' की राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी देशभर में 14 अप्रैल से 25 अप्रैल तक विभिन्न आयोजन कर बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएगी। बाबा साहेब ने संविधान निर्माण को साकार करने के साथ देश के सर्वांगीण विकास और करोड़ों लोगों के उत्थान का मार्ग

प्रशस्त किया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े स्थानों को 'पंच तीर्थ' के रूप में विकसित करने का अभूतपूर्व काम किया है। उनके सिद्धांतों पर चलते हुए आज भाजपा 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि कार्य में लगी है। हर वर्ग का विकास और सामाजिक समरसता हमारा ध्येय है। देश के निर्माण में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय है। कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने अभियान के संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं कोजरूरी निर्देश दिए। कार्यशाला के बाद जेपी नड्डा ने एक्स पर भी एक पोस्ट कर इस अभियान के बारे में जानकारी साझा की।उल्लेखनीय है कि भाजपा इस अभियान को एक बड़े जनसंपर्क कार्यक्रम के रूप में चलाएगी। जिसके जरिए अनुसूचित जाति समुदाय के बीच भाजपा अपनी पहुंच को और मजबूत करना चाहती है। पार्टी का उद्देश्य बाबा साहेब आंबेडकर के सामाजिक समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। यह समाज के कमजोर वर्गों तक पार्ट की नीतियों और विचारों को ले जाने का प्रयास भी होगा।

NAME CHANGE

I, VIDYA SAGAR S/O MAHESH KUMAR NIMMI R/O HOUSE NO 1, OPP, TEHSIL COMPOUND, MODI NAGAR, UTTAR PRADESH 201201have change my name from VIDYA SAGAR to SHAHENSHA KAPOOR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SUNDER D/O DHARAM PAL SINGH residing at H NO-229, GHARONDA NEEM KA BANGAR, PATPARGANJ VILLAGE, DELHI-110091 have changed my name to JOGINDRI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SAKUNALA DEVI W/O SUKH VEER residing at H NO-5-A/281, HARIJAN BASTI, PATPARGANJ VILLAGE, PEER WALI GALI, DELHI-110091 have changed my name to SHAKUNTLA DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohd Wazid S/o Jamluddin R/o L6, First Floor Abul Fazal Enclave, Jamia Nagar, South Delhi-110025 have correct my name to Mohd Wazid for all future purposes. Abdual Wazid and Mohd Wazid both are one and same person.

NAME CHANGE

I, REETA KUMARI SINGH Wife of No. 15350176M Rank-HAV Name-SATYENDER KUMAR SINGH Presently residing at H NO-104, DEEP ENCLAVE PART-4, VIKAS NAGAR, NEW DELHI-110059, have changed my name from REETA KUMARI SINGH to RITA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KUMARI SUMAN Wife of No-2883687Y Rank-NK (TS) Name-CHATAR SINGH BHALOTHIA residing at VILL-RAGHUNATHPURA, PO-SURAJGARH, TEHSIL-SURAJGARH, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333029, have changed my name from KUMARI SUMAN to SUMAN KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Shyam Lal Dua alias Shyam Dua alias sham sunder R/O H no G-114 Sector 44 Noida Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201301 have changed my name to Shyam Sunder Dua for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

My clients Sunita Das and her husband both R/o B-1076 Gautam puri Phase-2, Near Hanuman Chowk, Badarpur south Delhi-110044. Have severed all relations and disowned their son Gaurav Dass and his wife Savita Das from their all movable-immovable property due to disobedience. My clients shall not be responsible for his any civil and criminal liabilities.

GITANJALI RAJAWAT ADVOCATE
CHEMBER NO. 601,
SAKET COURT
NEW DELHI-110017

NAME CHANGE

I, No.15155330A Rank-HAV Name-RAMJI PATHAK Father of SIDHARTH PATHAK residing at-VPO-JAMU, TEHSIL-SIRMOUR, DISTT-REWA, M.P-486441 have changed my minor son's name from SIDHARTH PATHAK to SIDDHARTH PATHAK for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, AVDEPRASAD PATHAK Father of No.15155330A Rank-HAV Name-RAMJI PATHAK residing at-VPO-JAMU, TEHSIL-SIRMOUR, DISTT-REWA, M.P-486441 have changed my name from AVDEPRASAD PATHAK to AWDHESH PRASAD PATHAK for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Manoj Kumar S/O Kishan Lal,R/O A-680 CAMP NO 4. JWALA PURI, Sunder Vihar, PO Sunder Vihar, DIST West Delhi, Delhi-110087,declare that name of mine has been wrongly written as Manoj in my minor daughter Kanika aged 16 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is MANOJ KUMAR which may be amended accordingly .

NAME CHANGE

I hitherto known as Surender alias Shailendra S/O MATIRAM, R/O B/12-A, D.D.A FLATS, SARAI BASTI SARAI ROHIILA, Onkar Nagar, PO: Onkar Nagar, DIST: North West Delhi, Delhi-110035,have changed my name and shall hereafter be known as SHAILENDRA.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client 1. Mrs. Jyoti Govil & 2. Mrs. Shalini Jindal are the owner of Freehold Residential Plot No.64 (Old) New No.125/12 area measuring 213 Sq. Yds. Situated in the residential colony known as Krishna Colony Tehsil and District Gurugram, Haryana. by virtue of Sale Deed Dated 03.06.2022 Vide Doc no.2785, Book No.1, Volume No.68/1948, on Page Nos.130.25/71-72, Registered on 03.06.2022, in S.R-Gurgaon., In the chain documents below mentioned document not available i.e. (1) Original Sale Deed dated 26.09.1960 Vide Doc no.1722, Registered on 26.09.1960, in S.R-Gurgaon. & (2) Original Regd. GPA, ATS & Will dated 26.07.2021 Vide Doc no.99, Book No.1, Volume No.45/26, on Page Nos.97.75/92-94, Registered on 26.07.2021, in S.R-Gurugram. & (3) Original Transfer Deed in Blood Relation dated 02.09.2021 Vide Doc No.3919, Book No.1, Volume No.54/1648, on Page Nos.67.75/16-18, in S.R-Gurgaon. Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Anil Kumar S/o Mr. Tek Chand Shridhar which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Pitampura, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82(2)(ii) Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **कासिम पुत्रः बच्चन, पताः** इकबाल कॉलोनी गरिमा गार्डन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **FIR No. 542/2018, U/s 457/380/411/34 IPC** थानाः नंद नगरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कासिम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कासिम** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 542/2018, U/s 457/380/411/34 IPC** थानाः नंद नगरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **कासिम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दिपाक्षी राणा, एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 19, जिला शाहदरा
पहली मंजिल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4435/NE/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गौतम पुत्र रोहताश कुमार पताः मकान नं. 265, राज नगर, लोनी, गाजियाबाद, यूपी ने एफआईआर संख्या 342/2018 धारा 279/337/338 भा.द.स. के तहत** थानाः नंद नगरी दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गौतम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गौतम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 342/2018 धारा 279/337/338 भा.द.स. के तहत थाना नंद नगरी, दिल्ली के उक्त गौतम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं.19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4436/NE/2025

NAME CHANGE

I, SANGITA DEVI Mother of No.15185090H, Rank-HAV, Name-SANJAY KUMAR residing at SUNDI TOLA, NEAR ANGANBADI CENTRE, MARAR, SEWTA, RAMGARH, JHARKHAND-829117, have changed my name from SANGITA DEVI to SANGEETA DEVI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1966 instead of my correct date of birth as 05/01/1968 vide Affidavit dated 09/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) that Mr. Manoj Kumar Gupta & Mr. Anil Kumar Gupta are claiming to be the owners of Property bearing its Municipal no. 1957, Area measuring 125 sq. yds. Ward no. VIII, Situated at Gali Neela Wali, Bazaar Sita Ram, Delhi-6, vide two different sale deeds, each dated 16.06.2004, duly registered with SRO-III Delhi, document no. 4195, Book no. 1,Volume no. 11100, page no. 21-28 on dated 16.06.2004 (in favour of Mr. Anil Kumar Gupta) and document no. 4194, Book no. 1, Volume no. 11100, page no. 13-20 on dated 16.06.2004 (in favour of Mr. Manoj Kumar Gupta), both executed by Mrs. Beena Gupta. It has been further informed by owners that Original Sale Deed dated 06.09.1951 executed in favour of Mrs. Gopal Devi and Original Will dated 05.01.1988 executed by Mrs. Gopal Devi in favour of Mrs. Beena Gupta related to said property are lost & not traceable. All persons are hereby informed that above owners want to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owners over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15
legal@knalegal.com
PH: 011-41112527-28

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साकिर उर्फ गुड्डु, पुत्र बशीर मलिक, निवासी ए–1, मेन शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 300/2020 U/S 356/379/34 IPC, अन्तर्गत थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साकिर उर्फ गुड्डु** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साकिर उर्फ गुड्डु** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 300/2020 U/S 356/379/34 IPC, अन्तर्गत थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **साकिर उर्फ गुड्डु** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, नई दिल्ली

DP/4434/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इसरार कुरैशी** पुत्र अब्दुल सलाम निवासी मकान नं. 784, गली नं. 11, विकास कुंज, लोनी, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 1276/2014 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम थाना नंद नगरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इसरार कुरैशी** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **इसरार कुरैशी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 1276/2014 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम थाना नंद नगरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **इसरार कुरैशी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **21.05.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री दीपाक्षी राणा,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03,
कमरा नं. 19, प्रथम तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4437/NE/2025

DATE OF BIRTH CHANGE

I, RITA KUMARI Wife of No. 15350176M Rank-HAV Name-SATYENDER KUMAR SINGH Presently residing at H NO-104, DEEP ENCLAVE PART-4, VIKAS NAGAR, NEW DELHI-110059 in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/02/1970 instead of my correct date of birth as 09/08/1970 vide Affidavit dated 09/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Dhrushat Devi Mother of No: 15727451H Rank: SIGMN Name: Ravi Raushan residing at Vill-Khanwan, PO-Khanwan, Teh-Rajauli, Dist-Nawada, Bihar- 805122, have changed my name from Dhrushat Devi to Sushila Devi for all future purposes. That both name Dhrushat Devi and Sushila devi pertain to one and same person. Vide Affidavit No.IN-DL66319314555397X dated 09 Apr 2025

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लोन माफ नहीं

तिरुवनंतपुरम, 9 अप्रैल। केरल के वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों से जुड़ा मुकदमा उच्च न्यायालय में है। भूस्खलन पीड़ितों के लोन की माफी को लेकर केंद्र सरकार ने आज हाईकोर्ट में जवाब दाखिल किया। केंद्र सरकार ने बताया कि वायनाड के भूस्खलन पीड़ितों के ऋण पूरी तरह माफ नहीं किए गए हैं। केंद्र ने अदालत को बताया कि सरकार और बैंकों की तरफ से ऋण के लाभार्थियों को ऋण पुनर्गठन और किस्तों के भुगतान की तारीख को आगे खिसकाने जैसे विकल्प दिए जाएंगे। केंद्र ने यह जवाब उस याचिका पर दिया है, जिसमें कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि क्या जुलाई, 2024 की प्राकृतिक आपदा में अपना सबकुछ गंवाने वाले पीड़ितों के ऋण माफ किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट को बताया है कि ऋण पुनर्गठन और रिशेड्यूलिंग यानी भुगतान में देरी के विकल्प भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के तहत ही होंगे। सरकार ने बताया कि प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को आर्थिक लाभ से जुड़े फैसले आरबीआई के मास्टर डायरेक्शन के तहत लिए जाते हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया कि पिछले साल 19 अगस्त को केरल में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की विशेष बैठक हुई थी। इस बैठक में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी शामिल हुए थे। इसमें पीड़ितों को मिलने वाले राहत उपायों को लेकर अहम फैसले लिए गए। फैसले के मुताबिक सरकार की तरफ से मिलने वाली राहत प्राकृतिक आपदाओं पर आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुरूप ही लागू होंगे। सरकार ने बताया कि आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुसार, प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को मिलने वाली मौजूदा वित्तीय राहतों में ऋण का पुनर्गठन या पुनर्निर्धारण शामिल है। इसके लिए उन्हें एक साल की मोहलत मिलती है। उन्हें नए ऋणों के प्रावधानों का लाभ भी मिलता है। इससे पहले केंद्र सरकार ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई के दौरान केरल हाईकोर्ट में जस्टिस एके जयशंकरन नांबियार और ईश्वरन एस की खंडपीठ को सूचित किया था कि भूस्खलन पीड़ितों के ऋणों पर केवल तात्कालिक रोक और ऋण पुनर्गठन जैसे उपायों का लाभ मिलेगा। इस पीआईएल का मकसद केरल में आपदा की रोकथाम और प्रबंधन में सुधार करना था। गौरतलब है कि पिछले साल 30 जुलाई को केरल के मुंदक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में भूस्खलन हुआ था।

जिला में शिशुओं व गर्भवती महिलाओं के नियमित टीकाकरण के लिए माइक्रो प्लान की समीक्षात्मक बैठक हुई आयोजित

नूंह। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने लघु सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हाल में आयोजित नियमित टीकाकरण के अंतर्गत माइक्रो प्लान की समीक्षात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नियमित टीकाकरण में सर्वे, सुपरविजन व माइक्रोप्लान की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। अगर स्थानीय स्तर पर हेडकाउण्ट सर्वे गलत होगा तो पूरा माइक्रोप्लान ही बेकार हो जाएगा और सुपरविजन में कोई कमी आएगी तो नियमित टीकाकरण प्रभावित होगा। इसलिए माइक्रोप्लान बनाने के लिए बनाए गए सभी नियमों का अनुपालन करते हुए एक बेहतर माइक्रोप्लान तैयार करें ताकि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि जिला में बच्चों में गर्भवती महिलाओं को लगने वाले टिकों के लिए स्वास्थ्य विभाग अपना माइक्रोप्लान इस तरह से बनाएं कि एक भी शिशु या गर्भवती महिला हेड काउण्ट सर्वे से छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि जिले में बने स्वास्थ्य केंद्रों उप स्वास्थ्य केन्द्रों को समाहित करते हुए उनकी एक सीमा निर्धारण की जाए तथा क्षेत्र को बांटा जाए, ताकि सभी शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का समय रहते पूर्ण टीकाकरण हो सके। उपायुक्त ने कम्युनिकेशन प्लान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि टीकाकरण के दौरान क्षेत्र के भौगोलिक व सामाजिक वातावरण को ध्?यान में रखते हुए कम्युनिकेशन प्लान बनाना चाहिए।

तावडू में खंड तावडू में योगा ओलंपियाड कार्यक्रम का हुआ आयोजन

तावडू। शहर के बाईपास पर स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय-2 में योग को बढावा देने के लिए शिक्षा विभाग के द्वारा योगा ओलंपियाड कार्यक्रम का आयोजन हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में खंड के विद्यालयों से कक्षा वर्ग 6 से 8 तथा 9 से 10 के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों ने विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। गेटी फिरोजपुर नमक से आए पर्यवेक्षक गिरधारी लाल ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। निर्णायक मंडल में अतुल, सुमन, आरती द्वारा परिणाम तैयार किया गया। जिसमें कक्षा वर्ग 6 से 8 में नेहा, शिक्षा, जेसिक, अवनि की टीम प्रथम रही। कक्षा वर्ग 9 से 10 में रेहान, रितिका, रेशमा, सलोनी, नेहा की टीम प्रथम रही। इस अवसर पर बीआरपी पूजा, लाभ सिह, नरसी, संदीप कंवल, विकास, राजेश व विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक उपस्थित रहे।

तावडू में आगामी 12 अप्रैल को राम मंदिर मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा

तावडू। उपमंडल के गांव खोरी कलां के रामनगर में आगामी 12 अप्रैल को राममंदिर मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा को लेकर भारी संख्या में महिलाएं आई व महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। मंदिर कमेटी के दिनेश बंसल ने बताया कि आगामी 12 अप्रैल को राममंदिर मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सोहना-तावडू विधायक तेजपाल तंवर व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जितेन्द्र भारद्वाज तथा राकेश शर्मा के अलावा विशिष्ठ अतिथि मनीष गर्ग, सुरेश प्रजापत होंगे। वहीं 11 अप्रैल दोपहर 2 बजे मूर्ति नगर परिक्रमा व रात्रि 7 बजे जागरण आरंभ किया जाएगा। आगामी 12 अप्रैल को प्रात~ 8 बजे हवन, प्रात~ 10 बजे मूर्ति स्थापना व 11 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कृष्णा गर्ग एवं स्वर्गीय विजय गर्ग परिवार द्वारा किया जाएगा।

नूंह में पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान निरंतर जारी

नूंह। हरियाणा पुलिस महानिदेशक के प्रतिमाह साइबर जागरूकता आदेशों की अनुपालना में पुलिस कप्तान विजय प्रताप के निर्देशानुसार साइबर क्राइम थाना नूंह प्रभारी निरीक्षक विमल राय की टीम ने अनाज मंडी नूंह में साइबर अपराध, नशा, महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों के बारे में आमजन को जागरूक किया।

आपको बता दें कि जिला नूंह पुलिस की टीमें पिछले काफी समय से जिले के अधिकतर स्कूलों/कॉलेजों एवं गांवों में इस तरह के जागरूकता अभियान चला चुकी हैं । जागरूकता अभियान के दौरान साइबर विशेषज्ञ टीम में शामिल एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि आज के समय में साइबर अपराध चरम पर है आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है । इन्हें रोकने के लिए जागरूक होने की जरूरत है । सभी को समझना होगा कि साइबर अपराध करने वाले लोग बडे ही चालाक किस्म के हैं जिनसे सभी को बचना होगा । वैसे जिला नूंह में साइबर क्राइम थाना नूंह व साइबर सैल गठित है, जो लगातार इस दिशा में काम रही है । इसके लिए बड़े सोशल प्लेटफॉर्म को सावधानी और सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी है । आज जिस तरह से अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध को अपराध का एक सशक्त माध्यम बनाकर प्रयोग किया जा रहा है । उससे बचने के लिए स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी जागरूक करना होगा ।

हरियाणा उदय..

- राजनीतिक व सामाजिक संगठन, विद्यार्थी तथा आम नागरिकों की रही रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी
- सरकार युवाओं को नशे से दूर रखने को प्रतिबद्धः ओम प्रकाश यादव
- अब तक जिला महेंद्रगढ़ के 175 गांव को किया नशा मुक्त घोषित

जिला में नशा मुक्ति का संदेश देने के बाद साइक्लोथॉन-2.0 रेवाड़ी के लिए रवाना

एजेंसी

नारनौल। पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रखने को प्रतिबद्ध है। श्री यादव आज आईटीआई नारनौल के सामने से साइक्लोथॉन-2.0 को रेवाड़ी के लिए रवाना करने से पहले आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर उपायुक्त डा. विवेक भारती भी मौजूद थे। यात्रा में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने भी साइकिल यात्रा में भाग लिया। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत ड्रग फ्री हरियाणा बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि जन भागीदारी के साथ नशा मुक्ति का संदेश देने के लिए निकाली जा रही यह साइक्लोथॉन-2.0 अपने उद्देश्य

में कामयाब हो रही है। उन्होंने कहा कि इस मुहिम को अब हर घर, हर गली, हर नुक्कड़ और चौराहे पर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का हर नागरिक नशा मुक्ति के लिए एकजुट होकर काम कर रहा है। नशा मुक्त हरियाणा अभियान प्रदेश को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। पुलिस के सहयोग से जिला महेंद्रगढ़ के 175 गांवों तथा 11 वार्ड को नशे से मुक्त कर लिया गया है। इस अभियान के तहत पुलिस नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है और लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर सभी ने लोटे में नमक डालकर नशा न करने की शपथ भी ली। नारनौल से रवाना होते वक्त इस साइकिल यात्रा में हजारों साइकिलिस्ट का काफिला गांव बाछौद, खोड, सलीमपुर, चंदपुरा गांव से होते हुए रेवाड़ी जिला में प्रवेश कर गया।

इस साइकिल यात्रा की खास बात यह रही कि इसमें 7 साल के बच्चे से लेकर 70 साल के बुजुर्ग तक ने पूरे जोश और उमंग के साथ युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रहने का संदेश दिया। विभिन्न कॉलेजों की लड़कियों की भागीदारी भी ऐतिहासिक थी। जिला महेंद्रगढ़ में इतनी बड़ी संख्या में साइकिल रैली इससे पूर्व कभी नहीं देखने को मिली। इस यात्रा में राजनीतिक व सामाजिक संगठन, विद्यार्थी तथा आम नागरिकों की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी रही। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की सांस्कृतिक मंडलियों ने हरियाणवी रागनियों के जरिए जनता को जागरूक किया। ..दारु मतना पिया करो पीया, रहे रोज लड़ाई घर में.. को लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में रेड क्रॉस के वालंटियर की भी विशेष भूमिका रही। इस मौके पर नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी तथा पूर्व चेयरमैन के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

कौशल रोजगार निगम में लगे कर्मचारियों के साथ धोखा कर रही है हरियाणा सरकारः राव नरेंद्र सिंह

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों ने पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्या को लेकर अवगत करवाया व ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों की मांग को अपना समर्थन देते हुए कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से लगे टी.जी.टी व पी.जी.टी अध्यापक, नहर विभाग, वन विभाग, पंचायती राज विभाग सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों की बर्खास्तगी व सर्विस सिक्योरिटी के नाम पर इन युवाओं के साथ हरियाणा सरकार ने धोखा करने का काम किया है। जहां एक तरफ प्रदेश

में बेरोजगारी दर चरम सीमा पर है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे में युवाओं की नौकरी की बर्खास्तगी बेहद निंदनीय है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कौशल रोजगार निगम के माध्यम से प्रदेश में लगभग 1 लाख 20 हजार नौकरियां हैं, इसमें 90 प्रतिशत से अधिक साल 2020-21 के बाद लगे हैं और अब इन सभी युवाओं की नौकरी पर हरियाणा की भाजपा सरकार की तलवार लटक गई है।

अपनी डिजिटल दुनिया को सुरक्षित करें...

छात्रों को साइबर सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना अति आवश्यकः अधिवक्ता गिरी बाला

एजेंसी

नारनौल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के दिशा निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता के मार्गदर्शन में आज राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मांदी में अपनी डिजिटल दुनिया को सुरक्षित करें अभियान के तहत साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता व कानूनी सहायता के बारे में शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता गिरी बाला यादव ने बताया कि आज के युग में डिजिटल

लेन-देन दैनिक जीवन का एक अंग बन गया है। छात्रों को साइबर सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करना अति आवश्यक है। साइबर अपराध एक व्यापक चुनौती बनी हुई है। इसमें कई व्यक्ति धोखाधड़ी और पहचान की चोरी के शिकार हो रहे हैं। ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना एक सरल व प्रभावी उपाय है जो साइबर अपराध का शिकार होने के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन साइबर शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से नागरिकों को सहायता प्रदान करता है तथा साइबर धोखाधड़ी के जोखिम वाले व्यक्तियों को त्वरित सहायता प्रदान कर तुरंत रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करता है। हम जागरूक होकर सुरक्षित डिजिटल वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जीते सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनय के पुरस्कार

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग ने अप्रैल 4-5 को महर्षि दयानंद विश्विद्यालय, रोहतक में आयोजित द्वितीय हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 में उल्लेखनीय सफलता हासिल की और कई पुरस्कार जीते। सिने फाउंडेशन, हरियाणा एवं विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा द्वारा आयोजित इस फिल्म महोत्सव में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजकुमार राव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मीडिया अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार योगी के मार्गदर्शन में बनी 18 फिल्मों में से 11 को फिल्म महोत्सव में प्रदर्शन के लिए चुना गया जिनमें से 5 को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग के एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया के विद्यार्थियों द्वारा स्टॉप मोशन तकनीक से निर्मित डिजिटल पैराडॉक्स फिल्म को नॉन-प्रोफेशनल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवॉर्ड मिला, वहीं लघु फिल्म तमस के लिए बीएससी एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया के छात्र पुनीत को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, एवं एमएजेएमसी इंटीग्रेटेड की छात्रा रेहा फागना को लघु फिल्म उड़ान के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार मिला।

गिग वर्कर्स व प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा जैसी पहलों से जोड़ने के लिए

- जिला में 17 अप्रैल तक विशेष अभियान के तहत ई-श्रम पोर्टल पर किया जाएगा पंजीकृत

एजेंसी

गुरुग्राम। गिग वर्कर्स व प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा जैसी पहलों से जोड़ने के लिए 17 अप्रैल तक जिला में एक विशेष अभियान के तहत ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा। अभियान में संबंधित संस्थान उनसे जुड़े असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पंजीकरण के लिए प्रेरित कर निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति में सहयोग करेंगे। इस संदर्भ में डीसी अजय कुमार ने लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में ओला, उबर, डीटीडीसी, जोमाटो, फ्लिपकार्ट व अमेजन सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए डीसी अजय कुमार ने कहा कि गिग वर्कफोर्स भारत की नए युग की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देता है। उनके योगदान को मान्यता देते

हुए, उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के तहत पहचान पत्र, ई-श्रम पंजीकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने का सरकार का निर्णय उनकी सामाजिक सुरक्षा और कल्याण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह पहल निश्चित रूप से गिग वर्कर्स को सशक्त बनाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक श्रमिक के लिए सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित हो सके। इसी उद्देश्य के साथ हरियाणा सरकार असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में भी गिग वर्कर्स को बीमा व स्वास्थ्य सुरक्षा कवर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष बल दिया है। डीसी ने बैठक में सभी गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को पंजीकृत करने का आग्रह किया, इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न सरकारी पहलों के तहत उन्हें और अधिक लाभ पहुंचाने के लिए श्रमिकों का पंजीकरण महत्वपूर्ण है। बैठक में एडिशनल लेबर कमिश्नर कुशल कटारिया ने कहा कि अमैजान, फ्लिपकार्ट तथा अन्य ऑनलाइन वस्तुओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने वाली कम्पनियों में काम करने वाले श्रमिकों को सरकार ने गिग वर्कर्स की श्रेणी में रखा है। उक्त प्लेटफार्म वर्कर्स के हितों को संरक्षित करने, उनको सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए ई श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराना जरूरी है। इसके लिए श्रम विभाग द्वारा चिन्हित स्थानों के साथ ही संबंधित संस्थान के परिसर में भी अलग से काउंटर खोले जाएंगे। जहां ऑनलाइन प्लेटफार्म पर काम करने वाले श्रमिक 17 अप्रैल तक पंजीकरण करा सकते हैं।

गैस सिलेंडर के 50 रूपए दाम बढ़ाना बीजेपी सरकार का जनविरोधी फैसलाः अभय सिंह चौटाला

बीजेपी की जनविरोधी नीतियों के कारण बढ़ रही महंगाई ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है

एजेंसी

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के दाम 50 रूपए बढ़ाने पर कहा कि बीजेपी की केंद्र की सरकार और राज्य सरकार पिछले दस सालों से लगातार जनविरोधी नीतियां लागू करके आम जनता को महंगाई के बोझ के नीचे कुचलने का काम कर रही है। जहां केंद्र की बीजेपी सरकार ने गैस सिलेंडर के दाम एक दम से 50 रूपए बढ़ा दिए, पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया वहीं राज्य की बीजेपी सरकार ने बिजली के दाम बढ़ा दिए और मकान बनाने पर एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्जेस(इडीसी) के रेट बढ़ा दिए हैं। जो बीजेपी की सरकार महंगाई जैसे मुद्दे को भुनाकर सत्ता में आई थी आज वहीं बीजेपी आम जनता को

जबरदस्त महंगाई की मार मार रही है। आज क्रूड ऑयल के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दाम पिछले बीस साल में सबसे कम हैं तब भी बजाय आम जनता को पेट्रोल और डीजल के रेट कम करके राहत देने के 2 रूपए उत्पाद शुल्क लगा दिया है। बीजेपी ने पिछले दस सालों में एक भी लोक भलाई का काम नहीं किया है उल्टा आम जनता के उपर कई तरह के टैक्स की मार दी है, टोल के रेट बढ़ाए हैं, महंगाई बढ़ाई है, बेरोजगारी बढ़ाई है, कानून व्यवस्था का दिवालिया पीटा है, किसानों को मंडियों में लूटा है, गरीबों से उनके हक छिनें हैं, बड़े उद्योगपतियों के कर्जे माफ किए हैं, शिक्षा और शिक्षण संस्थानों का पूरी तरह भट्ठा बैठाया है और सरकारी विभागों को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर लूट मचाई है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि बीजेपी की जनविरोधी नीतियों ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है।

नूंह में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

- 13 एकड़ भूमि में हो रहे निर्माण कार्य को किया जमीदोज
- भारी पुलिस बल रहा तैनात

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले में अवैध कॉलोनियों पर जिला नगर योजनाकार विभाग का पीला पंजा चला। विभाग की कार्रवाई से भू माफियाओं में हड़कंप मच गया। डीटीपी विभाग द्वारा पहले भू माफियाओं को निर्माण कार्य नहीं करने का नोटिस दिया गया था। जिसके बाद में यह कार्रवाई की गई है।

टीम ने तीन अनधिकृत कॉलोनियों में बुलडोजर चलाकर करीब 13 एकड़ भूमि में हो रहे निर्माण कार्य को जमीदोज किया। कार्रवाई के दौरान मौके पर कोई विरोध ना हो इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की भी मौजूदगी रही।

इस दौरान जिला नगर योजनाकार अधिकारी बिनेश कुमार ने बताया कि विभाग को काफी समय से शिकायत प्राप्त हो रही थी कि गांव गजरपुर में भूमाफिया अवैध कॉलोनियां काटकर भोले भाले लोगों को अपने झांसे में फंसा रहे है। जिसके बाद भू-माफियाओं को निर्माण नहीं करने के लिए नोटिस दिया गया। नोटिस देने के बाद भी भूमाफिया अवैध निर्माण करने में लग रहे। इसके बाद गांव गजरपुर में प्रॉपर्टी डीलरों को यह चेतावनी दी गई है कि आगे से निर्माण कार्य हुआ तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। बिनेश कुमार ने बताया कि विभाग से अनुमति लेने के बाद ही निर्माण कार्य

करें। विभाग अनुमति देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जिले में करीब 3 अनधिकृत कॉलोनियों में बुलडोजर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया की कार्रवाई के दौरान डीपीसी और नेटवर्क रास्तों को जमीदोज कर अवैध निर्माण कार्यों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

रोडवेज की अनूठी पहल, चालक-परिचालकों के लिए भोजन गरम करने की सुविधा

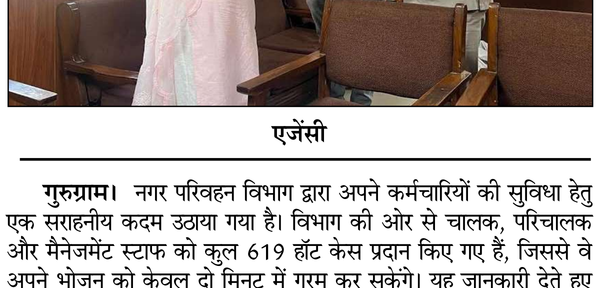

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर परिवहन विभाग द्वारा अपने कर्मचारियों की सुविधा हेतु एक सराहनीय कदम उठाया गया है। विभाग की ओर से चालक, परिचालक और मैनेजमेंट स्टाफ को कुल 619 हॉट केस प्रदान किए गए हैं, जिससे वे अपने भोजन को केवल दो मिनट में गरम कर सकेंगे। यह जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के महाप्रबंधक भारत भूषण गोगिया ने बताया कि 264 चालक, 292 परिचालक तथा मैनेजमेंट स्टाफ के 63 कर्मचारियों को हॉट केस प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह सुविधा विशेष रूप से उन कर्मचारियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी, जिन्हें ड्यूटी के दौरान भोजन के लिए उपयुक्त संसाधन नहीं मिल पाते। हॉट केस मिलने से अब वे अपने साथ लाया गया भोजन आसानी से गर्म कर सकेंगे और स्वास्थ्यवर्धक भोजन का लाभ उठा सकेंगे। इस नवाचार से कर्मचारियों को न केवल पौष्टिक भोजन प्राप्त होगा, बल्कि यह उनकी कार्यक्षमता और स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा। कर्मचारियों ने विभाग की इस पहल की खुले दिल से सराहना करते हुए इसे कर्मचारी-कल्याण की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण करार दिया है, जो भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा।

भाजपा सरकार संकल्प पत्र के वायदों से मुकरी, लक्ष्मी योजना के सिलेंडर में भी की 50 रुपये की वृद्धि : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार अब जनता को झटके पर झटके दिए जा रही है, यह सरकार अपने ही संकल्प पत्र के वायदों से मुकर रही है, हरियाणा सरकार ने बजट में लक्ष्मी योजना के तहत हर माह हर महिला को 2100 रुपये देने की घोषणा तक का कोई जिक्र नहीं किया तो दूसरी ओर केंद्र सरकार ने हर घर ग्रहण योजना के तहत हर महिला को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी मगर उसमें भी 50 रुपये की वृद्धि कर दी। सरकार को कम से कम अपने वायदे पर कायम रहते हुए जनता के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए था। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि सोमवार का दिन देश के लिए किसी आफत से कम नहीं है। पहले शेयर बाजार में भीषण गिरावट ने लोगों के होश उड़ा दिए। इसके साथ ही सरकार ने लोगों की जेब पर असर डालने वाले कई फैसलों का ऐलान कर दिया। इनमें रसोई गैस सिलेंडर 50 रुपये महंगा करना शामिल है। सीएनजी की कीमत में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई। रसोई गैस की महंगाई से उज्ज्वला योजना के तहत गरीबों और सामान्य लोगों दोनों को नुकसान होगा। गैस की नई कीमतें 08 अप्रैल से लागू कर दी गई है। रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को अब एक सिलेंडर 553 रुपये में मिलेगा। पहले यह 503 रुपये का था। वहीं, सामान्य ग्राहकों को 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर अब 853 रुपये में मिलेगा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार रसोई गैस पर सब्सिडी पहले ही बंद कर चुकी है, जबकि सिलेंडर के दाम भी नियमित अंतराल पर बढ़ाए जा रहे हैं। एक तरफ सरकार खाना बनाने के लिए हर घर गैस पहुंचाने का दम भर रही है तो दूसरी ओर सिलेंडर के दाम बढ़ाकर गरीब आदमी की पहुंच से इसे दूर कर रही है। सरकार को तुरंत बढ़े हुए दाम वापस लेने चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि रसोईघर का बजट पहले से बिगड़ा हुआ है सब्जियों समेत तेल और अन्य खाद्यान्न के दाम पहले ही बढ़े हुए थे।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 10 गौरवशाली वर्ष, लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों को बनाया सशक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने 10 वर्षों में लाखों उद्यमियों को सशक्त बनाया है। इसके तहत बिना किसी जमानत के ऋण प्रदान किया गया है। इस योजना के तहत एक दशक से भी कम समय में 33.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि 52.37 करोड़ ऋणों के जरिए प्रदान की गई है। पीएमएमवाई 8 अप्रैल, 2015 को लॉन्?च किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना के 10 साल पूरा होने पर इसके लाभार्थियों से बात किया और उन्हें बधाई दी।वित्त मंत्रालय ने मंलवार को एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का शुभारंभ किया था। इस योजना से संपूर्ण भारत में छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने के 10 गौरवशाली वर्ष पूरे हुए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि आय अर्जित करने वाली गतिविधियों के लिए आसानी से और बिना किसी जमानत के 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करती है। मंत्रालय के मुताबिक वित्त मंत्री ने इच्छुक उद्यमियों को मजबूती से सहयोग देने के लिए 23 जुलाई, 2024 को केंद्रीय बजट 2024-25 में इस योजना के तहत ऋण की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की घोषणा की।

वित्तमंत्री सीतारमण छह दिवसीय ब्रिटेन और ऑस्ट्रिया के दौरे पर लंदन पहुंचीं

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ब्रिटेन और ऑस्ट्रिया के 6 दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले चरण में सोमवार देर शाम लंदन पहुंचीं। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने हीथ्रो हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण 8 से 13 अप्रैल तक यूरोप के छह दिवसीय आधिकारिक दौरे की शुरुआत में लंदन पहुंचीं। उनकी यात्रा में ऑस्ट्रिया भी शामिल है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने हीथ्रो हवाई अड्डे पर वित्त मंत्री का स्वागत किया। सीतारमण लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) के साथ साझेदारी में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में एक इन-कन्वर्सेशन सेशन के साथ अपनी ब्रिटेन यात्रा की शुरुआत करेंगी। इसके बाद वह बुधवार को अपनी ब्रिटिश समकक्ष चांसलर रेचल रीव्स के साथ भारत-यूके आर्थिक और वित्तीय वार्ता (ईएफडी) के 13वें मंत्रिस्तरीय वार्ता में भाग लेंगी।वित्त मंत्रालय के मुताबिक 13वां ईएफडी दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मंच हैं। यह निवेश मामलों, वित्तीय सेवाओं, वित्तीय विनियम, यूपीआई अर्ध संबंधों, कराधान मामले और अवैध वित्तीय प्रवाह सहित वित्तीय सहयोग के विभिन्न पहुलओं में स्पष्ट सहभागिता के अवसर को प्रदान करता है।

बीपीसीएल और सेम्बकॉर्प ग्रीन के बीच करार

नई दिल्ली। देश में हरित हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई पहल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त उद्यम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बताया कि यह समझौता पूरे भारत में हरित हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की खोज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत के ऊर्जा क्षेत्र को गति देना और देश के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को समर्थन देना है। संयुक्त उद्यम हरित अमोनिया उत्पादन, बंदरगाह संचालन में उत्सर्जन में कमी और अन्य नवाचार-आधारित हरित ईंधन प्रौद्योगिकियों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इन संभावित परियोजनाओं में सेम्बकॉर्प की नवीकरणीय ऊर्जा विशेषज्ञता और बीपीसीएल की पेट्रोलियम और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में गहरी जानकारी का लाभ लिया जाएगा। बीपीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी. कृष्णकुमार ने इस सहयोग को एक 'महत्वपूर्ण मील का पत्थर' बताया और कहा कि यह भागीदारी बीपीसीएल को वर्ष 2040 तक स्कोप 1 और 2 के तहत नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी 10 गीगावाट (जीडब्ल्यू) के लक्ष्य के साथ एक मजबूत अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लखनऊ में स्थापित होगी आईबीएम की लैब

लखनऊ । आईबीएम ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर लैब की स्थापना की घोषणा की है। यह लैब प्लैटिनम मॉल, सुशांत गोल्फ सिटी में बनेगी और जिसका मुख्य उद्देश्य जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई टेक्नोलोजी को विकसित करना होगा। आईबीएम इंडिया सॉफ्टवेयर लैब्स आईबीएम के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास केंद्रों में से एक है। आईबीएम इंडिया पहले से ही डेटा और एआई, ऑटोमेशन, साइबर सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी जैसी तकनीकों पर काम कर रहा है। लखनऊ की यह लैब भारत और वैश्विक स्तर पर व्यवसायों की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बड़े और छोटे भाषा मॉडल का उपयोग कर एआई आधारित समाधान विकसित करेगी। इस लैब में सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डिजाइन और विकास की वर्ल्ड क्लास बेहतरीन पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा लखनऊ में नई सॉफ्टवेयर प्रयोगशाला रोजगार सृजन और स्थानीय प्रतिभाओं की भागीदारी से राज्य की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एआई-संचालित नवाचार और उपयोग के मामलों को गति देगा जो उत्पादकता, कार्यकुशलता को बढ़ाएगा तथा नागरिक सेवाओं में सुधार करेगा।

आरबीआई ने रेपो रेट 0.25 फीसदी घटाकर 6 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती का एलान किया है। आरबीआई ने रेपो रेट घटाकर 6 फीसदी कर दिया है, जो पहले 6.25 फीसदी था। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक के इस फैसले से आने वाले दिनों में लोन की ब्याज दर सस्ती हो सकती है। इससे ईएमआई भी घटेगी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को नए वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। ल्होत्रा ने कहा, %मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर रेपो रेट को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों यानी 0.25 फीसदी घटाकर 6 फीसदी करने के लिए मतदान किया।

उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर छह फीसदी करने का निर्णय किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था लक्ष्यों के

अनुरूप आगे बढ़ रही है। आर्थिक वृद्धि में सुधार जारी है। मल्होत्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत अमेरिकी शुल्क के साथ वैश्विक अनिश्चितता के साथ हुई है, आरबीआई की स्थिति पर नजर है।

मौद्रिक नीति समिति क्या है

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 सदस्?य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदय केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। छह सदस्यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है।

क्या होता है रेपो रेट

रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं। इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा। अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी। इसके साथ ही कारोबारियों के लिए लोन लेना भी आसान हो जाएगा।

वर्तमान में एमपीसी के सदस्य

रिजर्व बैंक के वर्तमान में छह सदस्य हैं। इनमें आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव रंजन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव, डॉ. नागेश कुमार, डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सौगता भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री प्रोफेसर राम सिंह, डायरेक्टर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने इससे पहले इस साल फरवरी में मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती कर 6.25 फीसदी कर दिया था। यह मई, 2020 के बाद पहली कटौती और ढाई साल के बाद पहला संशोधन था। रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा की बैठक आमतौर पर हर दो महीने में होती है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 6 बैठकें होंगी। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

सेबी का 'एक्स' पर @SEBI_updates नाम से नया आधिकारिक अकाउंट

एजेंसी

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (X) पर अपना आधिकारिक खाता लॉन्च किया है। सेबी के इस अकाउंट पर विनियमनों, आदेशों, परिपत्रों और प्रेस विज्ञप्तियों से संबंधित अधिसूचनाएं साझा करेगा, जो नियामक की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होंगी। पूंजी बाजार नियामक ने बताया कि सेबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' को अपने चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के साथ 4 अप्रैल को आधिकारिक अकाउंट लॉन्च किया है। इस अकाउंट का यूजरनेम @SEBI_updates है। सेबी ने एक डिस्क्लेमर में कहा कि सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट की गई सामग्री बोर्ड का कोई नियम, विनियमन, परिपत्र, दिशा-निर्देश या बयान नहीं है, बल्कि केवल सूचना के प्रसार के लिए है, जो अन्यथा आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हो सकती है। नियामक ने बताया कि इसका उद्देश्य प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना, प्रतिभूति बाजार के विकास को बढ़ावा देना और उसे विनियमित करना है।

चीनी आयात में उछाल से भारतीय सरसों खली को मिला नया बाजार, कनाडा पर टैरिफ बना वजह

एजेंसी

नई दिल्ली/बीजिंग। चीन ने पिछले तीन सप्ताहों में भारत से 52,000 टन सरसों खली (रेपसीड मील) खरीदी है, जो कि 2024 में चीन द्वारा भारत से की गई कुल खरीद से चार गुना अधिक है। यह तेजी चीन द्वारा कनाडा पर 100 प्रतिशत प्रतिशोधात्मक आयात शुल्क लगाए जाने के बाद देखी गई है। भारत की बढ़ती सरसों खली निर्यात ने चीन जैसे विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ता को कनाडा की आपूर्ति का विकल्प दिया है, वहीं भारत में सरसों खली की अधिकता के कारण घरेलू कीमतों पर दबाव भी कम हुआ है।

एक प्रमुख निर्यातक कंपनी के अधिकारी ने बताया, चीनी आयातकों की रुचि हाल ही में बढ़ी है क्योंकि कनाडा से आयात अब महंगा हो गया है। चीन ने 20 मार्च से कनाडा से आयातित सरसों खली और तेल पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। सूत्रों के अनुसार, चीन ने भारतीय सरसों खली की खरीद 220 से 235 प्रति टन (सीएफआर आधार पर) की कीमत पर की है। भारत, जो विश्व का तीसरा सबसे बड़ा सरसों

उत्पादक देश है, अभी तक चीन को उच्च मूल्य के कारण ज्यादा खली नहीं भेज पा रहा था। 2024 में चीन ने कनाडा से 20.2 लाख टन, यूएई से 5.04 लाख टन और रूस से 1.35 लाख टन खली खरीदी थी, जबकि भारत से केवल 13,100 टन ही खरीदी गई थी। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के कार्यकारी निदेशक बी.वी. मेहता ने कहा, भारत अपने कुल खली निर्यात को 20 लाख टन से बढ़ाकर 25 लाख टन तक पहुंचा सकता है। फिलहाल भारत में सरसों खली का स्थानीय मांग कमजोर है और कीमतें फरवरी के 248 प्रति टन से गिरकर अब लगभग 200 प्रति टन (एफओबी) रह गई है।

अमेरिकी टैरिफ के बीच भारत की घरेलू मांग विकास को गति दे रही है : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली/लंदन। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ से बढ़ी वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था विकास की एक किरण बनी हुई है। वित्त मंत्री सीतारमण ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में 'भारत के 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के प्रयास के लिए अवसर और चुनौतियां' विषय पर आयोजित संवाद में भारत की आर्थिक गति को आगे बढ़ाने वाले लचीलेपन और घरेलू मांग पर जोर दिया। उन्?होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की लचीलापन और घरेलू मांग की मजबूती अमेरिकी टैरिफ के परिणामस्वरूप तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच भारत को विकास का इंजन बनाती रहेगी। सीतारमण ने कहा कि विश्व ने कई वर्षों से विकास में मंदी देखी है। पहले लंबे समय तक ब्याज दरें कम थीं और अब लंबे समय तक विकास दर कम रहने वाली है। यह किसी के लिए भी अच्छी खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले पांच सालों

से लगातार सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा है और हमें अभी भी लगता है कि यह गति थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन फिर भी भारत ही इस वृद्धि को बनाए रखेगा, क्योंकि हमारी वृद्धि घरेलू स्तर पर मौजूद खपत के कारण संतुलित होती है। इससे पहले ब्रिटेन और ऑस्ट्रिया के छह दिवसीय आधिकारिक दौरे के पहले चरण में लंदन पहुंचीं सीतारमण ने यहां आज प्रूडेंशियल पीएलसी की अध्यक्ष श्रीति वडेरा से मुलाकात की। इस दौरान वित्त मंत्री ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति में सुधारों के कारण भारतीय बीमा क्षेत्र में वृद्धि का उल्लेख किया और इस बात पर भी जोर दिया और स्वास्थ्य बीमा तथा अन्य उत्पादों के अलावा पुनर्बीमा तथा तृतीय पक्ष बीमा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

सरकार ने 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय को किया अधिसूचित, एक मई से होगा प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'एक राज्य-एक आरआरबी'के सिद्धांत पर 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय को मंजूरी दे दी है, जिसे अधिसूचित भी कर दिया गया है। इस अधिसूचना के बाद एक मई, 2025 से देश के प्रत्येक राज्य में एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक होगा।वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक एक मई, 2025 से देश के प्रत्येक राज्य में एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) मौजूद होगा। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण का यह चौथा चरण होगा, जिसके पूरा होते ही आरआरबी की मौजूदा संख्या 43 से घटकर 28 रह जाएगी। देश के 11 राज्यों- आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर,

कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा एवं राजस्थान में मौजूद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एक इकाई के रूप में विलय किया जाएगा। इस तरह सरकार के 'एक राज्य-एक आरआरबी' के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा। इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय की प्रभावी तिथि एक मई, 2025 तय की गई है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 की धारा 23ए(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप ये आरआरबी एक एकल इकाई में एकीकृत हो जाएंगे।अधिसूचना के मुताबिक सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास 2,000 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी होगी। पिछले कुछ समय में विलय के कारण आरआरबी की कार्यकुशलता में सुधार को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्रालय ने हितधारकों के साथ परामर्श के लिए नवंबर, 2024 में एक विलय योजना शुभारंभ किया था। वित्त मंत्रालय के मुताबिक वर्तमान में 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 43 आरआरबी कार्यरत हैं। इस विलय के बाद 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 28 आरआरबी होंगे, जिनकी 700 जिलों में 22000 से अधिक शाखाएं होंगी। इनका संचालन का मुख्य ग्रामीण क्षेत्र है, जिसमें लगभग 92 फीसदी शाखाएं ग्रामीण यानी अर्ध शहरी क्षेत्रों में हैं।

बैंक घोटाला मामले में ईडी की कर्नाटक में 10 जगहों पर छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जिला सहकारी बैंक घोटाले के सिलसिले में कर्नाटक के बेंगलुरु और शिवमोग्गा में स्थित 10 ठिकानों पर छापेमारी की।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर बेंगलुरु और शिवमोग्गा में इन सभी ठिकानों पर एक साथ तलाशी शुरू की। ईडी की यह कार्रवाई जिला सहकारी बैंक से जुड़े कथित घोटाले की चल रही जांच का हिस्सा है। अधिकारियों के अनुसार इस छापेमारी का उद्देश्य सहकारी बैंक से जुड़ी संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सबूत जुटाना है। केंद्रीय जांच एजेंसी बेंगलुरु के तीन बैंकों के संचालन के भीतर निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सीईओ और प्रबंधन बोर्ड के स्टाफ सदस्यों द्वारा

करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के रूप में धन की हेराफेरी की रिपोर्ट के बाद कई सुरागों पर नजर रख रही है। इन सहकारी बैंकों में श्री गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक लिमिटेड, श्री वशिष्ट क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड और श्री गुरु सर्वबाहुमा सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव हैं।

व्यापारी समुदाय के लिए गेम चेंजर साबित हुई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने देश के व्यापारी समुदाय के लिए एक गेम चेंजर के रूप में काम किया है। इसके लिए व्यापारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने दस वर्ष पूर्व इस योजना की शुरुआत उस क्षेत्र के लिए की थी जो लंबे समय तक औपचारिक वित्त व्यवस्था से वंचित रहा। भाजपा सांसद एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 10 साल पूरा होने के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही। खंडेलवाल ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना ने भारत के व्यापारी वर्ग को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल, 2015 को शुरू हुई यह योजना देशभर के छोटे व्यापारियों और

दुकानदारों के लिए वरदान साबित हुई है। शिशु, किशोर और तरुण श्रेणियों के जरिए बिना किसी गारंटी के ऋण प्रदान कर इस योजना ने लाखों सूक्ष्म और लघु व्यवसायों को वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिससे उन्हें अपने व्यापार का विस्तार करने, बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और कार्यशील पूंजी को मजबूत करने में सहायता मिली है।उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब छोटे व्यापारियों के लिए औपचारिक वित्तीय सहायता प्राप्त करना एक चुनौती था, पीएम मुद्रा योजना ने उस अंतर को पाटते हुए देश के व्यापार और वाणिज्य को नई ऊर्जा दी है। इस योजना ने न केवल ऋण की उपलब्धता बढ़ाई है, बल्कि स्वरोजगार को बढ़ावा दिया है और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित किया है। खंडेलवाल ने कहा कि पिछले दस वर्षों में लाखों व्यापारी इस योजना के प्रत्यक्ष लाभार्थी रहे हैं, जिससे उन्हें विशेष रूप से कोरोना महामारी (कोविड-19) जैसी चुनौतीपूर्ण विषम परिस्थितियों में अपने व्यवसाय को बनाए रखने और आगे बढ़ाने में मदद मिली। असंगठित क्षेत्र को सशक्त करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इस योजना की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि पीएमएमवाई ने 10 वर्षों में लाखों उद्यमियों को सशक्त बनाया है। इसके तहत बिना किसी गारंटी के ऋण प्रदान किया गया है। इस योजना के तहत एक दशक से भी कम समय में 33.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि 52.37 करोड़ ऋणों के जरिए प्रदान की गई है।

इस महीने स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक अवकाश के अलावा 3 दिन रहेगी छुट्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। अप्रैल महीने की शुरुआत से ही घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। इस सप्ताह सोमवार को स्टॉक मार्केट जहां जबरदस्त गिरावट का शिकार हुआ, लेकिन आज बाजार ने शानदार रिकवरी भी की। इस उतार-चढ़ाव वाले माहौल के बीच इस महीने शेयर बाजार में शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के अलावा तीन अन्य दिनों में भी छुट्टी होने की वजह से कोई कारोबार नहीं होगा।स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार इस महीने की पहली छुट्टी गुरुवार यानी 10 अप्रैल को महावीर जयंती की होगी। इसी तरह अगले सप्ताह 14 अप्रैल यानि सोमवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर भी स्टॉक मार्केट बंद रहेगा, जबकि अगले सप्ताह ही शुक्रवार यानी 18 अप्रैल को स्टॉक मार्केट में गुड फ्राइडे की छुट्टी होगी। छुट्टी के दिन

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) बंद रहेंगे। अप्रैल महीने की ये तीनों छुट्टियां इक्विटी, डेरिवेटिव्स और करेंसी ट्रेडिंग सेगमेंट पर लागू होंगी। स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार अप्रैल महीने के बाद इस साल 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर स्टॉक एक्सचेंज बंद रहेगा। इसके अलावा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी के अवसर पर 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन 21 और 22 अक्टूबर को दिवाली के अवसर पर, 5 नवंबर को प्रकाश पर्व के मौके पर और 25 दिसंबर को क्रिसमस के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी।

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार, सेंसेक्स और निफ्टी में शानदार तेजी

नई दिल्ली। ग्लोबल ट्रेड वॉर की आशंका के कारण घरेलू शेयर बाजार में 3 अप्रैल से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। जबरदस्त गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार वापसी की। दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी करीब 2 प्रतिशत तक उछल गए। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली होने की वजह से दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.49 प्रतिशत और निफ्टी 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, रियल्टी, पीएसयू बैंक, टेलीकॉम और मीडिया सेक्टर के शेयरों की सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी, मेटल, एनर्जी, टेक और हेल्थकेयर इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.87 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.18 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आय फाइनेंस समेत तीन कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने तीन कंपनियों आय फाइनेंस, ब्लूस्टोन ज्वेलरी और लाइफस्टाइल तथा जीके एनर्जी को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। सेबी ने दी जानकारी में बताया कि इन कंपनियों ने पूंजी बाजार नियामक के समक्ष दिसंबर, 2024 में अपने आईपीओ की मंजूरी के लिए दस्तावेजों का मसौदा दाखिल किया था। सेबी के समक्ष दाखिल दस्?तावेजों के मुताबिक गुरुग्राम स्थित आय फाइनेंस लिमिटेड अपने आईपीओ के जरिए 1,450 करोड़ रुपये जुटाएगी। आय फाइनेंस लिमिटेड के 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 885 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और कॉर्पोरेट तथा व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारकों द्वारा 565 करोड़ रुपये तक की बिक्री की पेशकश शामिल है। कंपनी ने सेबी के पास 16 दिसंबर, 2024 को आईपीओ के लिए कागजात दाखिल किए थे। आय फाइनेंस लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो पूरे भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण प्रदान करने पर केंद्रित है। बेंगलुरु स्थित ब्लूस्टोन ज्वैलरी एंड लाइफस्टाइल को भी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने की मंजूरी सेबी से मिल गई है। ब्लूस्टोन ज्वेलरी और लाइफस्टाइल का 1 रुपये अंकित मूल्य वाला यह

आईपीओ 1,000 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और शेयरधारकों द्वारा 2,39,86,883 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश का मिश्रण है।

पूंजी बाजार नियामक के पास दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक कंपनी ने 11 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। ये कंपनी अपने प्रमुख ब्रांड ब्लूस्टोन के तहत समकालीन लाइफस्टाइल डायमंड, गोल्ड, प्लेटिनम और स्टडेड ज्वैलरी प्रदान करती है। एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस निर्गम का रजिस्ट्रार है। इसके अलावा जीके एनर्जी लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए सेबी से अंतिम अवलोकन प्राप्त हुआ है। कंपनी का 2 अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और शेयरधारकों द्वारा 84,00,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश का मिश्रण है।

कंपनी के इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। कंपनी ने 13 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। इन तीनों कंपनियों के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्ससचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध किए जाएंगे।

बैसाखी पर जरूर बनाएं ये टेस्टी डिश, त्योहार का मजा हो जाएगा दोगुना

बैसाखी का त्योहार आने में कुछ ही दिन रह गए हैं. इसे लोग बहुत ही धूम-धाम से बनाया जाता है और स्वादिष्ट खाना हर त्योहार को मजा दोगुना कर देता है. ऐसे में आप इस दिन पर आप ये तीन स्वादिष्ट डिश जरूर बना सकते हैं.

बैसाखी का त्योहार पंजाब, हरियाणा, उत्तर भारत और कुछ अन्य क्षेत्रों में बहुत ही धूम-धाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है. यह 13 या 14 अप्रैल को पड़ता है. इस साल 13 अप्रैल को बैसाखी का त्योहार मनाया जाएगा. बैसाखी का त्योहार मुख्य रूप से कृषि और फसल की बुवाई के समय से जुड़ा हुआ है. इस दिन किसान अपनी नई फसल की कटाई का जश्न मनाते हैं और भगवान से अच्छे मौसम और समृद्धि की कामना करते हैं.

बैसाखी के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं. सभी लोग इस त्योहार को एक साथ मिलकर मनाते हैं. तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं, जिससे त्योहार का मजा और भी दोगुना हो जाता है. आप भी यह स्वादिष्ट पकवान घर पर बना सकते हैं.

कढ़ी पकोड़ा

कढ़ी पकोड़ा और साथ में चावल बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं. कई लोग बैसाखी के दिन कढ़ी पकौड़ा भी बनाता है. बेसन, दही, करी पत्ते, कई तरह के मसाले और पकोड़ों से बनी कढ़ी बहुत ही स्वादिष्ट होती है. इसे बनाने के लिए सबसे पहले को आलू, प्याज या अपने पसंद के पकौड़े बना लें. अब एक कढ़ाई में दही और बेसन को अच्छे से फेंट कर मिलाएं.

इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, और नमक डालकर इसे अच्छे से मिक्स करें. अब इसमें 2-3 कप पानी डालकर मिक्स करें और धीमी आंच पर उबलने के लिए रख दें. अब एक कढ़ाई में तेल जीरा, राई, करी पत्ता और मसाले डालकर तड़का तैयार करें और कढ़ी में उबाल आने के बाद इसे कढ़ी में डाल दें. अब इसमें पकोड़े डालकर कुछ समय के लिए पकाएं.

कड़ा प्रसाद

मिठी में खीर का कड़ा प्रसाद जरूर बनाया जाता है. इसे बनाने के लिए एक कढ़ाई में घी गर्म करें और इसमें गेहूं का आटा डालकर उसका रंग सुनहरा होने तक भून लें. इसके बाद इसमें उबला हुआ पानी, चीनी या गुड़ डालकर अच्छे से मिक्स करें. अब पानी के सूखने तक इसे चलाते हुए पकाएं. लीजिए बनकर तैयार है हलवा. अब ठंडा होने के बाद इसे सर्व करें.

फिरनी

फिरनी बनाने के लिए चावल को पानी से धो लें. अब इसे पानी में डालकर धीमी आंच पर पकाएं. अब इसे ठंडा होने के लिए रख दें. इसके बाद चावल और दूध को मिलाकर दरदरा पीस लें. इसके बाद कढ़ाई में बादाम, काजू और किशमिश जैसे मैवे को भून लें. अब एक कढ़ाई में मेवे और पिसे हुए चावल को डालकर अच्छे से मिक्स करें और पकाएं. अब इसमें चीनी, इलायची पाउडर और केसर को 2 चम्मच दूध में भिगोकर डालें और 5 मिनट तक पकाएं. जब यह थोड़ी गाढ़ी होने लगे, तो गैस बंद कर दें. आप आप इसे अपनी पसंद के मुताबिक गर्म या ठंडा कर खा सकते हैं. चीनी की जगह पर गन्ने का रस या फिर गुड़ भी डाल सकते हैं.

डिजिटल मीडिया : अनछुए मसलों को उजागर करने का तंत्र

डिजिटल मीडिया का विकास ठीक इसी वजह से हुआ है क्योंकि यह ज़्यादा व्यक्तिगत और संवाद के अनुभव प्रदान करता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म कंटेंट क्रिएटर्स को खास दर्शकों को ध्यान में रखकर ज़्यादा सार्थक, विविधतापूर्ण और गहन कंटेंट बनाने की अनुमति देते हैं। चाहे वह यू-ट्यूब पर खोजी पत्रकारिता हो या विशेष समाचार वेबसाइट। ये सभी अब देश की नब्ज़ पहचान रहे हैं, आम नागरिकों से जुड़े ऐसे मुद्दों पर ध्यान दे रहे हैं।

तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रगति और बदलते उपभोग पैटर्न के दौर में, भारत में डिजिटल मीडिया का उदय किसी क्रांति से कम नहीं है। पारंपरिक टेलीविजन, जिसे अक्सर %बुद्धू बक्सा% कहा जाता है, अपनी जगह खोता जा रहा है। डिजिटल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म न केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि मीडिया परिदृश्य को भी नया आकार दे रहे हैं। व्यवसायियों की संस्था %फिक्की-ईवाई% की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत का डिजिटल मीडिया उद्योग 17फीसदी की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है और 2025 तक 802 अरब रुपयों तक पहुंच जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसमें डिजिटल मीडिया अब समग्र मीडिया और मनोरंजन में 32फीसदी का योगदान देता है, लेकिन टेलीविजन उद्योग के लिए इस वृद्धि का क्या मतलब है और यह परिवर्तन अभी क्यों हो रहा है?पारंपरिक टेलीविजन का पतन-जब भारत के सबसे सम्मानित पत्रकारों में से एक रवीश कुमार ने तीन साल पहले एनडीटीवी से इस्तीफा देते वक्त अपने दर्शकों से टेलीविजन देखना बंद करने के लिए कहा था, तो कई लोगों ने इसे भारतीय मीडिया की स्थिति से निराश व्यक्ति का एक सनकी बयान माना था। फिर भी, रवीश खुद इस बात का जीता-जागता उदाहरण बन गए कि कैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म न केवल एक विकल्प, बल्कि मीडिया जुड़ाव के लिए एक ज़्यादा मुनाफ़े वाला और विश्वसनीय ज़रिया पेश कर सकते हैं। %एनडीटीवी% में अपनी भूमिका से लेकर अपना खुद का %यू-ट्यूब% चैनल शुरू करने तक, रवीश कुमार की आय और प्रभाव दोनों में वृद्धि डिजिटल मीडिया की शक्ति का प्रमाण है।

तो, टेलीविज़न के साथ क्या ग़लत हुआ? जबकि टीवी कभी सार्वजनिक चर्चा को आकार देने में प्रमुख शक्ति था, लेकिन यह दर्शकों की बदलती प्राथमिकताओं के अनुकूल होने से खुद को दूर करता चला गया। %बुद्धू बक्सा% उपनाम, जिसे कभी एक मज़ाक के रूप में देखा जाता था, अब उन लाखों लोगों की भावनाओं को दर्शाता है जिनका लगभग हर टीवी न्यूज चैनल पर लगातार चल रहे सनसनीखेज, एजेंडा-संचालित प्रसारण से मोहभंग हो चुका है। कॉरपोरेट समर्थित टीवी चैनल, अपने अति-पक्षपातपूर्ण एंकर और चीखती-चिल्लाती, कई बार

मार-पीट तक में तब्दील होती बहसों के साथ, अपने दर्शकों की ज़रूरतों और इच्छाओं से जुड़े रहने में विफल रहे। जैसे-जैसे टीवी समाचार तथ्य-आधारित रिपोर्टिंग से रेटिंग बढ़ाने के लिए आवेशित चर्चाओं में तब्दील हुआ, इसने अपनी विश्वसनीयता और प्रासंगिकता खोना शुरू कर दिया।

इसके विपरीत, डिजिटल मीडिया का विकास ठीक इसी वजह से हुआ है क्योंकि यह ज़्यादा व्यक्तिगत और संवाद के अनुभव प्रदान करता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म कंटेंट क्रिएटर्स को खास दर्शकों को ध्यान में रखकर ज़्यादा सार्थक, विविधतापूर्ण और गहन कंटेंट बनाने की अनुमति देते हैं। चाहे वह यू-ट्यूब% पर खोजी पत्रकारिता हो या विशेष समाचार वेबसाइट। ये सभी अब देश की नब्ज़ पहचान रहे हैं, आम नागरिकों से जुड़े ऐसे मुद्दों पर ध्यान दे रहे हैं जिन्हें अक्सर मुख्यधारा के मीडिया द्वारा दरकिनार कर दिया जाता है।डिजिटल मीडिया की अभूतपूर्व वृद्धि-भारत में इंटरनेट की पहुंच का विस्तार, साथ ही किफायती स्मार्टफोन का प्रसार, इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण रहा है। 2023 तक, भारत में 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता थे, जिनमें एक बड़ा प्रतिशत मोबाइल उपकरणों के माध्यम से सामग्री तक पहुंच रहा था। इसने वीडियो स्ट्रीमिंग, पॉडकास्ट और उपयोगकर्ता-जनित सामग्री सहित नए मीडिया प्रारूपों के फलने-फूलने का मार्ग प्रशस्त किया है। यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे प्लेटफ़ॉर्म केवल मनोरंजन के स्रोत नहीं हैं; वे समाचार प्रसार, सामाजिक जुड़ाव और सक्रियता के लिए आवश्यक उपकरण बन गए हैं।

चूकि पारंपरिक टीवी नेटवर्क उच्च-लागत वाले प्रसारण ढांचे पर निर्भर रहता है, इसलिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म सस्ते और चुस्त विकल्प के रूप में उभरे हैं। डिजिटल मीडिया का लचीलापन इसे विभिन्न प्रकार के दर्शकों को संतुष्ट करने की सुविधा देता है, जिससे यह अधिक समावेशी और विविध बन जाता है। चाहे यू-ट्यूब पर लंबे-चौड़े वृत्तचित्र हों या सोशल मीडिया पर त्वरित अपडेट, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म युवा, तकनीक-प्रेमी दर्शकों की आदतों के अनुकूल होते हैं।

डिजिटल मीडिया की राष्ट्र की नब्ज़ से जुड़ने की अपील -पिछले एक दशक में, अनगिनत %यू-ट्यूब चैनलों, ब्लॉग और स्वतंत्र मीडिया संगठनों ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला है। दलितों और आदिवासियों के अधिकार, सरकारी भ्रष्टाचार, श्रम अधिकार, पर्यावरण प्रदूषण और जल, जंगल, जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के मुद्दे। ये डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अक्सर पारंपरिक मीडिया आउटलेट की तुलना में बहुत कम संसाधनों के साथ काम करते हैं, फिर भी आम लोगों की कहानियों को उजागर करके शक्तिशाली संस्थानों को जवाबदेह ठहराने की उनकी क्षमता ने आधुनिक मीडिया परिदृश्य में उन्हें अपरिहार्य बना दिया है।टीवी चैनल के व्यावसायिक हितों के मुकाबले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने हाशिए के समुदायों-आदिवासियों, दलितों, किसानों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के संघर्षों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। पैरवी और बदलाव में डिजिटल मीडिया की भूमिका जैसे-जैसे बढ़ती जा रही है, सामाजिक और राजनीतिक अभिव्यक्ति को आकार देने में इसकी भूमिका अधिक स्पष्ट होती जा रही है। अब जबकि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने विविध आवाज़ों और एजेंडों के लिए सफलतापूर्वक जगह बना ली है, तो समय आ गया है कि ये प्लेटफ़ॉर्म सिफ़ रिपोर्टिंग से आगे बढ़कर वकालत में सक्रिय भागीदार बनें।

सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक जहां डिजिटल मीडिया प्रभाव डाल सकता है, वह है जनमत को संगठित करना और नीति परिवर्तन के लिए दबाव डालना। भारत-जल-संरक्षण और कृषि भूमि की बदहाली से लेकर महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने तक कई मुद्दों से जूझ रहा है, जबकि टीवी पर होने वाली बहसें अक्सर सनसनीखेज होती हैं। ऐसे में डिजिटल मीडिया अभियान आयोजित करने, गठबंधन बनाने और नीति निर्माताओं पर कार्रवाई करने के लिए दबाव बनाने में कारगर भूमिका निभा सकता है।

इसके अलावा, डिजिटल मीडिया भारतीय समाज में व्याप्त विभाजनकारी आख्यानों को खत्म करने की एक ताकत हो सकती है, खासकर धार्मिक और जाति-आधारित विभाजन से जुड़े मुद्दों पर। मुख्यधारा के टीवी ने अक्सर इन विभाजनों को गहरा करने में योगदान दिया है, जिसमें एंकर डर और नफ़रत को बढ़ावा देने वाले एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। दूसरी ओर, डिजिटल मीडिया में एकता, सहिष्णुता और समावेशिता को बढ़ावा देने वाले प्रति-आख्यान प्रस्तुत करने की क्षमता है। यह ऐसी नीतियों की वकालत कर सकता है जो जाति, धर्म या आर्थिक स्थिति से परे समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाती हों।

डिजिटल मीडिया की जिम्मेदारियां बढ़ती जा रही हैं-डिजिटल मीडिया के लिए अगला कदम अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करना और दर्शकों के साथ और भी मज़बूत संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह सटीक, सहानुभूति-पूर्ण और साक्ष्य-आधारित वकालत के साथ मुद्दों को प्रस्तुत करे। %फिक्की-ईवाई% की रिपोर्ट डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनने पर प्रकाश डालती है।

महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके-जैसे कि रोज़गार सृजन, महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता - डिजिटल मीडिया सशक्त नागरिक बनाने में योगदान दे सकता है।डिजिटल मीडिया को सिफ़ राजस्व और दर्शकों की संख्या के आधार पर नहीं मापा जाएगा, बल्कि एक ज़्यादा समतापूर्ण और न्यायपूर्ण समाज को आकार देने की इसकी क्षमता से भी मापा जाएगा। जैसे-जैसे डिजिटल मीडिया उद्योग आगे बढ़ेगा, लोकतांत्रिक संस्थानों को जवाबदेह बनाने और देश की बड़ी चुनौतियों के समाधान प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अब समय आ गया है कि डिजिटल मीडिया सिफ़ एक विकल्प के तौर पर ही नहीं, बल्कि मीडिया के भविष्य के तौर पर भी आगे आए।

संपादकीय

वाम राजनीति की नयी उम्मीद : एमए बेबी

कई चुनौतियों के बीच केरल के वरिष्ठ साम्यवादी नेता मरियम एलेक्जेंडर बेबी को देश के सबसे बड़े वामपंथी दल- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्किसस्ट) ने रविवार को अपना नया महासचिव नियुक्त किया। पिछले वर्ष 12 सितम्बर को सीताराम येचुरी के निधन के बाद से यह पद रिक्त था जो उन्होंने लगभग 9 साल तक सम्हाला था। तमिलनाडु के मदुरै में सम्पन्न पार्टी के 5 दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन उन्हें यह पद दिया गया। उनके खिलाफ खड़े महाराष्ट्र के ट्रेड यूनियन नेता डीएल कराड़ को सिर्फ 31 वोट मिले। सीपीआई (एम) की केरल शाखा से पार्टी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पद सम्हालने वाले वे दूसरे नेता हैं- दिग्गज ईएमएस नंबूदरीपाद के पश्चात।पार्टी द्वारा हाल ही में 75 साल की उम्र सीमा का नियम लागू करने के बाद पूर्व महासचिव प्रकाश करात, वृंदा करात, सूर्यकांत मिश्रा, सुभाषिनी अली, माणिक सरकार और जी. रामकृष्णन जैसे वरिष्ठ नेता पोलित ब्यूरो से बाहर हो गये थे। केवल 79 वर्षीय केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को रणनीतिक कारणों से रखा गया है। पोलित ब्यूरो में 8 नए सदस्य शामिल हुए, वे हैं- त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी, तमिलनाडु के पूर्व सीपीएम सचिव के. बालाकृष्णन व ट्रेड यूनियन नेता यू. वासुकी, सीकर (राजस्थान) के सांसद अमरा राम, श्रीदीप भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल), अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव विजू कृष्णन, अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ की महासचिव मरियम धावले और पूर्व छात्र नेता आर. अरुण कुमार।

येचुरी के मुकाबले बेबी को वैचारिकी के स्तर पर अनुदार नेता माना जाता है। छात्र राजनीति (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) से मुख्य धारा की राजनीति में आने वाले बेबी को आपातकाल में छात्रों व युवाओं को संगठित करने के कारण जेल भी जाना पड़ा था। वे केरल के शिक्षा मंत्री रहे तथा लोकसभा सदस्य भी रहे। वे ऐसे वक्त में पार्टी का यह अहम पद सम्हाल रहे हैं जब कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। ये चुनौतियां संगठनात्मक हैं तो वहीं विधानसभा-लोकसभा में घटता प्रतिनिधित्व भी। इसके साथ ही राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक मोर्चों पर उसका कम होता हस्तक्षेप भी दल के लिये चिंता का विषय है।

पिछले 11 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जिस प्रकार से दक्षिणपंथी विचारधारा को देश भर में फैलाया है, उसका माकूल जवाब देने में वामपंथी दल लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। ऐसा केवल सीपीएम ही नहीं वरन देश के दूसरे बड़े साम्यवादी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के बारे में भी कहा जा सकता है। फिर, दोनों दलों के बीच एकता की आशा तो दूर, अब देखना होगा कि क्या तालमेल भी सम्भव है। जो वाम मोर्चा 2004 में बनी कांग्रेस प्रणीत यूपीए सरकार के दौरान मौजूद था, वह अब अस्तित्व में इसलिये भी नहीं है क्योंकि संसद में उसकी उपस्थिति क्षीण है। याद हो कि 2004 में इसे 44 सीटें मिली थीं। आज वह 4 पर सिमटी हुई है। इनमें भी तीन उसे सहयोगी दलों के सहयोग से हासिल हो सकीं।पश्चिम बंगाल में लगभग तीन दशक तक सरकार चलाने के बाद वहां तृणमूल कांग्रेस व भाजपा ने उसका पू सफाया कर रखा है। यहां उसका लोकसभा व विधानसभा में एक भी सदस्य नहीं है। त्रिपुरा म ईमानदारीपूर्वक काम करने के बावजूद 2023 में उसकी सरकार जाती रही। हालांकि वहां वह मुख्य विपक्षी दल है। उसका एक सदस्य यहां से लोकसभा में है। त्रिपुर का चुनाव चाहे दूर हो लेकिन पश्चिम बंगाल का चुना अगले साल ही है।

दोनों ही राज्यों में पार्टी को अपना संगठन मजबू करते हुए चुनावी तैयारियां प्रारम्भ करनी होंगी। खासकर प. बंगाल में पहले। बेबी के अपने गृह प्रदेश केरल म ज़रूर माकपा सरकार है लेकिन वहां कांग्रेस का जनाधा बढ़ रहा है। खासकर, वहां की वायनाड सीट से प्रियंक गांधी ने जैसी बड़े अंतर वाली जीत हासिल की, उसरं साफ है कि यहां कांग्रेस की भी उसे चुनौती मिलेगी। यह लेफ्ट डेमोक्रेटिक गठबन्धन की सरकार है जिसक नेतृत्व सीपीएम करती है। केरल में भी अगले वर्ष वे मध्य में विधानसभा चुनाव हैं।

मोदी और ट्रम्प बहुत बड़ी भूल करने में भी एक समान

मोदी और ट्रम्प बहुत बड़ी भूल करने में भी एक समानसंयुक्त राज्य अमेरिका में, अमेरिका फर्स्ट के लिए ट्रम्प के जल्दबाजी के प्रयास ने पहले ही भविष्य की परेशानी के बीज बो दिये हैं। दोनों नेताओं ने लोगों के जीवन और आजीविका के साथ जुआ खेला है, और जब चीजें गलत होती हैं, तो वे वास्तविकता का सामना करने के बजाय कहानी को फिर से लिखना चाहते हैं।डोनाल्ड ट्रम्प और नरेंद्र मोदी एक-दूसरे के लिए प्रशंसा व्यक्त करते नहीं थकते। उनका परस्पर सम्मान एक अजीब अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक सौहार्द्र का आभास देता है, जो निर्विवाद है। जो चीज उन्हें जोड़ती है, वह केवल साझी विचारधारा नहीं है, बल्कि लोकलुभावनवाद, कथित देशभक्ति, और प्राय~ नाटकीय परन्तु लापरवाह निर्णय लेने की प्रवृत्ति से आकार लेने वाला एक समान विश्वदृष्टि है।

मोदी का आत्मनिर्भर भारत, एक मजबूत राष्ट्रवादी झुकाव के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का आह्वान है, जो ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट बयानबाजी को दर्शाता है। दोनों नेता एक ऐसा दृष्टिकोण पेश करते हैं जो राष्ट्रीय गौरव के लिए एक भावनात्मक, लगभग नाटकीय अपील से अपनी शक्ति प्राप्त करता है, जो स्वायत्तता और शक्ति के भ्रम से घिरा हुआ है।

दोनों ही राष्ट्रीय नीति को व्यक्तिगत धर्मयुद्ध के रूप में पुन~ ब्रांड करने में माहिर हैं, फिर भी छाती पीटने वाली इस सतह के नीचे स्तर के शासन में एक पैटर्न छिपा हुआ है जो कि सार से अधिक दिखावे से और रणनीति से अधिक भावना से चिह्नित है।

इस संबंध में, ट्रम्प की मुक्ति दिवस पहल मोदी के विमुद्रीकरण प्रयोग से एक अजीब समानता रखती है- एक भयावह गलत अनुमान जो मास्टर स्ट्रोक के रूप में प्रच्छन्न है। 2016 में मोदी के विमुद्रीकरण - अचानक और बहुत कम योजना के साथ घोषित - ने भारत की 86 प्रतिशत मुद्रा को रातोंरात अमान्य कर दिया। यह कथित तौर पर काले धन, नकली मुद्रा और आतंकवाद के वित्तपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए बनाया गया था, लेकिन यह जल्दी ही अराजकता में बदल गया। छोटे व्यवसाय ध्वस्त हो गये, मज़दूरों ने शहरों से पलायन कर लिया और एटीएम के बाहर लंबी कतारें आर्थिक कुप्रबंधन का भयावह प्रतीक बन गयीं। विशेषज्ञों द्वारा खतरे की घंटी बजाये जाने के बावजूद, मोदी ने अपना मसीहावादी लहज़ा बरकरार रखा और नागरिकों से उज्ज्वल भविष्य के लिए मात्र 50 दिन की कठिनाई सहने का आग्रह किया।

डोनाल्ड ट्रम्प के तथाकथित मुक्ति दिवस, व्यापक टैरिफ के एक नये दौर की नाटकीय शुरुआत, ठीक उसी तरह के वैश्विक व्यवधान के साथ हुई है, जिसके बारे में आलोचकों ने चेतावनी दी थी। बाज़ार की

प्रतिक्रियाएं तत्काल और क्रूर थीं। घोषणा के बाद पहले कुछ दिनों में यू.एस. स्टॉक इंडेक्स में तेज़ी से गिरावट आयी, जिसमें डॉ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज-800 से अधिक अंक गिर गया और नसदक को और भी ज़्यादा झटका लगा। अनिश्चितता में अचानक वृद्धि से निवेशक पीछे हट गये, आपूर्ति श्रृंखला एक बार फिर से क्रॉसहेयर में आ गयी और मुद्रास्फीति की आशंका फिर से भड़क गयी। टैरिफ युद्ध ने वैश्विक व्यापार के मूल में प्रहार किया है, जो अमेरिकी आर्थिक संप्रभुता को पुन~ प्राप्त करने की आड़ में चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको सहित प्रमुख आर्थिक भागीदारों से आयात को लक्षित करता है। ट्रम्प ने साहस दिखाना जारी रखा है, यह आश्वासन देते हुए कि यह समस्या अस्थायी है, ठीक वैसे ही जैसे मोदी ने किया था जब उनका विमुद्रीकरण का तुगलकी दुस्साहस एक धोखा प्रतीत हुआ था।ट्रम्प टैरिफ का जवाब तेजी से दिया गया है। चीन ने स्वयं के काउंटर-टैरिफ के साथ जवाब दिया। यूरोपीय संघ व्हिस्की, मोटरसाइकिल और औद्योगिक वस्तुओं जैसे प्रमुख अमेरिकी निर्यातों को लक्षित करते हुए अपने स्वयं के प्रतिशोधात्मक उपायों की सूची का मसौदा तैयार करते हुए विश्व व्यापार संगठन में एक कानूनी चुनौती तैयार कर रहा है। मैक्सिको ने भी अन्य लैटिन अमेरिकी देशों के साथ समन्वित व्यापार प्रतिरोध का संकेत दिया है। ट्रम्प ने जो सपना देखा था कि डॉलर मजबूत होगा, वह भी अब नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है।

विश्व अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण लगभग रातोंरात अंधकारमय हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बढ़ते व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता का हवाला देते हुए विकास पूर्वानुमानों को संशोधित किया है। उभरते बाजार, जो निर्यात और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण पर बहुत अधिक निर्भर हैं, आगे की अस्थिरता के लिए तैयार हैं। अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि निरंतर टैरिफ वृद्धि अगले वर्ष वैश्विक जीडीपी वृद्धि से पूर्ण प्रतिशत अंक कम कर सकती है।जिस तरह मोदी के विमुद्रीकरण में एक भव्य राष्ट्रवादी हस्तक्षेप के सभी लक्षण थे- सिस्टम को साफ करना, भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना, अर्थव्यवस्था को शुद्ध करना - ट्रम्प का लिबरेशन डे युद्ध, जीत की भाषा में लिपटा हुआ था, और अमेरिकी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता था। फिर भी दोनों ही बहुत अवैज्ञानिक थे, आंकड़ों के यथार्थ से कटे हुए थे, और संस्थागत परामर्श से रहित थे।संयुक्त राज्य अमेरिका में, अमेरिका फर्स्ट के लिए ट्रम्प के जल्दबाजी के प्रयास ने पहले ही भविष्य की परेशानी के बीज बो दिये हैं। दोनों नेताओं ने लोगों के जीवन और आजीविका के साथ जुआ खेला है, और जब चीजें गलत होती हैं, तो वे वास्तविकता का सामना करने के बजाय कहानी को फिर से लिखना चाहते हैं।

एक गहरी, अधिक परेशान करने वाली समानता भी है - व्यक्तित्व का पंथ जो दोनों पुरुषों को जवाबदेही से बचाता है। मोदी और ट्रंप ने राष्ट्रीय मानस में अपने निजी ब्रांड इतने मजबूत कर लिए हैं कि उनके समर्थक अक्सर आलोचना को विश्वासघात के रूप में देखते हैं। भारत में, कई लोगों ने अराजकता को एक महान उद्देश्य के लिए आवश्यक दर्द के रूप में देखा, भले ही उद्देश्य को कभी स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया हो। अमेरिका में, ट्रंप का %मुक्ति दिवस% ट्रंप के मूर्ख दिवस के रूप में शुरू हुआ है।कोई यह तर्क दे सकता है कि विमुद्रीकरण और मुक्ति दिवस दोनों ही एक विशेष प्रकार की राजनीति की परिणति का प्रतिनिधित्व करते हैं - एक ऐसी राजनीति जिसमें भावनाएं तर्क पर हावी हो जाती हैं, जहां नारे रणनीति की जगह ले लेते हैं, और जहां अल्पकालिक दृष्टिकोण दीर्घकालिक परिणामों पर हावी हो जाते हैं। इस दुनिया में, नेताओं से परिणाम देने की अपेक्षा नहीं की जाती, बल्कि केवल इरादे को नाटकीय बनाने की अपेक्षा की जाती है। मोदी और ट्रंप, अपने सभी मतभेदों के बावजूद, इस भावनात्मक लोकप्रियता के वास्तुकार हैं, जो उपलब्धियों से नहीं बल्कि सतत टकराव, निर्मित संकटों और निर्णायक नेतृत्व के भ्रम से राजनीतिक वैधता का निर्माण करते हैं।

त्रासदी यह है कि इन नाटकीय भूलों से सबसे अधिक पीड़ित लोग सबसे कमजोर हैं।

भारत में, दैनिक वेतन भोगी, छोटे व्यापारी और ग्रामीण समुदाय विमुद्रीकरण के दुष्परिणामों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में, फ्रंटलाइन वर्कर्स, गिग इकॉनामी प्रतिभागी और हाशिए पर पड़े समुदाय सबसे ज़्यादा पीड़ित होंगे। फिर भी, मोदी और ट्रम्प द्वारा गढ़े गए राजनीतिक आख्यान इन कष्टों को देशभक्तिपूर्ण बलिदान में बदल देंगे, कठिनाई को नीति विफलता के बजाय राष्ट्रीय शक्ति के प्रमाण के रूप में पेश करेंगे। संस्थानों और विशेषज्ञों के लिए एक साझा तिरस्कार भी है - सत्तावादी लोकलुभावनवाद की एक पहचान। मोदी ने अपने विमुद्रीकरण कदम में भारतीय रिजर्व बैंक को दरकिनार कर दिया, और ट्रम्प ने नियमित रूप से अपने अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया या चुप करा दिया। संस्थानों को कमज़ोर करना आकस्मिक नहीं है - यह उनकी शक्ति का केंद्र है। दोनों नेता हम बनाम वे की गतिशीलता बनाने में सफल होते हैं, जहां संस्थानों को एक पुरानी, अप्रभावी व्यवस्था के अवशेष के रूप में पेश किया जाता है, और नेता लोगों की एकमात्र सच्ची आवाज़ के रूप में उभरता है।

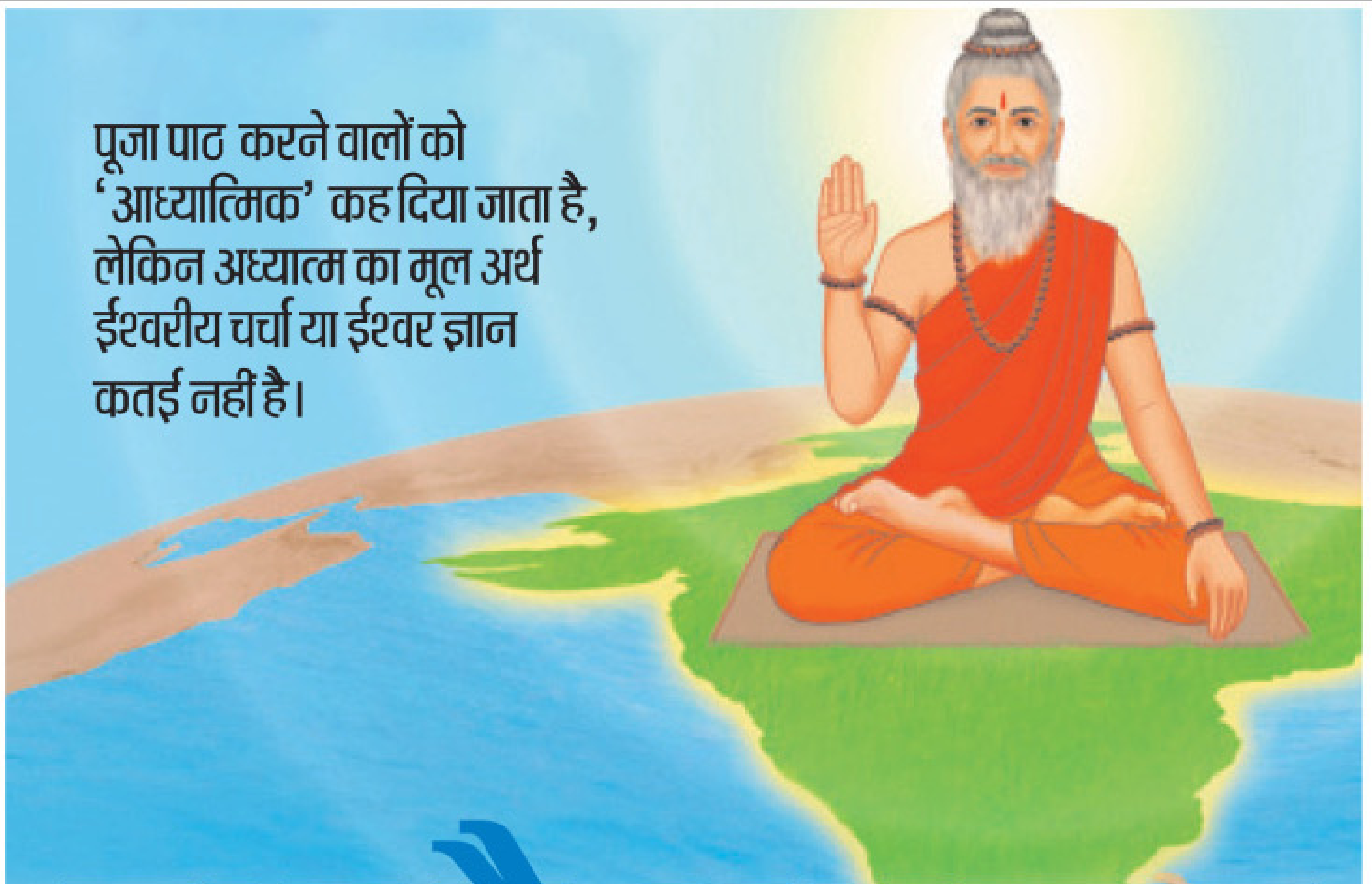

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्म किम् अध्यात्म किं कर्म पुरूषोत्तम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते'

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन- अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व'

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमाएं विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमाएं टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रसः सारः'

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रसः सारः' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

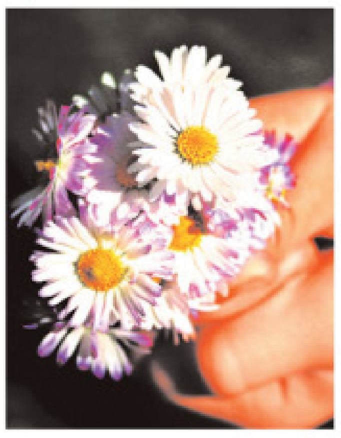

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावतः भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंतःप्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।

आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...

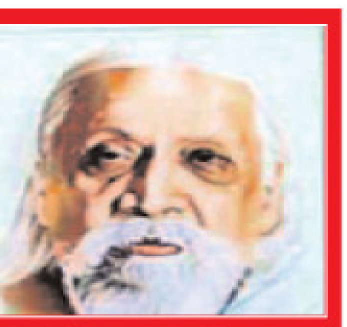

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंतः प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशतः अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्रायः आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंतःप्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से निःस्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंतःप्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंतःप्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णतः अंतःप्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुनः जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं — मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

हाई बीपी हृदयाघात-दिल की बीमारियों का मुख्य कारण

बाजार में बिकने वाली कुछ सब्जियों-फलों और कुछ मसालों व सूखे मेवे में काफी बीमारियों को दूर करने के गुण छुपे हुए हैं। इनमें हाई ब्लडप्रेशर को कम करने में काफी गुण पाए गए हैं। इनको अपने जीवन में शामिल कर लें। हाई ब्लडप्रेशर से होने वाली सम्पूर्ण विश्व में हृदयाघात और दिल की बीमारियों का मुख्य कारण है। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि अधिक समय तक बल्ड प्रेशर का स्तर सामान्य से अधिक रहता है तो इसके कारण रक्त वाहिनियां कमजोर हो जाती हैं जिसके कारण खून के थक्के बन सकते हैं। बल्ड प्रेशर के अधिक होने से केवल हृदय पर ही प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि इससे आपके मानसिक स्वास्थ पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। अभी भी हम में से अधिकांश लोग इस बीमारी के प्रति पूरी तरह सचेत नहीं हैं। हाई ब्लड प्रेशर वाले क्या करें और क्या नहीं क्योंकि इस बीमारी के प्रति लोगों में बहुत गलतफहमियां हैं अतः इस बीमारी के बारे में मूलभूत परंतु महत्वपूर्ण बातें जानकर आप अपनी और अपने प्रिय लोगों की मदद कर सकते हैं। इसके बारे में पूरी जानकारी रखें ताकि आप इसकी रोकथाम कर सकें या यदि आवश्यक हो तो इस गंभीर स्थिति का उपचार कर सकें।

- हाई ब्लडप्रेशर स्वास्थ्य की एक ऐसी समस्या है जिसके कोई लक्षण नहीं हैं
- जो लोग इस बीमारी से ग्रसित हैं उन्हें यह बीमारी होने से पहले चेतावनी के कोई संकेत नहीं दिखते
- नियमित तौर पर अधिक अल्कोहल का सेवन करना भी इस बीमारी के होने की संभावना बढ़ा देता है
- शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, संतुलित आहार लेना, नमक कम खाना आदि के द्वारा ब्लडप्रेशर को सामान्य रखा जा सकता है

कैसे रखें अपना ध्यान

इसके कोई लक्षण नहीं : हाई ब्लडप्रेशर स्वास्थ्य की एक ऐसी समस्या है जिसके कोई लक्षण नहीं हैं। जो लोग इस बीमारी से ग्रसित हैं उन्हें यह बीमारी होने से पहले चेतावनी के कोई संकेत नहीं दिखते। परंतु कुछ मामलों में जब ब्लडप्रेशर बहुत अधिक बढ़ जाता है तो सिर दर्द, सांस लेने में परेशानी आदि तकलीफें होने लगती हैं।

इन लोगों को दिल की बीमारी होने की संभावना : जिन लोगों को हाई ब्लडप्रेशर की समस्या होती है उन्हें दिल की बीमारी होने की संभावना अधिक होती है। कई विशेषज्ञों ने हाई ब्लडप्रेशर को हार्टअटैक और जीवन के लिए घातक कई बीमारियों का कारण माना है। यही कारण है कि हाइपरटेंशन को हलके में नहीं लेना चाहिए तथा इसे नियंत्रित रखने के लिए इसकी समय-समय पर इसकी जांच की जानी चाहिए।

अल्कोहल न लें : कुछ अध्ययनों के अनुसार वे लोग जिनके परिवार में किसी को हाई ब्लडप्रेशर है तथा उनका वजन आवश्यकता से अधिक है, उन्हें यह तकलीफ होने की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय न होना, नियमित तौर पर बहुत अधिक अल्कोहल का सेवन करना भी यह बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है।

भारत में प्रतिवर्ष लाखों मामले : हाल के वर्षो में हाइपरटेंशन से ग्रसित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि भारत में प्रतिवर्ष लाखों मामले सामने आ रहे हैं। वास्तव में यह पूरे विश्व में सबसे अधिक आम बीमारी है तथा बहुत तेजी से बढ़ रही है।

इसको अनदेखा नहीं करना चाहिए : ब्लडप्रेशर को समान्य बनाए रखने के कई तरीके हैं। डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाई लेना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, संतुलित आहार लेना, नमक कम खाना, स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक गतिविधियों से दूर रहना आदि के द्वारा ब्लडप्रेशर को सामान्य रखा जा सकता है। परंतु इस समस्या की अनदेखी करने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं और यही कारण है कि आपको इस बीमारी की गंभीरता को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

अदरक व दूध से सफेद बालों से पाएं छुटकारा

बढ़ते प्रदूषण का असर और तनाव भरी जिंदगी के दवाब में अच्छों-अच्छों के बाल सफेद हो रहे हैं। दूसरा फास्ट फूड आपको बीमार कर आपके बालों का रंग उड़ा देता है। आम डाई और कलर से इन्हें कम करने की कोशिश कुछ ही दिनों तक काम आती हैं बाद में फिर सफेद बालों को देख लोग की समस्या वही के वही रहती है। क्योंकि कुछ समय बाद डाई या मेहंदी का कलर छूट जाता है और आपके बाल फिर से सफेद हो जाते हैं। जबकि आपके घरेलू उपचार के जरिए सफेद बालों को जड़ से हटाने के बारे में आपकी मदद हो सकती है।

आपके घरेलू उपचार

- फास्ट फूड आपको बीमार कर आपके बालों का रंग उड़ा देता है
- आम डाई और कलर से इन्हें कम करने की कोशिश कुछ ही दिनों तक काम आती हैं

1. अदरक-दूध : अदरक को पीसकर उसमें दूध मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपने बालों में 10 से 15 मिनट तक लगाकर फिर सिर धो लें। इसे सप्ताह में दो बार अपनाएं।

2.प्याज का रस : नहाने से 10 मिनट पहले प्याज के पीसकर उसका रस और गूदे को बालों की जड़ों में लगाएं। बालों का झड़ना रुकेगा और बाल काले होने की प्रक्रिया शुरू होगी।

3.नारियल-नींबू व करीपत्ता : नारियल तेल में थोड़ा सा नींबू का रस और करी पत्ता मिलाकर इसे तब तक गर्म करें जब तक करी पत्ता काला न हो जाए। नहाने के 10 मिनट पहले इससे रोज बालों में मालिश करें।

4.काली मिर्च-दही : एक चम्मच काली मिर्च में आधा कप दही मिलाकर सिर की मसाज करें।

5. बादाम के तेल में आंवले का रस : बादाम के तेल में आंवले का रस मिलाकर लगातार लगाने से बाल काले होते हैं।

6. गाय का घी : हफ्ते में दो बार गाय के घी से सिर पर मसाज करें।

7.लौकी रस-ऑलिव ऑइल : लौकी के रस में ऑलिव ऑइल या तिल के तेल मिलाएं और सिर में लगाएं।

8. मेंहदी-दही : मेंहदी पॉउडर और दही को समान मात्रा में मिलाकर बालों में मसाज करें। हफ्ते में एक बार ये करें।

9. ब्लैक टी-कॉफी : ब्लैक टी या कॉफी के पानी से बाल धोने से बालों का रंग गहरा होता है।

10. एलोवेरा जेल-नींबू रस : एलोवेरा जेल में नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों में लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

काकुरो पहेली -4021

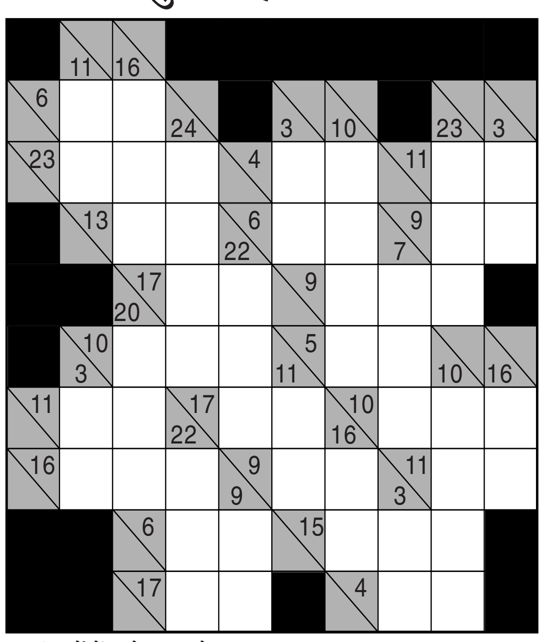

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

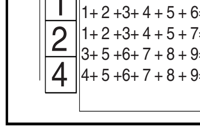

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -4020 का हल

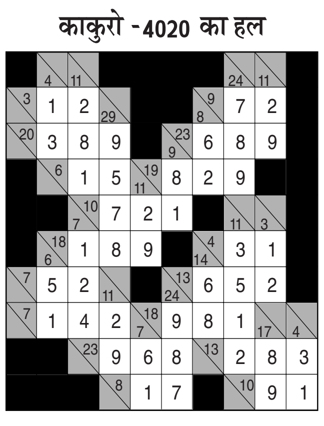

फिल्म वर्ग पहेली- 4021

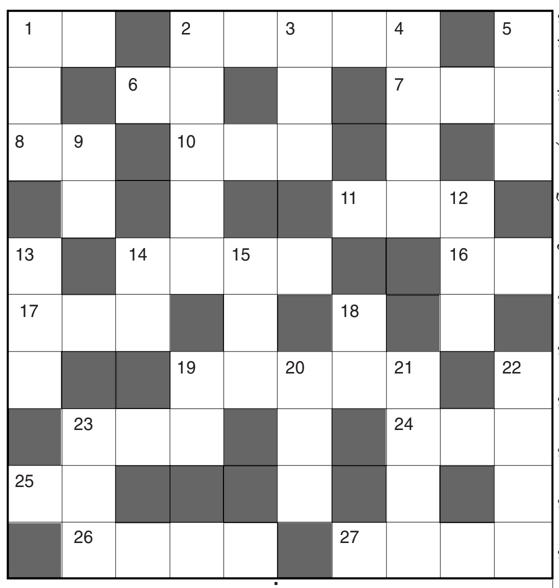

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 4020

सूडोकु -4021

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4020 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 4021

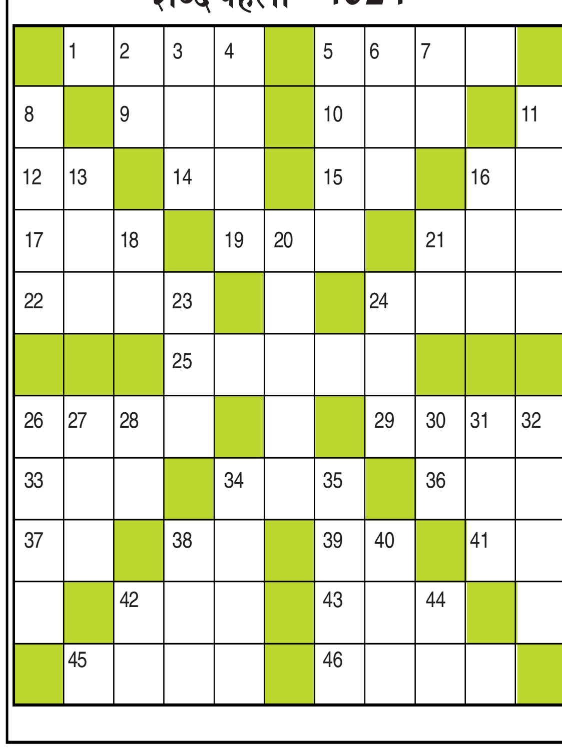

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली - 4020 का हल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 26 लाख के चार इनामी सहित 22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर/रायपुर। शासन की पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति के साथ ही चलाये जा रहे नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर 26 लाख के इनामी 22 नक्सलियों ने आज (मंगलवार) दोपहर बाद डीआईजी सीआरपीएफ बीजापुर देवेन्द्र सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक बीजापुर जितेन्द्र कुमार यादव के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधीक्षक बीजापुर जितेन्द्र कुमार यादव ने जानकारी दी कि आत्मसमर्पित नक्सलियों में पीएलजीए बटालियन नम्बर एक सदस्य, टीएससी (तेलंगाना स्टेट कमेटी) अंतर्गत सीआरसी कंपनी नम्बर-2 का सदस्य, एसीएम, मिलिशिया डिप्टी कमांडर, मिलिशिया सदस्य, केएमएस उपाध्यक्ष, मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमांडर, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, पदेड़ा, गलगम, कोत्तागुड़ा, कमलापुर, डुमरीपालनार, कोरसागुड़ा आरपीसी के अन्य सदस्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों में आठ लाख की इनामी कमली हेमला (32 वर्ष) उर्फ सोमे, पद-पीएलजीए बटालियन नम्बर 1 में सदस्य, 19 वर्षीय आठ लाख का इनामी मुया माड़वी उर्फ राजेश टीएससी (तेलंगाना स्टेट कमेटी) अन्तर्गत सीआरसी कंपनी न. 2 (पार्टी सदस्य), 28 वर्षीय पांच लाख का इनामी सोनू ताती पश्चिम बस्तर डिवीजन प्रेस टीम कमाण्डर (एसीएम), पांच लाख का इनामी महेश पुनेम प्लाटून नबंर 13 में (पीएलजीए सदस्य) शामिल हैं।

आदिशक्ति धाम अंबाजी बना देश की युवा नारीशक्ति के खेल कौशल प्रदर्शन का धाम

अंबाजी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आदिशक्ति धाम अंबाजी में आयोजित आदिशक्ति राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता का प्रारंभ कराते हुए कहा कि ऐसी सक्रिय प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजनरी लीडरशिप में नए युग के नए भारत की तसवीर है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन खेल-कूद तथा पर्यटन को प्रोत्साहन देते हुए राज्य सरकार के खेल-कूद, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग तथा पर्यटन विभाग के सहयोग से किया गया है इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में देश के 28 राज्यों की 550 से अधिक युवा नारी तीरंदाज तीन कैटेगरी की प्रतियोगिताओं में सहभागी हो रही हैं। राज्य सरकार द्वारा इस प्रतियोगिता में विजेताओं को कुल 41.50 लाख रुपए के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तीर-कमान की कला को खेल-कौशल के रूप में आत्मसात करने वाली देशभर की बेटियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा व मार्गदर्शन में देश में नारीशक्ति के कौशल को निखारने के अवसर खेल-कूद क्षेत्र के अतिरिक्त उद्यमिता, स्टार्टअप, इनोवेशन क्षेत्रों में भी मिले हैं। पटेल ने कहा कि गुजरात ने भी खेल महाकुंभ का आयोजन प्रधानमंत्री के दिशा-दर्शन में करके राज्य की महिला खिलाड़ियों सहित खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलने-निखरने का अवसर दिया है। इस संदर्भ में उन्होंने देश को गौरव दिलाने वाली गुजरात की महिला खेल प्रतिभाओं सरिता गायकवाड, पैरा एथलीट भाविना पटेल तथा आर्चरी खेल में राज्य को देश में गौरव दिलाने वाली भार्गवी भगोरा, मैत्री पढियार का विशेष उल्लेख किया।

सरकार एवं संगठन में अनुसूचित समाज की भागीदारी बढ़ाने पर मंथन

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की समन्वय बैठक सरस्वती कुंज निरालानगर में संपन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल एवं अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन की उपस्थिति में आयोजित समन्वय बैठक में संघ प्रेरित विविध संगठनों में कार्यरत प्रान्त एवं क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में कार्य विस्तार, प्रभाव और समाज परिवर्तन पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि संघ का लक्ष्य 'सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी' होना है, इसलिए समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पकड़ होनी चाहिए। सरकार एवं संगठन में अनुसूचित समाज की भागीदारी बढ़ाने पर मंथन किया गया। इसके अलावा 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के जनता का मानस तैयार करने व वक्फ संशोधन बिल पर विपक्ष द्वारा तैयार किये जा रहे नरेटिव का जवाब देने की तैयारी रखने को कहा गया है। शताब्दी वर्ष की तैयारियों में जुटेंगे विविध संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इसलिए समाज परिवर्तन के जो पांच विषय संघ ने तय किये हैं जिसमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण,परिवार प्रबोधन, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य विषय पर समाज प्रबोधन के लिए सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया गया है।

मप्र राज्य निर्वाचन आयोग बनेगा अल्बानिया रिपब्लिक के संसदीय चुनाव में आब्जर्वर

भोपाल। उत्तरपूर्वी यूरोप के देश अल्बानिया रिपब्लिक के संसदीय चुनाव में मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ऑब्जर्वर के रूप में काम करेगा। अल्बानिया रिपब्लिक के इलेक्शन कमीशन ने मप्र राज्य निर्वाचन आयोग को ऑब्जर्वर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी मंगलवार को राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि अल्बानिया में 9 से 11 मई 2025 तक संसदीय निर्वाचन होना है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निर्वाचन में किये गये विभिन्न नवाचारों जैसे पेपरलेस बूथ आदि के सफल प्रयोग के कारण अल्बानिया के निर्वाचन आयोग ने राज्य निर्वाचन आयोग को प्रेक्षक के रूप में आमंत्रित किया है

भारत भक्ति को आगे रखते हुए सारी विविधता का सम्मान करो : मोहन भागवत

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि सारी विविधता का सम्मान करो। सबसे हमारा अपनत्व का रिश्ता है। भाषा, प्रान्त, उपासना, खानपान अलग है, समस्यायें अलग हैं, इसके बावजूद हम एक हैं। हमारी एक माता है। वह है भारत माता। भारत माता की भक्ति को आगे रखना। सभी संतों ने भारत की स्तुति की है। सरसंघचालक लखीमपुर के मुस्तफाबाद स्थित कबीर धाम में आयोजित सत्संग में बोल रहे थे। डा. भागवत ने कहा कि जो भी पंथ सम्प्रदाय को आप मानने वाले हैं, उसकी उपासना प्रमाणिकता से करो। उपासना ठीक से करेंगे तो आप का किसी से झगड़ा नहीं होगा। उपासना ऐसी करना, जिससे सत्य की प्राप्ति हो। अंदर वाह्य सब शुचितापूर्ण हो। सबके कल्याण का भाव हो। भोग व स्वार्थ के पीछे न भागें। समाज के संस्कार परिवार के

कारण रहते हैं। परिवार को संस्कारित व स्वस्थ रखना। परिवार को समाजोपयोगी बनाना। समाज के भेद को दूर करना। जड़ चेतन सबके प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। 10 हजार साल से हम खेती कर रहे हैं। हमारी जमीनों सबसे अच्छी हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हमारी महान परम्परा है। उस परम्परा का पालन करने वाले संत आज भी विद्यमान हैं। छोटी-छोटी नौकाओं में बैठकर हमारे पूर्वज दुनिया को सदमार्ग दिखाने गए थे। हम सम्पूर्ण समाज में सुख शांति चाहते हैं। परिवार हमारे यहां पहली इकाई है। मैं मेरा घरा-परिवार, मेरा राष्ट्र इसका आधार राष्ट्रीयता है। ढ़ाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होए। यह भारत का संदेश है। सब सुखी हों, हमारा देश विश्वगुरू बने, संघर्ष नहीं हम शांति से रहें। असंग देव महाराज ने कहा कि अपने बच्चों को समय दें। घर से परिवार के लोगों को समय दें।

छुआछूत से ऊपर उठना है। इससे हिन्दू समाज टूट जाता है। जहां शुद्ध प्रेम होता है, वहां जाति-पांति, मत-मजहब पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि साधु भेष को बदनाम मत करिए। साधु ऐसा होना चाहिए जैसा सूप सुभाय, संत बनना अच्छी बात है। सदगृहस्थ बनो। एक पत्नीव्रत व एक पतिव्रत का पालन करो। हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा। सदा सत्संगियों में मिल, हमें सेवक बना जाना है।

प्रधानमंत्री ने दादी रतन मोहिनी के निधन का निधन पर दुख व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रह्माकुमारीज की सम्मानित आध्यात्मिक नेता दादी रतन मोहिनी जी के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मोदी ने कहा कि उन्हें प्रकाश, ज्ञान और करुणा के एक किरण के रूप में याद किया जाएगा।उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के वैश्विक आंदोलन के दादी के उत्कृष्ट नेतृत्व की भी सराहना की। उनके साथ अपनी व्यक्तिगत बातचीत को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका जीवन और शिक्षाएं उन सभी के लिए रास्ता रोशन करती रहेगी जो शांति चाहते हैं और हमारे समाज को बेहतर बनाने की इच्छा रखते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, दादी रतन मोहिनी जी की आध्यात्मिक उपस्थिति बहुत ही शानदार थी। उन्हें प्रकाश, ज्ञान और करुणा की किरण के रूप में याद किया जाएगा। उनकी जीवन यात्रा, गहरी आस्था, सादगी और सेवा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता में निहित है, जो आने वाले समय में कई लोगों को प्रेरित करेगी। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के वैश्विक आंदोलन को उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया। उनकी विनम्रता, धैर्य, विचारों की स्पष्टता और दयालुता हमेशा सबसे अलग रही। वह उन सभी के लिए मार्ग प्रशस्त करती रहेंगी जो शांति चाहते हैं और हमारे समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं। मैं उनके साथ अपनी बातचीत को कभी नहीं भूलूंगा।

नशे की समस्या को सामाजिक जागरूकता से दूर किया जा सकता है : विरेन्द्र कुमार

एजेंसी

देहरादून। केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा देहरादून में आयोजित चिंतन शिविर 2025 का समापन हो गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन रचनात्मक संवाद, नीतिगत सामंजस्य और जमीनी स्तर पर बदलाव पर ध्यान केंद्रित किया गया। पहले दिन के विचार-विमर्श को आगे बढ़ाते हुए आयोजन के दूसरे दिन व्यावहारिक मुद्दों का समाधान खोजने, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और अन्य कार्यान्वयन भागीदारों के बीच सहयोग करने, अधिक कारगर शासन और गहरा असर डालने का सूत्रपात करने, समावेशिता सुनिश्चित करने और मंत्रालय के तहत विभिन्न योजनाओं और पहलों में डिलीवरी तंत्रों को सशक्त बनाने पर चर्चा की गई। चिंतन शिविर के समापन के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ विरेन्द्र कुमार ने कहा कि शिविर का उद्देश्य स्पष्ट है कि केंद्र की योजनाओं को समग्र रूप से राज्यों में लागू किया जा सके ताकि जरूरतमंदों तक उसका लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार का नशा मुक्ति पर विशेष ध्यान है।

उन्होंने कहा कि सरकार, प्रशासन व पुलिस के अलावा नशे की समस्या को सामाजिक जागरूकता से दूर किया जा सकता है। नशा उन्मूलन के लिए सरकार और प्रशासन के साथ-साथ समाज की भागीदारी अहम है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस दो दिवसीय चिंतन शिविर में अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए अधिकारियों और मंत्रियों ने अपने-अपने राज्य में समाज कल्याण से जुड़ी योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। आज दिन की शुरुआत सामाजिक सशक्तिकरण पर एक सत्र से हुई, जिसमें नशीले पदार्थों की मांग में कमी लाने की राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) और नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत राष्ट्रीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

संजय बंदी ने एचसीयू भूमि घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की

एजेंसी

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने आरोप लगाए कि तेलंगाना की राजनीति में कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की अपवित्र गठबंधन की कहानी लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) विशेष रूप से करीबी मित्र बन गए हैं। इस मित्रता के तहत रेवंत रेड्डी सरकार बीआरएस शासनकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के मामलों को दबाने और कमजोर करने का प्रयास कर रही है ताकि केसीआर परिवार को गिरफ्तारी से बचाया जा सके। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ने कहा कि शुरुआत में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वयं खुले तौर पर केसीआर के परिवार पर कलेश्वरम परियोजना में ?1 लाख करोड़ के भ्रष्टाचार, बिजली खरीद समझौतों में अनियमितताओं, धरनी भूमि घोटाले, फोन टैपिंग कांड, फॉर्मूला-ई रेसिंग घोटाले और फार्म हाउस ड्रग्स मामलों में संलिप्तता का आरोप लगाया था लेकिन अब केटीआर के साथ गुप्त गठबंधन करने के बाद, रेवंत रेड्डी इन मामलों को हल्का करने का प्रयास कर रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय है। इसके बदले में केटीआर, रेवंत रेड्डी सरकार के साथ भूमि अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार गतिविधियों में सहयोग कर रहे हैं। कांग्रेस द्वारा प्रचारित छह गारंटी और अन्य वादों के बावजूद, वे विधानसभा के भीतर और बाहर केवल नाटक कर रहे हैं, जबकि वास्तव में जेमिनी स्तर पर किसी भी वादे को पूरा नहीं कर रहे हैं।

गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने अपने कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाए कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अब हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) की जमीनें बेचने का प्रयास कर रहे हैं। ऊपर से वे दिखावे के तौर पर वे विरोध का नाटक कर रहे हैं जबकि पर्दे के पीछे केटीआर पूरा समर्थन दे रहे हैं। संजय का मानना है कि रेवंत रेड्डी और केटीआर के बीच की गुप्त मित्रता पहले ही उजागर हो चुकी । हाल ही में दोनों ने मिलकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में आयोजित परिसीमन बैठक में भाग लिया। वे हैदराबाद में प्रस्तावित जनसभा की भी संयुक्त रूप से योजना बना रहे हैं, जिसमें आमंत्रित किए जाने वाले लोगों का चयन भी कर रहे हैं। यहां तक कि संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर मतदान के दौरान भी, कांग्रेस और बीआरएस सांसदों ने उनके प्रभाव में आकर केंद्र सरकार के विरोध में मतदान किया। हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों में भी कांग्रेस और बीआरएस ने कमजोर उम्मीदवार उतारकर एआईएमआईएम को जिताने में मदद की। पहले भी एमएलसी चुनावों में केटीआर ने बीआरएस को चुनाव से दूर रखकर रेवंत रेड्डी को बचाने का काम किया था। हालांकि तेलंगाना की जनता ने करीमनगर, मेदक, निजामाबाद और आदिलाबाद एमएलसी चुनावों के साथ-साथ पहले हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस और बीआरएस को करारी शिकस्त दी थी, फिर भी ये दोनों दल अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

पानागढ़ इंडस्ट्रियल पार्क में उर्वरक कारखाने के लिए निजी कंपनी को दी जाएगी 33 एकड़ जमीन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने पानागढ़ इंडस्ट्रियल पार्क में एक निजी उर्वरक कंपनी को 33.182 एकड़ भूमि हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय 'नवान्न' में यह निर्णय लिया गया। राज्य की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने जानकारी दी कि 'एग्रीसोर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' को यह भूमि जल्द सौंपी जाएगी और कंपनी को शीघ्र ही परिचालन शुरू करने के लिए कहा जाएगा। भट्टाचार्य ने कहा कि वाम मोर्चा शासनकाल में राज्य में कई उर्वरक निर्माण इकाइयां थीं, लेकिन समय के साथ वे बंद हो गईं। अब हमें उर्वरक बाहर से मंगवाना पड़ता है। राज्य में फिर से उर्वरक कारखाने स्थापित करने की कोशिश की जा रही है और इसी क्रम में मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआईडीसी) के स्वामित्व वाली 33.182 एकड़ भूमि एग्रीसोर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को देने की मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने राज्य के कूचबिहार, हावड़ा, उत्तर दिनाजपुर और बांकुड़ा (ब्लॉक-1) जिलों में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों की बिक्री के लिए शॉपिंग मॉल बनाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। सरकार ने कारीगरों और बुनकरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक जिले में एक एकड़ भूमि पर ऐसे शॉपिंग मॉल बनाने का निर्णय लिया है, जिनमें सिनेमा हॉल भी शामिल होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं और मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

एजेंसी

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन कई विकास परियोजनाओं और मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए दो बैठकें कीं। विकास समीक्षा बैठक में केंद्रीय गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हुए।इसी तरह सुरक्षा समीक्षा बैठक में पुलिस और सेना सहित अन्य सुरक्षाबल एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया। केंद्र शासित प्रदेश की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के समापन पर शाह ने यहां राजभवन में विकास समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मौजूद थे, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हुए। दो घंटे की विकास समीक्षा बैठक के बाद केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति का

जायजा लेने के लिए एक और बैठक हुई। दूसरी बैठक ढाई घंटे तक चली। हालांकि, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सुरक्षा समीक्षा बैठक का हिस्सा नहीं थे, लेकिन पुलिस और सेना सहित अन्य सुरक्षाबल एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने में सुरक्षा एजेंसियों के काम की सराहना की और उन्हें सतर्कता बढ़ाने को कहा। घाटी पहुंचे शाह ने भाजपा और जदयू जैसे सहयोगी दलों के नेताओं सहित कई लोगों से मुलाकात की। सोमवार को गृह मंत्री ने कीर्ति चक्र से सम्मानित पुलिस उपाधीक्षक हुमायूं मुजम्मिल भट के घर का दौरा किया, जो 2023 में आतंकवादियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। राजभवन जाने से पहले उन्होंने बलिदानी पुलिस अधिकारी के पिता, सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक गुलाम हसन भट के साथ लगभग 20 मिनट बिताए। मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित भट उन चार सुरक्षाकर्मियों में शामिल थे, जो सितंबर 2023 में दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के गडूल गांव के आसपास के घने जंगलों में आतंकवादियों से लड़ते हुए बलिदान हो गए थे। शाह के दौरे के दौरान पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और बड़ी संख्या में सशस्त्र कर्मियों को तैनात किया गया था।

केंद्र-राज्य एक रथ के दो पहिये, तालमेल, समस्याओं और सुझावों पर गहन मंथन

एजेंसी

देहरादून। केंद्र और राज्य एक रथ के दो पहिये हैं। रथ तभी तेजी से दौड़ेगा, जब दोनों पहिये सही होंगे। इसलिए तालमेल जरूरी है। दो दिनी चिंतन शिविर के समापन के मौके पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार के संबोधन की यह पंक्तियां इस राष्ट्रीय आयोजन के उद्देश्य को प्रभावी ढंग से समझा गईं। यह भी स्पष्ट हो गया कि वंचित तबके की मजबूती का राज आखिर कहां छिपा है। -चिंतन शिविर के दूसरे दिन 19 राज्यों के मंत्रियों ने अपने-अपने प्रदेशों से संबंधित विषयों को उठाया। केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार और केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा की मौजूदगी में केंद्रीय सचिव अमित यादव ने मंत्रियों को उपयुक्त जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने भी अपने संबोधन में तमाम विषयों को

छुआ। उन्होंने कहा कि राज्यों के लिए उनके मंत्रालय के दरवाजे हर समय खुले हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में राज्यों की जमकर हौंसला अफजाई की, लेकिन कमियां गिनाने से भी वह नहीं चूके। उन्होंने उत्तराखंड समेत कई राज्यों की तारीफ की। नमस्ते योजना के क्रियान्वयन के संबंध में उन्होंने चंडीगढ़ व केरल की पीठ थपथपाई, तो ट्रांस जेंडर कल्याण योजना के लिए तेलगांना को शाबासी दी। बिहार की भिक्षावृत्ति मुक्ति अभियान, मध्य प्रदेश व गुजरात की ओबीसी व घुमंतु जाति के उत्थान के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर सराहना की। उत्तराखंड में नशामुक्ति अभियान के लिए किए जा रहे प्रयासों पर मंत्री ने खुशी जताई। कैबिनेट मंत्री ने किसी राज्य का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि कई राज्य ऐसे हैं, जिनके यहां से एससी जाति के बच्चों की विदेश में पढ़ाई से संबंधित योजना के लिए एक भी आवेदन नहीं आता है। ऐसे राज्यों से जागरूकता फैलाने की उन्होंने अपील की। उन्होंने राज्यों के स्तर पर उपयोगिता प्रमाणपत्र देने में विलंब का मामला भी उठाया। उन्होंने कहा कि समय पर उपयोगिता प्रमाणपत्र देने और संबंधित खाते में पैसा शेष ना रहने की स्थिति में अगली किस्त जारी करने में केंद्र के स्तर पर जरा भी विलंब नहीं होता है।

साबरमती आश्रम की प्रार्थना सभा में शामिल हुए खरगे, सोनिया-राहुल समेत दिग्गज कांग्रेस नेता

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात में 64 वर्ष बाद और देश में 84वां कांग्रेस अधिवेशन अहमदाबाद में आयोजित किया गया। शाहीबाग स्थित सरदार स्मारक संग्रहालय में दिन के 11.50 बजे से दोपहर 3.50 बजे तक कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) आयोजित की गई। इस बैठक के बाद शाम साबरमती आश्रम में प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें खरगे, सोनिया व राहुल समेत सभी वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हुए। इसके बाद साबरमती रिवर फ्रंट पर गुजरात केन्द्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जो कि देर रात तक चला। इससे पूर्व शाहीबाग स्थित सरदार स्मारक संग्रहालय करीब चार घंटे चली सीडब्ल्यूसी की बैठक में 118 सदस्य शामिल हुए। प्रियंका गांधी बैठक में शामिल नहीं हुईं,

इसके लिए उन्होंने पहले ही राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति ले ली थी। बैठक में सरदार पटेल पर एक प्रस्ताव पारित किया गया। सभी सदस्यों को पटेल-ए-लाइफ बुक प्रदान की गई। बाद में सरदार स्मारक के बाहर सभी सदस्यों ने फोटो सेशन भी किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफार्म की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि गुजरात में कांग्रेस का ये छठा अधिवेशन है। चार कांग्रेस अध्यक्ष दादा भाई नौरोजी, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और यूएन ढेबर गुजरात से ही रहे हैं। गुजरात की धरती ने हमें जिजीविषा और साहस दिया है। हम बापू की सीख को लेकर ही आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे गुजरात की धरती पर आकर अभिभूत हैं। खुद को गौरवान्वित महसूस करती हैं कि ऐसी पार्टी का हिस्सा हैं, जो गांधी जी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल और सरदार पटेल की 150वीं जयंती मना रही है। इस अधिवेशन का नारा है- संकल्प, समर्पण, संघर्ष, इसे ही लेकर हम आगे बढ़ेंगे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि सरदार पटेल पर विशेष प्रस्ताव पर चर्चा कर उसे पारित किया गया। नौ अप्रैल को राष्ट्रीय अधिवेशन में एक राष्ट्रीय मुद्दे और एक गुजरात के मुद्दे पर प्रस्ताव पेश किया जाएगा। संविधान की प्रस्तावना में पहली ही लाइन में ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय लिखा है।

मप्रः ईडी ने सौरभ शर्मा के खिलाफ पेश किया चालान, मां-पत्नी समेत 12 को बनाया आरोपित

एजेंसी

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोकायुक्त के छापों में मिली करोड़ों की संपत्ति के मामले में मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा, उसके सहयोगियों चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ भोपाल में विशेष अदालत में चालान पेश कर दिया है। ईडी ने अपने चालान में सौरभ की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा और उसके संस्थान और कंपनियों के डायरेक्टरों सहित 12 लोगों को आरोपित बनाया है। ईडी ने चालान में भोपाल के मेंडोरी के जंगल में खड़ी लावारिस इनोवा कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपये नगदी सौरभ का ही बताया है।कोर्ट में सौरभ की मां भी मौजूद रही, लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है। अब तक इस मामले में ईडी ने कुल 100.36 करोड़ रुपये की कुर्की और जब्ती की है। इससे पहले लोकायुक्त पुलिस सौरभ, चेतन और शरद के खिलाफ 60 दिन तक चली जांच के बाद भी कोर्ट में चालान पेश नहीं कर सकी थी, इसीलिए तीनों को लोकायुक्त पुलिस के मामले में गत दिनों जमानत मिल चुकी हैं, लेकिन ईडी की जांच जारी होने के कारण फिलहाल तीनों जेल में ही बंद हैंईडी ने अदालत में प्रस्तुत चालान में बताया है कि 19-20 दिसंबर की दरमियानी देर रात मेंडोरा के जंगलों में स्थित एक फार्म हाउस में लावारिस हालत में खड़ी इनोवा से बरामद 52 किलोग्राम से अधिक सोना और करीब 11 करोड़ रुपये नकद भी सौरभ शर्मा के हैं।

संजय बंदी ने एचसीयू भूमि घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की

एजेंसी

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने आरोप लगाए कि तेलंगाना की राजनीति में कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की अपवित्र गठबंधन की कहानी लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) विशेष रूप से करीबी मित्र बन गए हैं। इस मित्रता के तहत रेवंत रेड्डी सरकार बीआरएस शासनकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के मामलों को दबाने और कमजोर करने का प्रयास कर रही है ताकि केसीआर परिवार को गिरफ्तारी से बचाया जा सके। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ने कहा कि शुरुआत में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वयं खुले तौर पर केसीआर के परिवार पर कलेश्वरम परियोजना में ?1 लाख करोड़ के भ्रष्टाचार, बिजली खरीद समझौतों में अनियमितताओं, धरनी भूमि घोटाले, फोन टैपिंग कांड, फॉर्मूला-ई रेसिंग घोटाले और फार्म हाउस ड्रग्स मामलों में संलिप्तता का आरोप लगाया था लेकिन अब केटीआर के साथ गुप्त गठबंधन करने के बाद, रेवंत रेड्डी इन मामलों को हल्का करने का प्रयास कर रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय है। इसके बदले में केटीआर, रेवंत रेड्डी सरकार के साथ भूमि अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार गतिविधियों में सहयोग कर रहे हैं। कांग्रेस द्वारा प्रचारित छह गारंटी और अन्य वादों के बावजूद, वे विधानसभा के भीतर और बाहर केवल नाटक कर रहे हैं, जबकि वास्तव में जेमिनी स्तर पर किसी भी वादे को पूरा नहीं कर रहे हैं। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने अपने कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाए कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अब हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) की जमीनें बेचने का प्रयास कर रहे हैं। ऊपर से वे दिखावे के तौर पर वे विरोध का नाटक कर रहे हैं जबकि पर्दे के पीछे केटीआर पूरा समर्थन दे रहे हैं। संजय का मानना है कि रेवंत रेड्डी और केटीआर के बीच की गुप्त मित्रता पहले ही उजागर हो चुकी । हाल ही में दोनों ने मिलकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में आयोजित परिसीमन बैठक में भाग लिया। वे हैदराबाद में प्रस्तावित जनसभा की भी संयुक्त रूप से योजना बना रहे हैं, जिसमें आमंत्रित किए जाने वाले लोगों का चयन भी कर रहे हैं। यहां तक कि संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर मतदान के दौरान भी, कांग्रेस और बीआरएस सांसदों ने उनके प्रभाव में आकर केंद्र सरकार के विरोध में मतदान किया। हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों में भी कांग्रेस और बीआरएस ने कमजोर उम्मीदवार उतारकर एआईएमआईएम को जिताने में मदद की।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अत- प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नही है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नही देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र मे रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्द्रा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- ह्रदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना ह्रदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

सिद्धि और अभ्युदय ने केएल गर्ग मेमोरियल में किया उलटफेर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सिद्धि ने डा. केएल गर्ग मेमोरियल आइटा सीएस-7 (अंडर-18) टेनिस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय इक्षिता को हराते हुए उलटफेर भरी जीत के साथ बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बालक वर्ग में उत्तर प्रदेश के अभ्युदय ने भी उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं शीर्ष वरीय यूपी के रोहिन राज, दूसरी वरीय मेहर एस.खोसला, चौथी वरीय अग्रिम साहू ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। विजयंत खंड स्टेडियम के टेनिस कोर्ट पर बालिका वर्ग के क्वार्टर फाइनल में गैर वरीय उत्तर प्रदेश की सिद्धि ने शीर्ष वरीय उत्तर प्रदेश की ही इक्षिता को सीधे सेट में 6-1, 6-4 से हराया। इसके साथ दूसरी वरीय आशी शमसेरी, तीसरी वरीय वनिशा और चौथी वरीय गीतिका भी सेमीफाइनल में पहुंच गई।उत्तर प्रदेश की आशी ने काशवी को आसानी से 6-0, 6-0 से मात दी। वनिशा ने उत्तर प्रदेश की आद्या को 7-6(7-1), 6-2 से हराया। वनिशा ने कड़े संघर्ष के बाद पहला सेट टाईब्रेक में जीता और दूसरे सेट में बेहतर स्ट्रोक खेलते हुए जीत दर्ज की। वहीं उत्तर प्रदेश की चौथी वरीय गीतिका ने प्रदेश की ही ताशी को 6-4, 7-5 से हराकर अंतिम चार में स्थान सुरक्षित किया। बालक वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में अभ्युदय ने तीसरी वरीय यूपी के अनुज कुमार को 6-2, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

मलखंब के लिए झारखंड टीम का चयन

रांची। झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन और खेलकूद तथा युवा कार्य निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए झारखंड बालक-बालिका मलखंब टीम का चयन किया गया। टीम का चयन धर्वा के सेक्टार-2 स्थित बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में हुआ। इस खुली चयन प्रतियोगिता में झारखंड राज्य से संबंधित सभी जिला ईकाई के अतिरिक्त पूरे राज्य से लगभग 70 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। 10 से 30 अप्रैल तक 21 दिवसीय झारखंड मलखंब टीम का प्रशिक्षण शिविर दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे चलेगा। शिविर मलखंब टीम के मुख्य प्रशिक्षक अजय झा, सहायक प्रशिक्षक विवेक कुमार, दिव्या कुमारी, निखिल कुमार और खुशबू कुमारी की देखरेख में चलेगा। वहीं चयनित झारखंड टीम पांच से आठ मई तक बिहार के बोधगया में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 के तहत मलखंब प्रतियोगिता में भाग लेगी। खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने के झारखंड की बालक-बालिका मलखंब टीम तीन मई को बोधगया के लिए रवाना होगी। यह जानकारी झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव अजय झा ने दी।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन, आंध्र प्रदेश 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान पर

नई दिल्ली। लुधियाना के सराभा नगर स्थित लीज़र वैली स्केटिंग रिंग में पांच दिवसीय राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हो गया। स्पेशल ओलंपिक्स भारत के पंजाब चैप्टर की इस प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश ने 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।यह टूर्नामेंट स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स 2027 की तैयारियों का हिस्सा था और इसका उद्देश्य बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त खिलाड़ियों के लिए जागरुकता फैलाना और उन्हें उच्च स्तर के मंच प्रदान करना था। चैंपियनशिप के समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा और लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की। डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, यह चैंपियनशिप केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं बल्कि समावेशन, गरिमा और हर खिलाड़ी की प्रतिभा को सम्मान देने का जरिया है। यहां हर कोई जुनून, आत्मविश्वास और समुदाय की भावना से जीतता है। उन्होंने पंजाब के एरिया डायरेक्टर परमजीत सचदेवा का धन्यवाद करते हुए कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की ओर बढ़ें, जहां हर खिलाड़ी को उसका हक़ और पहचान मिले। 2027 के स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स की दिशा में यह पहला कदम है।

हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों की देखभाल के लिए तैनात किया अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ

नई दिल्ली। खिलाड़ियों की सेहत और फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए हॉकी इंडिया ने 15वीं सीनियर पुरुष हॉकी नेशनल चैंपियनशिप 2025 के लिए अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ उत्तर प्रदेश के झांसी में भेजा है। इसमें एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक मसाज थैरेपिस्ट शामिल हैं, जो राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के दौरान तुरंत मेडिकल सहायता और रिकवरी सपोर्ट प्रदान कर रहे हैं। इस बार की सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में कुल 31 भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें हार्दिक सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, अभिषेक, अमित रोहिदास, सुमित, गुरजंत सिंह और संजय जैसे दिग्गज नाम हैं। हॉकी इंडिया का यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि अधिकतर राज्य टीमों के पास अपने फिजियो या मेडिकल स्टाफ नहीं होते, जबकि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी प्रोफेशनल सेटअप के आदी होते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हॉकी इंडिया की तरफ से एक बेहद जरूरी और सकारात्मक पहल है।

नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग के साथ करेंगे सीजन की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के डबल ओलंपिक पदक विजेता, भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पुष्टि की कि वह 2025 सीजन की शुरुआत कतर की राजधानी दोहा में 16 मई को होने वाली डायमंड लीग मीट से करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड और फिर 2024 पेरिस ओलंपिक में सिल्वर पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह एक बार फिर से दोहा में दुनिया के सबसे जोशिलें एथलेटिक्स दर्शकों के सामने प्रदर्शन करने का इंतजार कर रहे हैं।चोपड़ा ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की थी। अपने तीसरे दोहा दौरे से पहले उन्होंने कतर में भारतीय प्रशंसकों से मिलने वाली भरपूर समर्थन का जिक्र किया और कहा, ÷मैं हमेशा कतर में भारतीय लोगों से मिलने वाली तारीफों से अभिभूत हो जाता हूँ, और इसके लिए शब्दों की कमी महसूस होती है। 27 वर्षीय चोपड़ा, जिनका कोच अब चेक गणराज्य के विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक एवं विश्व चैंपियन जान

जेलेज़नी हैं, ने भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाईयों तक पहुँचाया है। वह ओलंपिक गोल्ड और विश्व चैंपियनशिप गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट बने। इसके साथ ही उन्होंने डायमंड लीग मीटिंग जीतने और डायमंड लीग टाइटल जीतने वाले पहले भारतीय का गौरव भी प्राप्त किया।

हालांकि, पिछले सीजन में चोपड़ा को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और वह ओलंपिक फाइनल में अर्जद नदीम से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि डायमंड लीग फाइनल में एंडरसन पीटर्स से भी दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, ÷पिछला साल मेरे लिए बहुत कुछ सिखाने वाला था, लेकिन मुझे भारतीय ध्वज के नीचे ओलंपिक खेलों में पदक जीतने पर गर्व है। अब मैं पूरी तरह फिट हूं और जान जेलेज़नी के साथ मेहनत कर रहा हूं। मुझे दोहा में अपने सीजन की शुरुआत का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने कहा, कतर स्पोर्ट्स क्लब में दर्शक हमेशा ही जोर से उत्साहित होते हैं, और मुझे लगता है कि यह हमारे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बाहर लाता है। मुझे पता है कि यहाँ के दर्शक मुझसे बड़ी उम्मीदें रखते हैं, और अगर अच्छे हालात और शानदार माहौल हो, तो यह संभव है। मेरे लिए स्थिरता अधिक महत्वपूर्ण है, जो मुझे लगता है कि मेरी सबसे बड़ी ताकत है, सिर्फ एक नंबर का पीछा करने से ज्यादा। दोहा मीट के बाद, चोपड़ा 24 मई को पंचकुला में 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' जेवलिन इवेंट में भी हिस्सा लेंगे।

रजत पाटीदार पर लगा धीमे ओवर रेट का जुर्माना

एजेंसी

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख रूपये जुर्माना लगा हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर सोमवार रात मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस पर जीत के दौरान धीमे ओवर रेट के लिए यह जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2025 में आरसीबी पर पहली बार धीमे ओवर रेट अपराध के लिए जुर्माना लगा हैं। इससे पहले हार्दिक पंड्या, रियान पराग और ऋषभ पंत पर भी धीमे ओवर रेट के लिये जुर्माना लगा चुका हैं। पाटीदार की अगुवाई वाली आरसीबी निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई थी। आईपीएल की आचार संहिता के तहत उन्हें धीमे ओवर रेट का दोषी करार देते हुए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आरसीबी ने मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मुम्बई इंडियंस को 12 रनों से हरा दिया था।

आईपीएल 2025 : क्रिकेट जगत के नए सुपरस्टार बने प्रियांश आर्य

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) की एक रात, जिसे प्रियांश आर्य कभी नहीं भूल पाएंगे–और शायद क्रिकेट प्रेमी भी नहीं। पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए इस 24 वर्षीय बल्लेबाज़ ने महज 42 गेंदों में 103 रन ठोक दिए। पहली ही आईपीएल सीज़न, पहला ही शतक और वह भी ऐसे अंदाज़ में कि सोशल मीडिया पर उनकी पारी के वीडियो वायरल होने लगे। क्रिकेट के इस महाकुंभ में यह किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसा डेब्यू था।

पहले ही ओवर से मचा दिया धमाल

प्रियांश ने अपनी पारी की शुरुआत ही धमाकेदार अंदाज़ में की। मैच की पहली ही गेंद पर खलील अहमद को डीप पॉइंट के ऊपर से छक्का जड़ा और पहले ओवर में कुल 16 रन बटोरे। शुरुआत से ही वह आक्रामक तेवरों में नजर आए और विकेट गिरने के बावजूद अपनी लय में बने रहे। उनकी 103 रनों की पारी में 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे।

कोच ने बताया 'स्पेशल प्लेयर'

मैच के बाद पंजाब किंग्स के असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने प्रियांश की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, पहली ही प्रैक्टिस गेम में हमें पता चल गया था कि यह लड़का कुछ खास है। जब जोफ्रा आर्चर की गेंद पर आउट हुआ था, तब भी उसने माना कि वो एक बेहतरीन बॉल थी। लेकिन आज उसने दिखा दिया कि वह कितनी तेजी से सीखता है और कितना दमदार खिलाड़ी है।

कौन हैं प्रियांश आर्य?

प्रियांश आर्य ने 2024 में दिल्ली प्रीमियर लीग में तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने एक ही ओवर में लगातार छह छक्के जड़े थे। दक्षिण दिल्ली सुपरस्टार्ज़ के लिए खेलते हुए

उन्होंने 120 रन बनाए थे जिसमें 10 चौके और 10 छक्के शामिल थे। उस पारी में उनकी टीम ने 308/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। 2023-24 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रियांश दिल्ली के टॉप रन स्कोरर रहे थे। उन्होंने 7 पारियों में 222 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल था जो उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ 10 छक्के लगाकर पूरा किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कपः सुरुचि और विजयवीर ने भारत को दिलाए दो स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन को पदक तालिका में पछाड़ दिया है। सुरुचि सिंह और विजयवीर सिद्धू ने अपने-अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की झोली में कुल चार स्वर्ण पदक डाल दिए। सुरुचि ने चीन की तीन निशानेबाजों को पछाड़ा, 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड 18 वर्षीय सुरुचि इंदर सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में दमदार वापसी करते हुए चीन की तीन निशानेबाजों को पीछे छोड़ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फाइनल के नौवें शॉट तक सुरुचि केवल कियान वेई से पीछे थीं, लेकिन एक दुर्लभ 8.9 स्कोर ने उन्हें चौथे स्थान पर पहुंचा दिया। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 10.7 तथा 10.8 जैसे शॉट्स के दम पर बढ़त बना ली। चार एलिमिनेशन के बाद वेई के साथ उनकी बढ़त 0.5 अंकों की थी। ओलंपिक मेडलिस्ट जियांग रैनशिन ने शूट-ऑफ में याओ कियानसुन को

हराकर कांस्य पदक जीता। क्वालिफिकेशन में भी सुरुचि ने 583 स्कोर के साथ टॉप किया था। चीन की वेई (582-23×) और रैनशिन (582-17×) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। विजयवीर का विजयपथ जारी, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में स्वर्णपुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में विजयवीर सिद्धू ने खराब शुरुआत के बावजूद शानदार वापसी करते हुए गोल्ड मेडल जीता। पहले सीरीज में उन्होंने केवल एक शॉट पर निशाना लगाया था, लेकिन अगली तीन सीरीज में चार-चार निशाने लगाकर वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए। जैसे ही रूस के इवान सेमिनिखिन बाहर हुए, विजयवीर ने पांच हिट के साथ मुकाबले पर पकड़ बनानी शुरू की।

भारत बिली जीन किंग कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड से 2-1 से हारा; श्रीवल्ली ने आइशी दास को हराया

एजेंसी

पुणे। भारत ने बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की। मेजबान टीम ने शानदार शुरुआत की और श्रीवल्ली भामिदिपति ने अपने मैच में बेहतरीन जीत दर्ज की, लेकिन न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया और पुणे के म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में 2-1 से मुकाबला जीत लिया। भारत के लिए सबसे पहले श्रीवल्ली भामिदिपति का सामना आइशी दास से हुआ। भारतीय युवा खिलाड़ी (जो अब तक लगातार रैंकिंग में ऊपर जा रही हैं) ने राष्ट्रीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीवल्ली ने मात्र एक घंटे के अंदर ही 6 ऐस और एक बेहतरीन

ब्रेक-पॉइंट कन्वर्सेशन रेट के साथ एक व्यापक जीत हासिल की। श्रीवल्ली ने यह मुकाबला 6-1, 6-1 से जीता और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिलाई। भारत बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले के दूसरे मैच में सहजा यमलापल्ली ने दूसरे एकल मैच में अनुभवी लुलु सुन का सामना किया। युवा भारतीय खिलाड़ी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने कोर्ट और अपनी ताकत का बुद्धिमानी से इस्तेमाल किया। यह मैच एक घंटे और 13 मिनट तक चला, जिसमें लुलु सुन ने सहजा को अपने अंकों के लिए कड़ी मेहनत करने पर मजबूर कर दिया। आखिरकार, न्यूजीलैंड की खिलाड़ी ने 6-3, 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। डबल्स मुक़ाबले में भारत की अनुभवी जोड़ी अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे का सामना लुलु सुन और मोनिक बैरी की कीवी जोड़ी से हुआ। भारतीय जोड़ी ने फ्लडलाइट्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी अकादमी की नवा रायपुर में होगी स्थापना

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक तीरंदाजी अकादमी की स्थापना होने जा रही है।इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण ने लगभग 10.03 एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। यह भूमि सेक्टर-33 के ग्राम उपरवारा क्षेत्र में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 40,614.216 वर्गमीटर है। मिली जानकारी के अनुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 90 वर्षों की लीज पर भूमि प्रदान की जाएगी। तीरंदाजी अकादमी के निर्माण में एनटीपीसी लिमिटेड (एनटीपीसी) अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यहां आउटडोर और वातानुकूलित इनडोर तीरंदाजी रेंज, हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर, छात्रावास जैसे निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। अकादमी के बनने से नवा रायपुर न केवल खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाएगा, बल्कि यह देश के युवा तीरंदाजों के लिए एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उभरेगा। यह पहल खेलों के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

आईपीएल 2025 : पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 18 रन से हराया

एजेंसी

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 18 रन से हराकर जीत की राह पर वापसी की, जबकि चेन्नई को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 201 रन ही बना सकी।

पंजाब की ओर से मिले लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई की टीम ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र और कॉनवे ने तेजी से रन बनाये और पॉवर प्ले में 58 रन जोड़ डाले। हालांकि पॉवर प्ले खत्म होते ही रचिन 36 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तब कॉनवे का साथ शिवम दुबे ने दिया और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी की। कॉनवे ने 69 रन की पारी खेली और आईपीएल में अपने 1000 रन भी पूरे किए। कॉनवे के अलावा शिवम दुबे ने 42 रन और धोनी ने 12 गेंदों में 27 रन बनाए। हालांकि तमाम कोशिशों के बाद भी चेन्नई लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी और 18 रन से उसे हार झेलनी पड़ी। पंजाब की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट झटके, जबकि यश ठाकुर और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 238 रन का स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 42 गेंदों पर 7 चौके और 9 छक्कों की मदद से 102 रन की पारी खेली। उनके अलावा, शशांस सिंह ने 52 और मार्को यानसेन ने 34 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। चेन्नई के लिए खलील अहमद और आर. अश्विन ने दो-दो विकेट चटकाए, जबकि नूर अहमद और मुकेश चौधरी को एक-एक सफलता मिली।

श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज श्रीलंका में खेली जाएगी, जिसमें भारत, मेज़बान श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें हिस्सा लेंगी। इस स्क्वॉड में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी हुई है, जिन्हें आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आराम दिया गया था। टीम में सबसे अहम नाम काश्वी गौतम का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल हुई विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 विकेट झटके थे।

राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिपः पांचवें दिन तेलंगाना, दादरा व नगर हवेली, मध्य प्रदेश और मणिपुर ने दर्ज की जीत

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप 2025 के पांचवें दिन मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा। तेलंगाना हॉकी, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी, हॉकी मध्य प्रदेश और मणिपुर हॉकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

डिवीजन 'बी' के पहले मुकाबले में तेलंगाना हॉकी ने गोवा हॉकी को 5-1 से पराजित किया। तेलंगाना की ओर से सूर्य प्रकाश पोटलुरी (18'), अय्यप्पा पीआर (21'), पेड्डिन्ती नीरज कुमार (23'), रोहित सिंह (28') और राजू टल्ला (29') ने गोल दागे। जबकि गोवा के लिए तृषुल गणपति (19') ने एकमात्र गोल किया। इस जीत के साथ तेलंगाना पूल 'ए' में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। दूसरे मुकाबले में दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी ने मिजोरम हॉकी को 6-0 से हराकर पूल 'बी' में तीसरा स्थान हासिल किया। टीम के लिए दीपक यादव (4'), एस. मोहम्मद यासीन (6'), कोमल सिंह (15'), विजय यादव (36'), कप्तान अरविंद यादव (39') और सजल सक्सेना (44') ने एक-एक गोल किया।डिवीजन 'ए' के पहले मुकाबले में, हॉकी मध्य प्रदेश ने ओडिशा एसोसिएशन को 3-2 से हराया। मध्य प्रदेश के लिए अली अहमद ने 28' मिनट मोहम्मद ज़ैद खान ने 32' मिनट में गोल किया। इसके बाज अली मोहम्मद ने 42'वें मिनट पर गोल टीम को बढ़त दिला दी। वहीं, ओडिशा के लिए कप्तान अमित

रोहिदास (17') और नीलम संजीव ज़ेस (57') ने स्कोर किया। दिन के अंतिम मुकाबले में, मणिपुर हॉकी ने ले पुडुचेरी हॉकी को 4-3 से मात दी। मणिपुर के लिए सिरिल लुगुन (14', 15', 28') ने हैट्रिक लगाई जबकि थोकचोम किंग्सन सिंह (51') ने निर्णायक गोल किया। पुडुचेरी के लिए मणिकंदन (6'), रजत मिन्ज (43') और पी महेन्द्रन (60') ने गोल किए।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स चार रन से हराया

एजेंसी

कोलकाता। निकोलस पूरन (नाबाद 87), मिचेल मार्श (81) की अर्धशतकीय और एडन मारक्रम (47) की तूफानी पारियों के बाद गेंदबाजों शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 21वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हरा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की यह इस सत्र की तीसरी जीत हैं। 239 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 37 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक (15) का विकेट गवां दिया। क्विंटन डी कॉक को तीसरे ओवर में आकाश दीप ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सुनील नारायण के साथ पारी को संभाला। सातवें ओवर में दिग्वेश राठी ने सुनील नारायण (30) को एडन मारक्रम के हाथों कैच आउटकरा कोलकाता को दूसरा झटका दिया। 13वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने अजिंक्य रहाणे को निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को तीसरी सफलता दिलाई। अजिंक्य रहाणे ने 35 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। कोलकाता का चौथा विकेट रमनदीप सिंह (एक) के रूप में गिरा। उन्हें रवि बिश्नोई ने आउट किया। 15वें ओवर में आवेश खान ने अंगकृष रघुवंशी (पांच) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउटकरा दिया।16वें ओवर में आकाश दीप ने वेंकटेश अय्यर को मारक्रम के हाथों कैच आउटकरा कर पवेलियन भेज दिया। वेंकटेश अय्यर ने 29 गेंदों में एक छक्के और छह चौकों की मदद से (45) रन बनाये। 17वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने आंद्रे रसल (सात) को आउट किया। रिंकू सिंह ने अंतिम ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी और अपनी टीम को जीत की दहलीज तक तो ले गये लेकिन जीत नहीं दिला पाये। रिंकू सिंह ने 15 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 38) रनों की पारी खेली। हर्षित राणा (10) रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी और चार रन से मुकाबला हार गई। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। आवेश खान, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्या रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एडन मारक्रम और मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 99 रन जोड़े। 11वें ओवर में हर्षित राणा ने एडन मारक्रम को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। मारक्रम ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (47) रनों की पारी खेली। 16वें ओवर में आंद्रे रसल ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचले मार्श को डीप प्वाइंट पर रिंकू सिंह के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को बड़ा झटका दिया। मार्श ने 48 गेंदों में छह चौके और पांच छक्कों की मदद से (81) रनों की तूफानी पारी खेली। मार्श के आउट होने के बावजूद निकोलस पूरन ने कोलकाता के गेंदबाजों की धुनाई जारी रखी। 19वें ओवर में हर्षित राणा ने अब्दुल समद (छह) को बोल्ड कर कोलकाता को तीसरी सफलता दिलाई। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 238 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। निकोलस पूरन ने 36 गेंदों में सात चौके और आठ छक्कों की मदद से (नाबाद 87) रनों की पारी खेली।

पार्टी में हमने साथ डांस किया और फिर...15 साल छोटी राशा से फ्रेंडशिप पर

तमन्ना भाटिया

ने कही दिल की बात

कहते हैं कि जिस तरह प्यार में न उम्र देखी जाती है, न पद, न कद और न ही कुछ औरज्उसी तरह से ये बात दोस्ती के रिश्ते पर भी सटीक बैठती है. दोस्ती का रिश्ता दुनिया के सबसे खूबसूरत रिश्तों में से एक होता है. ये एक ऐसा रिश्ता होता है जिसे हम खुद चुनते या बनाते हैं.

दोस्ती भी कभी भी, किसी से भी, कहीं भी हो सकती है. उम्र में कोई बड़ा हो या छोटा ये रिश्ता सभी बंधनों को तोड़कर आगे बढ़ता है.हम आपसे दोस्ती को लेकर बातें इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बॉलीवुड में भी दो हसीनाओं के बीच उम्र में ज्यादा गैप होने के बावजूद दोस्ती का रिश्ता बन गया है. एक की उम्र सिर्फ 20 साल है, जबकि दूसरी 35 साल की हैं. दोनों की उम्र में 15 साल का गैप है फिर भी ये हसीनाएं सबसे कीमती रिश्ते के लिए आगे आई हैं. यहां बात हो रही है तमन्ना भाटिया और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की.

राशा संग दोस्ती पर क्या बोलीं तमन्ना ?

तमन्ना ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में राशा थडानी संग अपनी दोस्ती पर खुलकर बात की. उन्होंने परमिट रूम पॉडकास्ट पर कहा, हाल ही में राशा और मेरा एक पार्टी के दौरान मिलना हुआ था. राशा ने अभी बॉलीवुड मेंअपनी शुरुआत की है. हम पार्टी में मिले और फिर हम साथ डांस करने लगे. उसके बाद से ही हम एक दूसरे से जुड़े हुए हैं.

15 साल के एज गैप पर दिया ऐसा बयान

तमन्ना भाटिया ने राशा और उनकी उम्र के बीच 15 साल के एज गैप पर भी बात की. उन्होंने कहा, हमारी उम्र के बीच बहुत ज्यादा गैप है, लेकिन उम्र से कोई फर्क नहीं पड़ता. क्योंकि जिन लोगों के साथ हमारा नेचर मिलता है हम उन्हीं के साथ कनेक्शन बनाते हैं या महसूस करते हैं. एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि मैं लोगों से बात करना शुरू कर देती हूं और कभी-कभी कुछ लोगों के साथ टाइम स्पेंड करना आपको अच्छा लगता है. इसमें कुछ लेने या देने की बात नहीं है.

राशा ने 'आजाद' से किया डेब्यू

तमन्ना भाटिया कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं और उन्होंने आइटम नंबर्स से भी पहचान बनाई हैं. वहीं राशा ने इसी साल फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड डेब्यू किया है. अजय देवगन की इस फिल्म में राशा के अपोजिट अजय के भतीजे अमन देवगन नजर आए थे.

कभी करीबी दोस्त थे गोविंदा और संजय दत्त, फिर बन बैठे कट्टर दुश्मन, अंडरवर्ल्ड डॉन तक पहुंच गया था मामला

संजय दत्त और गोविंदा दोनों ही सुपरस्टार्स का फिल्मी करियर 80 के दशक में शुरू हुआ था. दोनों ने 80 और 90 के दशक में बतौर लीड एक्टर काम करके फैंस के दिलों पर राज किया. दोनों ने फैंस को कई ऐसे मौके भी दिए जब ये जोड़ी बड़े पर्दे पर साथ भी नजर आई और दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही.संजय दत्त और गोविंदा आधा दर्जन से भी ज्यादा फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. दोनों एक समय पर एक दूसरे के पक्के दोस्त हुआ करते थे. लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ जिसने दोनों के रिश्ते में दरार पैदा कर दी थी. दोनों के बीच का मामला अंडरवर्ल्ड डॉन तक भी पहुंच गया था. इसके बाद गोविंदा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि संजय के लिए उनका मन खट्टा हो चुका है.

इस फिल्म के दौरान पड़ी थी संजय-गोविंदा के रिश्ते में दरार

संजय और गोविंदा ने आखिरी बार साथ में फिल्म 'एक और एक ग्यारह' में काम किया था. 2003 में आई इस फिल्म का डायरेक्शन डेविड धवन ने किया था. फिल्म दर्शकों को पसंद आई थी, लेकिन इसके बाद गोविंदा और संजय की जोड़ी बड़े पर्दे पर साथ नहीं दिखी. इसकी शूटिंग के दौरान एक सीन में गोविंदा ने डायरेक्टर डेविड धवन से बदलाव की बात की थी. लेकिन डेविड राजी नहीं हुए. वहीं जब संजय को ये बात पता चली तो उन्होंने भी डेविड की साइड ली. इस बात से गोविंदा खफा हो गए थे और दोनों के रिश्ते में दरार पड़ गई.

संजय ने अंडरवर्ल्ड डॉन से की थी गोविंदा की शिकायत!

संजय और गोविंदा की लड़ाई के बीच संजय की एक कॉल रिकॉर्डिंग लीक हो गई थी, जिसमें वो एक अंडरवर्ल्ड डॉन से गोविंदा के सेट पर लेट आने की शिकायत कर रहे थे. रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद डॉन छोटा शकील ने गोविंदा को फोन करके सेट पर समय से पहुंचने के लिए कहा था. इस मामले पर गोविंदा ने भी अपने एक इंटरव्यू के दौरान बात की थी. साथ ही संजय संग अपने रिश्ते को लेकर उन्होंने कहा था कि संजय के लिए उनका मन अब खट्टा हो चुका है.

इन फिल्मों में किया था साथ में काम

गोविंदा और संजय ने 'एक और एक ग्यारह' से पहले 'जोड़ी नंबर 1', 'हसीना मान जाएगी', 'आंदोलन', 'दो कैदी', 'ताकतवर' और 'जीते हैं शान से' जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया था. लेकिन 2003 के बाद दोनों कभी साथ नजर नहीं आए.

खुद से 5 साल बड़ी इस एक्ट्रेस के दीवाने थे अमिताभ बच्चन, सेट पर उनकी जूती उठाकर चलते थे बिग बी

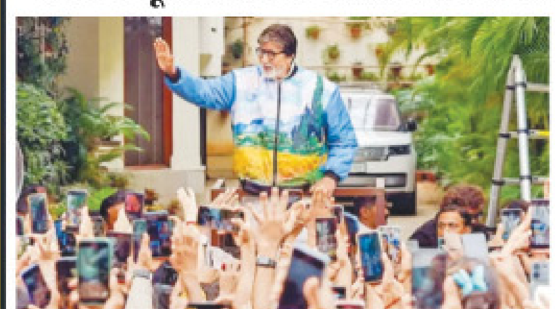

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन का फैन भला कौन नहीं होगा. हर उम्र के लोगों के बीच सिनेमा के इस लीजेंड की दीवानगी देखने को मिलती है. साढ़े पांच दशक से ये सितारा फिल्मों की दुनिया में चमक रहा है. बच्चे हो या बूढ़े या फिर महिलाएं हो अमिताभ की दीवानगी हर किसी के बीच देखने को मिलती है.

अमिताभ बच्चन ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के जरिए देश दुनिया में लाखों-करोड़ों फैंस बनाए हैं. बिग बी की फीमेल फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि अमिताभ बच्चन खुद किस एक्ट्रेस के दीवाने रहे हैं. वो जिस अभिनेत्री को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस मानते रहे हैं, उन्होंने उसकी जूती तक सेट पर उठाई है. फैन हो तो बिग बी जैसा जो अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की जूतियां तक उठाने से भी नहीं हिचके.

वहीदा रहमान के दीवाने रहे अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन ने जया बच्चन से शादी की थी और उनका रेखा के साथ भी अफेयर खूब चर्चा में रहा. लेकिन इन महिलाओं के उनकी लाइफ में आने से पहले बिग बी के दिल में वहीदा रहमान ने जगह बनाई थी. ये बात खुद अमिताभ बच्चन भी कह चुके हैं. शुरू से ही बिग बी उम्र में खुद से पांच साल बड़ी वहीदा रहमान के फैन थे. 'सुपरस्टार सिंगर' नाम के रियलिटी शो पर बिग बी ने वहीदा की तारीफ में कहा था कि वहीदा भारतीय महिला का एक सबसे अच्छा उदाहरण हैं. वो न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं बल्कि अच्छी इंसान भी हैं. वो मेरे लिए आज तक सबसे खूबसूरत महिला रही हैं.

जब अमिताभ ने उठाई वहीदा की जूतियां

अमिताभ को वहीदा के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका भी मिला. दोनों ने कुली, त्रिशूल, रेशमा और शेरा, नसीब, महान और अदालत जैसी फिल्मों में काम किया. 1971 में रिलीज हुई फिल्म 'रेशमा और शेरा' के जरिए अमिताभ और वहीदा ने पहली बार साथ काम किया था. फिल्म को सुनील दत्त ने डायरेक्ट किया था और वो फिल्म में लीड रोल में भी थे.

एक सीन के दौरान वहीदा और सुनील दत्त को नंगे पैर रेगिस्तान में बैठना था. वहां तापमान काफी ज्यादा था तब बिग बी को वहीदा के लिए चिंता हुई. अमिताभ सोच रहे थे कि वहीदा कैसे शूटिंग कर पाएंगी. शूट के बाद जैसे ही डायरेक्टर ने ब्रेक के लिए कहा तो बिग बी तुरंत ही वहीदा की जूतियां उठाकर उनकी तरफ जाने लगे. ये किस्सा खुद बिग बी ने सुनाया था और वो पल उनके लिए काफी स्पेशल था.

छोटी सी बात का बना बतंगड़, करीना कपूर और

बिपाशा बसु

के बीच हुआ बवाल, फिर इसने जड़ा जोरदार तमाचा

बॉलीवुड में साथ काम करने के दौरान अक्सर ही स्टार्स के बीच एक अच्छा रिश्ता भी बन जाता है, जबकि कई बार सेट पर स्टार्स की लड़ाई भी हो जाती है. इस तरह के किस्से आपने कई बार सुने होंगे जब सेट पर दो एक्टर्स या दो एक्ट्रेस शूटिंग के दौरान एक दूसरे से खफा हो गए थे और फिर उनकी लड़ाई हो गई. हम भी आपको बॉलीवुड की दो हसीनाओं की ऐसी ही एक लड़ाई के बारे में बता रहे हैं.यहां बात हो रही है करीना कपूर खान और बिपाशा बसु की. करीना और बिपाशा दोनों ने ही अपना एक्टिंग करियर लगभग साथ में शुरू किया था. शुरुआती दिनों के दौरान ही करीना और बिपाशा को साथ में काम करने का मौका मिला था, लेकिन तब एक फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों हसीनाओं का झगड़ा हो गया था. तब एक एक्ट्रेस ने दूसरी को थप्पड़ मार दिया था और उसके लिए अपशब्द भी कहे थे.

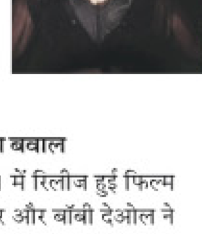

'अजनबी' के सेट पर करीना-बिपाशा ने मचाया था बवाल

ये किस्सा जुड़ा है करीना और बिपाशा की साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'अजनबी' से. फिल्म में दोनों के साथ अक्षय कुमार और बॉबी देओल ने लीड रोल निभाया था. इसका डायरेक्शन किया था अब्बास-मस्तान की जोड़ी ने. ये बिपाशा की डेब्यू फिल्म थी. लेकिन पहली फिल्म के सेट पर ही करीना ने उनके साथ बुरा व्यवहार किया था. दोनों के बीच जमकर लड़ाई हो गई थी.

करीना ने बिपाशा को मारा था थप्पड़

बताया जाता है कि एक दिन शूटिंग के दौरान करीना और बिपाशा के बीच कपड़ों को लेकर बहस हो गई थी. बहस लगातार बढ़ती गई और करीना ने गुस्से में बिपाशा को थप्पड़ रसीद कर दिया था. इतना ही नहीं इसके अलावा करीना ने बिपाशा की रंगत का मजाक उड़ाते हुए कथित तौर पर उन्हें 'काली बिल्ली' भी कहा था.

बिपाशा ने खाई करीना के साथ काम न करने की कसम

करीना कपूर के बर्ताव से बिपाशा बसु बेहद आहत हुई थीं. इसके बाद उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो कभी करीना के साथ काम नहीं करेंगी. इसके अलावा बिपाशा ने घटना पर बात करते हुए उसे करीना की बचकानी हरकत करार दिया था. 'अजनबी' के बाद दोनों एक्ट्रेस को साथ में फिल्म 'ओमकारा' में देखा गाय था.